

10/6/86

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18] नई दिल्ली, शनिवार, मई 3, 1986 (वैशाख 13, 1908)
No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1986 (VAISAKHA 13, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 अप्रैल 1986

सं० ए-19021/3/80-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन होने पर श्री जसपाल सिंह भा० पु० सेवा (आ० प्र०-1970) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना सी० आई० यू० (एन० सी०) शाखा की सेवाएं 30 नवम्बर 1985 अपराह्न से आन्ध्र प्रदेश सरकार को सौंपी जाती है और उन्हें 2-12-1985 से मंजूर 117 दिन की अर्जित छुट्टी / अर्द्ध वेतन छुट्टी की समाप्ति पर पुलिस महालिदेशक आन्ध्र प्रदेश को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का निदेश दिया जाता है।

सं० 3/6/86-प्रशा०-5—श्री एस० रामामूर्थि, कार्यालय अधीक्षक के 17-3-86 (पूर्वाह्न) से सा० अ० स्कन्धः मद्रास शाखा में अपना कार्य ग्रहण कर लेने के परिणाम स्वरूप श्री वी० गोपालकृष्णया जिन्हें अवकाश रिक्ति में 13-1-1986 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में तदर्थ

आधार पर नियुक्त किया गया था को 17 मार्च 1986 पूर्वाह्न से अपराध सहायक के रूप में प्रत्यावर्तित किया जाना है।

धर्म पाल भल्ला
प्रणामन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महा निदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अप्रैल, 1986

सं० ओ० दो०-2141/86-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर, राजीव पाण्डे, को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी, आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०), कम्पनी कमान्डर, के पद पर 18 मार्च, 1986 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अप्रैल, 1986

सं० ओ० दो०-1763/82-स्था०--सेवा निवर्तन की आयु होने पर, सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री शिव मोहन सिंह, भारतीय पुलिस सेवा, (मध्य प्रदेश 1954) ने दिनांक 31-3-86 को अपराह्न पुलिस महा निरीक्षक सं/3, का कार्यभार सौंपा।

सं० ओ० दो०-2136/86-स्था०--राष्ट्रपति, जी श्री के० एल० बरस, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश, 1956) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में दिनांक 1-4-86 से सेवा निवर्तन की उम्र पूरी होने तक अर्थात् 31-12-87 तक प्रतिनियुक्ति आधार पर रु० 2500-2750/- वेतनमान में महानिरीक्षक के० रि० पु० बल के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 तदनुसार उक्त अधिकारी ने महा निरीक्षक सैक्टर-3 के० रि० पु० बल नई दिल्ली का कार्यभार, दिनांक 1-4-86 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया।

दिनांक 9 अप्रैल, 1986

सं० ओ० दो०-2146/86-स्था०--राष्ट्रपति जी द्वारा, श्री सी० एस० द्विवेदी, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश, 1959), को रु० 2500-2750/- के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति आधार पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में 5 वर्ष के लिए पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया जाता है।

तदनुसार उक्त अधिकारी ने दिनांक 4-4-1986 (पूर्वाह्न) को पुलिस महानिरीक्षक सं/4, के० रि० पु० बल शिलांग का कार्यभार संभाल लिया।

अशोक राज महीपथी,
सहायक निदेशक स्थापना

भारत के महा रजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

सं० एक-10/4/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर, भारत के महा रजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली में कंसोल/ऑपरेटर के पद पर कार्यरत श्री सत्य प्रकाश को 17 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी कार्यालय में अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर प्रोन्नति द्वारा, सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्य प्रकाश का मुख्यालय नई दिल्ली रहेगा।

3. वे दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

बी० एस० वर्मा
भारत का महा रजिस्ट्रार

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा,
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल, 1986

सं० प्रशा०-1/का० आ० सं०-8--इस कार्यालय के सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारी श्री अमरीक सिंह अहलुवालिया वार्षिक आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 अप्रैल, 1986 को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्मतिथि 3 अप्रैल, 1928 है।

सं० प्रशासन-1/का० आ० सं०-9--इस कार्यालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री कृष्ण लाल कपूर वार्षिक आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप, 30 अप्रैल, 1986 को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्म तिथि 15 अप्रैल, 1928 है।

मोहन खुरान
उप-निदेशक, लेखा परीक्षा (प्रशासन)

निदेशक, लेखा परीक्षा का कार्यालय (केन्द्रीय)

कलकत्ता-700001, दिनांक 24 मार्च 1986

सं० प्रशा०-1/राजपत्रित/2022-23--निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता ने 650-30-740-35-880-ई०बी०-40-1040 रुपये के वेतनमान पर संलग्न सूची में क्रम संख्या 1 से 216 तक दिये गये नामों के अनुभाग अधिकारियों को सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारी (ग्रुप-ख) के पद पर अस्थायी हैसियत से प्रत्येक नामों के साथ दिये गये तारीख से अगले आदेश जारी किये जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा के कार्यालय, (केन्द्रीय) में तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गये हैं :-

क्रम सं०	नाम	स्थापना की तारीख
	सर्व श्री	
1.	दिलीप कुमार घोष	1-11-85
2.	अमल किशोर भट्टाचार्य	1-11-85
3.	सुनिर्मल घोष	1-11-85
4.	सत्य कमल चक्रवर्ती	1-11-85
5.	मुहम्मद अब्दुल वहाब	1-11-85
6.	समरेन्द्र नाथ चौधरी	1-11-85
7.	सुनील कृष्ण तालुकदार	1-11-85
8.	ननी गोपाल महलानिबिश	1-11-85
9.	शान्ति राम चटर्जी	
10.	संजय कुमार बनर्जी	1-11-85
11.	अजित कुमार बोस	1-11-85
12.	धीरेन्द्र लाय बोस	1-11-85
13.	शंकर प्रसाद हालदार	1-11-85

क्रम सं०	नाम	स्थानापन्न की तारीख	क्रम सं०	नाम	स्थानापन्न की तारीख
सर्व श्री			सर्व श्री		
14	सात कुमार विष्वास	1-11-85	58	अशोक कुमार मुखर्जी	1-11-85
15	हिमांशु कुमार भट्टाचार्य	प्रतिनियुक्ति	59	परितोष कुमार सेन गुप्ता	1-11-85
16	जदुनाथ गुह	1-11-85	60	प्रवीर मुखर्जी	1-11-85
17	रवीन्द्र नाथ सरकार II		61	पंचानन सिंह राय	1-11-85
18	सुबोध चन्द दास	1-11-85	62	अमिय भूषण चटर्जी	1-11-85
19	सुजीत कुमार गुह	1-11-85	63	मलय रंजन गुह	1-11-85
20	हर प्रसाद मट्टाचार्य	1-11-85	64	प्रशान्त कुमार दत्त	1-11-85
21	पूर्णनन्द बन्धोपाध्याय	1-11-85	65	मुक्ति पद सान्धाल	1-11-85
22	नवी गोपाल कर	1-11-85	66	चिन्मय नाग	
23	सुकुमार साहा	1-11-85	67	नितीश चन्द्र मजूमदार	
24	हिमांशु कुमार साहा	1-11-85	68	अशिताश चन्द्र चक्रवर्ती	1-11-85
25	विभास चन्द शील	1-11-85	69	समीर कुमार पाल II	1-11-85
26	सुब्रत सेन	1-11-85	70	श्याम सुन्दर सरकार	1-11-85
27	चित्तरंजन ठाकुर	1-11-85	71	बजिदा बक्स मिददा	1-11-85
28	साधन चन्द गंगोपाध्याय	1-11-85	72	परिमल कुमार बनर्जी	
29	विभास कांति भट्टाचार्य	1-11-85	73	सुरेन्द्र कुमार नाथ	
30	श्रीमती अंजलि चट्टोपाध्याय (परियाल)	1-11-85	74	रंजित कुमार चौधुरी	1-11-85
31	बदरि नारायण सरकार	1-11-85	75	जयशंकर प्रसाद मुखोपाध्याय	1-11-85
32	सुखिन्द्र नाथ घोष	1-11-85	76	अजय श्याम	1-11-85
33	समरेन्द्र मजूमदार	1-11-85	77	रूपेन्द्र नाथ मिश्र	1-11-85
34	मिहिर कांति सेन गुप्ता	1-11-85	78	अरुण कांति पाल	1-11-85
35	अजय कुमार चट्टोपाध्याय	1-11-85	79	हरे कृष्ण दास	1-11-85
36	श्यामा प्रसाद पालित	1-11-85	80	गौर चन्द्र पाठक	1-11-85
37	देव प्रसाद बोस	1-11-85	81	दिलीप कुमार भट्टाचार्य	
38	रंजित चटर्जी	1-11-85	82	शिशिर कुमार बनर्जी	1-11-85
39	देवेन्द्र बन्धोपाध्याय	1-11-85	83	सुब्रत चौधुरी	1-11-85
40	गौर हर साहा	1-11-85	84	कल्याण कुमार मिश्र	1-11-85
41	पियूष कांति चौधुरी	1-11-85	85	गोपाल चन्द्र भट्टाचार्य	1-11-85
42	सोमेन्द्र नाथ मजूमदार	1-11-85	86	अमिय कुमार राय	1-11-85
43	नरेन्द्र नाथ पटनायक	1-11-85	87	कानाई चरण नाग	1-11-85
44	स्वदेश रंजन भद्र	1-11-85	88	कमल लोचन अधिकारी	1-11-85
45	श्रीमती जयश्री बक्सी	1-11-85	89	शान्ति प्रसाद सरकार	1-11-85
46	सुगांत कुमार साहिङी	1-11-85	90	संतोष कुमार चक्रवर्ती	1-11-85
47	पुर्णेन्दु विकास राय	1-11-85	91	देव प्रसाद राय चौधुरी	1-11-85
48	मानस कुमार मुखर्जी		92	दिलिप कुमार सरकार	1-11-85
49	नारायण चन्द्र भौमिक	1-11-85	93	अमिताभ राय चौधुरी	1-11-85
50	शिख शंकर मुखर्जी	1-11-85	94	अरधेन्दु चौधुरी	1-11-85
51	प्रणव कुमार नाग		95	सत्यव्रत दत्त चौधुरी	1-11-85
52	निखिल रंजन गंगोली	1-11-85	96	आनन्द चन्द्र दास	1-11-85
53	शशांक शेखर गंगोली	1-11-85	97	नर्मल कुमार मुखर्जी II	1-11-85
54	गिरिन्द्र कुमार भट्टाचार्य	1-11-85	98	अरुणोशु भट्टाचार्य	
55	प्रणव कांति मजूमदार	1-11-85	99	बंशीधर बनर्जी	1-11-85
56	संतोष कुमार राय	1-11-85		सुशील चन्द्र दास गुप्ता	1-11-85

क्रम सं०	नाम	स्थापना की तारीख	क्रम सं०	नाम	स्थापना की तारीख
	सर्वश्री			सर्वश्री	
100.	अनिल कृष्ण मंडल	1-11-85	144.	सितेश चन्द्र बागची	1-11-85
101.	ज्योतिर्मय देवनाथ	1-11-85	145.	राज बल्लभ साहा	1-11-85
102.	भवानो प्रसाद बांस	1-11-85	146.	तिनकड़ी चन्द्र साहा	1-11-85
103.	ननी गोपाल भट्टाचार्य	1-11-85	147.	बिमल कृष्ण राय चौधरी	1-11-85
104.	अनन्त नाथ भार्गव III	1-11-85	148.	ज्योतिर्मय दे सरकार	1-11-85
105.	अमल चन्द्र पाल		149.	विजय कृष्णकर	
106.	देवाशिव बार्जी	1-11-85	150.	जनार्दन भट्टाचार्य	
107.	सुनील रंजन बर्मन	1-11-85	151.	सुचित्रमय बन्दोपाध्याय	1-11-85
108.	मनोरंजन सरकार	1-11-85	152.	तहल कुमार मुखर्जी	
109.	पवित्र कुमार सरकार	1-11-85	153.	अशोक नन्दी	1-11-85
110.	निज कुमार राय चौधरी	1-11-85	154.	पूर्ण चन्द्र करण	1-11-85
111.	धीरेन्द्र नाथ राय II	1-11-85	155.	अजित कुमार चक्रवर्ती IV	1-11-85
112.	विश्वनाथ चट्टोपाध्याय	1-11-85	156.	प्रफुल्ल कुमार मुखर्जी	1-11-85
113.	परितोष कुमार चटर्जी		157.	अमल कुमार सरकार	1-11-85
114.	अरुण चन्द्र बर्माजाल	1-11-85	158.	निशीथ कुमार मुखर्जी	1-11-85
115.	ज्योतिर्मय विश्वास	1-11-85	159.	जीवन कृष्ण भट्टाचार्य	1-11-85
116.	असित कुमार साहा	1-11-85	160.	नृपेन्द्र नाथ हालदार	1-11-85
117.	सत्य कुमार पालुङ	1-11-85	161.	रवीन्द्र नाथ चटर्जी	1-11-85
118.	रंजित कुमार मुखोपाध्याय	1-11-85	162.	अलोक राय	1-11-85
119.	श्रीधर मुखर्जी	1-11-85	163.	मदन मोहन चट्टोपाध्याय	1-11-85
120.	रणेन्द्र नाथ बाबु	1-11-85	164.	कनक चन्द्र सेन	1-11-85
121.	चण्डीशम चटर्जी	1-11-85	165.	प्रवीर नारायण राय चौधरी	1-11-85
122.	संस नाथ भट्टाचार्य	1-11-85	166.	अमिय नन्द मजुमदार	1-11-85
123.	अमित कुमार साहा	1-11-85	167.	रमेश चन्द्र भोमिक	1-11-85
124.	अजय कुमार बन्दोपाध्याय	1-11-85	168.	गोपाल चन्द्र गुह	
125.	काशिश चन्द्र बांस	1-11-85	169.	श्रीमती अर्पना भट्टाचार्य	
126.	कोग्ग बाल मिश्र	1-11-85	170.	सुधेन्द्र चक्रवर्ती	1-11-85
127.	प्रमोद शर्मा सरकार	1-11-85	171.	रमला साहा	1-11-85
128.	सुनील बरण दत्त	1-11-85	172.	पूर्णन्दु नन्दी	1-11-85
129.	बिमान कुमार घोष	1-11-85	173.	कार्तिक चन्द्र राय	1-11-85
130.	रत्न कुमार सरकार	1-11-85	174.	देवेन्द्र नाथ बर्मन	1-11-85
131.	निर्मल कुमार मजुमदार	1-11-85	175.	सुनिर्मल ज्योति सरकार	1-11-85
132.	जहरलाल बार्जी I	1-11-85	176.	भास्कर भूषण नस्कर	1-11-85
133.	बिमान कुमार राय	1-11-85	177.	सत्यव्रत दास	1-11-85
134.	ननी गोपाल दास	1-11-85	178.	अजित कुमार चक्रवर्ती	1-11-85
135.	सोमन बाबु	1-11-85	179.	अशोक कुमार हालदार	1-11-85
136.	मदन मोहन दास	1-11-85	180.	गोपी कृष्ण दे	1-11-85
137.	ज्योतिष चन्द्र सरकार	1-11-85	181.	लुत्फर रहमान	1-11-85
138.	सुधीर कृष्ण मण्डल	1-11-85	182.	तहल मोहन चक्रवर्ती	1-11-85
139.	अनिल कृष्ण मण्डल I	1-11-85	183.	श्याम लेन्द्र नाथ चौधरी	1-11-85
140.	मिहिर कुमार बनर्जी	1-11-85	184.	विश्वनाथ मण्डल	1-11-85
141.	तपन कुमार सरकार	1-11-85	185.	श्रीमती पुरवी (सेनगुप्ता) जेना	1-11-85
142.	अजय कुमार मुखर्जी	1-11-85	186.	कल्याण कुमार घोषाल	1-11-85
143.	अमलेन्दु दास	1-11-85	187.	बिमल कृष्ण नाथ	1-11-85

क्रम सं०	नाम	स्थानापन्न की तारीख
	सर्वश्री	
188.	दुलाल चन्द्र मुखर्जी	1-11-85
189.	देव कुमार मुखर्जी	1-11-85
190.	मधुसूदन दत्त चौधरी	1-11-85
191.	विद्युत कुमार कालसा	1-11-85
192.	खगेंद्र नाथ घोष	1-11-85
193.	मृनाल कान्ति दत्त	1-11-85
194.	चुनीलाल तरफदार	1-11-85
195.	अमल कुमार श्रीमानी	1-11-85
196.	मंजिल कुमार मजूमदार	1-11-85
197.	बिजय कृष्ण काण्डू	1-11-85
98.	पूर्णन्दु बिहाय राय चौधरी	1-11-85
99.	पुरंजन चन्द	1-11-85
100.	दीपक कुमार सेन गुप्ता	1-11-85
101.	श्यामल कुमार चक्रवर्ती	1-11-85
102.	श्रीमती मिनति बसाक	1-11-85
103.	नारायण चन्द्र घट्टोपाध्याय	1-11-85
104.	तुषार कान्ति घोष	1-11-85
105.	श्यामा पद मित्र	1-11-85
106.	जयन्त कुमार घोषाल	1-11-85
107.	बिलीप कुमार चौधरी	1-11-85
108.	रतन गोपाल भट्टाचार्य	1-11-85
109.	मधुसूदन मुखर्जी	1-11-85
110.	असित रंजन मित्र	1-11-85
111.	शान्ति मय बनर्जी	1-11-85
112.	देवव्रत भौमिक	1-11-85
113.	सौरेन्द्र मोहन घोष	1-11-85
114.	सुखमय भौमिक	1-11-85
115.	श्रीमती आरती राय चौधरी	1-11-85
116.	बिमल कान्ति दे	1-11-85

मुनील
उप निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता

कार्यालय, महालेखाकार (ए. एण्ड ई.), जम्मू-काश्मीर
श्रीनगर, दिनांक 8 अप्रैल 1986

सं. प्र. 1/ए. एण्ड ई./60(67)/26/85-86/
974--महालेखाकार (ए. एण्ड ई.) सहर्ष निम्नलिखित
भाग अधिकारियों को स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारियों के
पद पर रु. 840-40-1000-ई.बी.-40-1200 के वेतनमान

में प्रत्येक के नाम के सामने अंकित तिथि से अगले आदेश तक
नियुक्त करते हैं।

1. श्री बंसी लाल मिश्री--27-2-86 (पूर्वाह्न)
2. श्री रतन लाल काव--27-2-86 (पूर्वाह्न)
3. श्री आंकार नाथ मुकु--24-3-86 (पूर्वाह्न)
4. श्री राजिन्द्र स्वरूप बहल--27-2-86 (पूर्वाह्न)

उनकी परस्पर वरिष्ठता ऊपर वर्णित क्रम के अनुसार होगी।

अ. क. शर्मा
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(लेखा तथा अधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, बिहार

पटना, दिनांक 21 फरवरी 1986

सं० प्रशा०-1(ले० प०)-1-20-5-1894--महा लेखाकार
(लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना में निम्नलिखित सहायक
लेखा परीक्षा, अधिकारियों को, अगले आदेश तक के लिए, लेखा
परीक्षा, अधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-
द० रो०-40-1200 में, दिनांक 12-2-1986 (अपराह्न)
अथवा पद भार ग्रहण करने की तिथि, दोनों में से जो भी
बाद में हो, सहर्ष स्थानापन्न प्रोन्नति दो है :---

सर्वश्री

1. भरत सा
2. अब्दुल गफ्फार खान
3. बुद्धि चन्द्र सिंह
4. बुद्धि नाथ सा
5. जितेन्द्र कुमार सेन गुप्ता

दिनांक 21 मार्च 1986

सं० प्रशासन-1(ले० प०)-1-20-5-2039--महा लेखाकार
(लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना निम्नांकित सहायक लेखा
परीक्षा, अधिकारियों को दिनांक 3-3-1986 (अपराह्न) या
पदभार, ग्रहण की तिथि से, जो बाद में हो, से अगले आदेश
तक रुपये, 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान
में स्थानापन्न लेखा परीक्षा, अधिकारी के पद पर सहर्ष पवोन्नत
करते हैं :---

क्रम सं० नाम

1. श्री भूपल भट्टाचार्य
2. श्री क्षेत्र मोहन हलदर

सं. प्र. 1 (ले. प.)-1-20-5-2045.—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना-सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी श्री कृष्ण कुमार बांस को दिनांक 14-3-86 (अपराह्न) या पक्ष भार ग्रहण करने की तिथि से, जो भी बाव में हो, से अगले आदेश तक रु. 840-40-1000 द. रो. 40-1200 के वर्तमान में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

जयन्त चटर्जी
उप महालेखाकार (प्रशासन)
बिहार, पटना

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, म०प्र०
खालियर, दिनांक 28 फरवरी

क्रमांक / प्रशा० ए० पी० एफ० एन० जी० के० / 387/2744—
श्री एन० जी० किंबे, (01/204) लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, मध्य प्रदेश, जोकि वर्तमान में हंदौर विकास प्राधिकरण हंदौर में बाह्य सेवा पर हैं, अर्ध-वार्षिकी आयु हो जाने पर, दिनांक 31-3-1986 को अपराह्न को शांकोय सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है।

(ह०) अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 अप्रैल 1986

सं० 235/ए-प्रशासन/130/83-85--वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री किशनलाल स्थायी लेखा परीक्षा, अधिकारी, रक्षा सेवाएं दिनांक 31-3-1986 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हुए

भगवान शरण लायल
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-1, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

सं० 23/जी/86—राष्ट्रपति महोदय, श्री आर० के० पाल जी० डी०, कार्यालया, प्रबन्धक का आई० ओ० एफ० एस० से त्यागपत्र दिनांक 15 जून, 1985 से स्वीकार करते हैं।

एम० ए० अलहन,
संयुक्त निदेशक

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1986

सं० 24/जी/86—राष्ट्रपति महोदय, ने निम्नलिखित अधिकारियों को एस० ए० जी० स्तर-1, (डी० डी० जी० ओ० एफ० एम० जी०-1) एवं महानिदेशक (एस० जी०-1) के ग्रेड में उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से पुष्ट करते हैं:—

नाम एवं पद	पुष्टिकरण की तारीख
1. श्री पी० आर० राव, उपर महा निदेशक (निवृत्त)	9-5-79
2. श्री पी० एल० जाधोटा, उपर महा निदेशक (निवृत्त)	30-9-80
3. श्री आर० आर० बयांचु डी० जी० ओ० एफ०/चेयरमैन (निवृत्त)	9-2-81

सं० 25/जी/86—राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को एडिशनल डी० जी० ओ० एफ० के ग्रेड में उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से पुष्ट करते हैं:—

नाम एवं पद	पुष्टिकरण की तारीख
1. श्री सि० माधावन, उपर महानिदेशक/सदस्य (निवृत्त)	30-6-78
2. श्री ओ० पी० बहल, उपर महा निदेशक/सदस्य (निवृत्त)	9-5-79
3. श्री डी० सेन, उपर महानिदेशक/सदस्य (निवृत्त)	1-3-82

वी० के० मेहता
उप महा निदेशक/स्थापन

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 11 मार्च, 1986

सं० 2 (26)/स्थापना-1/86/1465—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के श्री आर० के० अय्यर, सहायक निदेशक श्रेणी-II (पी० एवं डी०) दिनांक 28-2-1986 के आराह से सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करते हुए सेवा निवृत्त हो गए।

अरुण कुसा.
वस्त्र आयुक्त

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० प्र-1/1(1045)--इस महा निदेशालय के स्थायी कनिष्ठ प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री राम कृष्णन निवर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

वी० साखरे

उप निदेशक (प्रशासन)

हुते महा निदेशक पूति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मार्च, 1986

सं० ए-17011/283/84-प्र-6--संघ लोक सेवा आयोग द्वारा, चयन कर लिए जाने पर राष्ट्रपति, ने श्री सुभाष चन्द्र को दिनांक, 6 मार्च, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक इस महा निदेशालय में (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातुकर्म शाखा का ग्रेड-3) स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक, निरीक्षण (धातु) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री सुभाष चन्द्र ने दिनांक 6-3-1986 के पूर्वाह्न से निरीक्षण-निदेशक (धातु) भिलाई के कार्यालय में सहायक निदेशक, निरीक्षण के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 9 अप्रैल 1986

सं० ए-17011/292/85/प्र-6--संघ लोक सेवा आयोग द्वारा, चयन लिए जाने पर राष्ट्रपति, श्री के० एम० गुप्त को 2 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश दिये जाने तक, महा निदेशालय में, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III, धातुकर्म शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त ने 23 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक (धातु) भिलाई, के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु), के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर० पी० शाही,

उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियन्त्रक

कलकत्ता-20, दिनांक 2 अप्रैल 1986

सं० ई०-1-2(1)/85 (.)--अधीनस्थ अधिकारी श्री एम० ए० भट्टाचार्य, अधीक्षक, को श्री आर० के० दे, सहायक निदेशक लोहा और इस्पात, नियन्त्रक की अवकाश रिक्ति पर स्थानापन्न सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक के रूप में दिनांक 1-4-86 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं--

दीपक कुमार घोष,

लोहा और इस्पात नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 अप्रैल 1986

सं० 3074 बी/ए-19012 सो० ए०/84/19 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, श्री सी० श्रीवास्तव को भंडार अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रु० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 21-2-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 8 अप्रैल 1986

सं० 2135 बी/ए-19011(1-के०सी०ए०)/85-19 ए--राष्ट्रपति जी, श्री काहनू चरण साहू को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 24-2-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कामिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 21 मार्च 1986

सं० ए-19012/39-85-स्था० ए०/पी०पी०--निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर, श्री जी० एस० नागराज, सहायक खनिज अर्थशास्त्री, (आसूचना) को दिनांक 1 मार्च, 1986 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो, के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनांक 7 अप्रैल, 1986

सं० ए-19011(391)/86-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति, समिति की सिफारिश पर श्री एच० बी० सत्यन, सहायक खनिज भूविज्ञानीय, को भारतीय खान ब्यूरो, में स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ, खनिज भूविज्ञानीय के पद पर दिनांक 10 मार्च, 1986 (अपराह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० आदी,
प्रशासन अधिकारी
हुते महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 मार्च 1986

सं० एक० 8-8-83/स्था०--अभिलेख निदेशक, भारत सरकार श्री के० डी० त्रिपाठी, जोकि तदर्थ आधार पर हिन्दी

अधिकारी के पद पर स्थानान्तरण रूप से कार्य कर रहे हैं। को पहली फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमित अस्थायी आधार पर हिन्दी अधिकारी (जी० सी० एस० ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० शर्मा
प्रशासन अधिकारी
कृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1986

सं० 4(63)/75-एस-1—श्री एल० बी० शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद स्वीच्छिक रूप से 1 अप्रैल, 1986 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4(106)/75-एस-एक (खंड-2)—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या 4(106)/75-एस-एक (खंड-2), दिनांक 18-3-1986 के आंशिक संशोधन में, श्री डी० वी० माहेश्वरी, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी बम्बई, स्वीच्छिक रूप से 1 मार्च, 1986 पूर्वाह्न से सरकारी, सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

आई० एल० भाटिया
प्रशासन उप निदेशक (कल्याण)
कृते महा निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400 026, दिनांक 7 अप्रैल 1986

सं० ए-12026/1/85-ई-1—इस कार्यालय के रिकार्डिस्ट श्री के० ए० पदमनाभन को प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 31 जनवरी, 1986 के अपराह्न से एक वर्ष की अवधि हेतु, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में फिल्म आफिसर के पद पर नियुक्त किया गया है।

ह० अपठनीय
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

सं० ए-31011/2/86-पी० एच० (एफ० एंड एन०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० आर० सेन को 10 मार्च, 1977 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में तकनीकी अधिकारी/लेक्चरर के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ए-31011/4/85-पी० एच० (एफ० एंड एन०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० बापक को खाद्य अनुसंधान एवं मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 12 जनवरी, 1983 से कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 12 मार्च, 1986

सं० ए-31011/4/85-पी० एच० (एफ० एंड एन०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० सत्य प्रकाश को खाद्य अनुसंधान एवं मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 30 मार्च, 1981 से कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-31011/4/85-पी० एच० (एफ० एंड एन०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० सो० राय को खाद्य अनुसंधान एवं मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 30 मई, 1981 से कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

जैस्सी फ्रांसिस
उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

दिल्ली बुध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 11 मार्च 1986

सं० 6-24/82-सतर्कता—यतः श्री इन्दर राज, मेट, सुपुत्र श्री राम चन्द्र, को केन्द्रीय निविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील), नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत इस कार्यालय के दिनांक 15-9-1982 के सम संख्यक ज्ञापन द्वारा निम्नलिखित आरोप के लिए एक आरोप-पत्र जारी किया गया था :—

“कि कथित श्री इन्दर राज सिंह, सुपुत्र श्री रामचन्द्र जब दिल्ली बुध योजना में मेट मेट के रूप में काम कर रहा था तो वह दिनांक 12-11-1980 से पूर्व सूचना दिए बिना और सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति बिना अपनी ड्यूटी से अनधिकृत रूप से गैर-हाजिर है जो केन्द्रीय निविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के प्रतिकूल है।”

और यतः दिनांक 15-9-1982 का आरोप-पत्र ज्ञापन उसे रजिस्ट्री लिफाफे द्वारा, उसके निम्नलिखित मूल निवास स्थान के पते, जो उसने दिया हुआ था, पर भेजा गया था :—

श्री इन्दर राज
सुपुत्र श्री राम चन्द्र

566, रामपुरा, दिल्ली-35

कथित ज्ञापन डिलीवर हुए बगैर, डाक प्रावि हरियों को हस्तविषणो के साथ वापस मिल गया कि “बार-बार जाने पर नहीं मिलता।” जोच अधिकारी को नियुक्ति का आदेश भी उसके निम्न पते पर भेजा गया था :—

श्री इन्दर राज,
सुपुत्र श्री राम चन्द्र,
70, रामपुरा, दिल्ली-35

जांच करने के लिए जांच अधिकारी के रूप में श्री बी० एल० ओबराय, की नियुक्ति का दिनांक 17-8-1984 का कथित शापन भी, डाक प्राधिकारियों, की इस टिप्पणी के साथ वापस मिल गया कि "लेने से इन्कार किया।"

और यतः केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील), नियम, 1985 के अनुसार आरोप की यथोचित जांच करने के बाद, जांच अधिकारी ने दिनांक 16 जुलाई, की अपनी रिपोर्ट, प्रस्तुत की है (प्रति संलग्न है) अधोहस्ताक्षरी जांच अधिकारी के निष्कर्षों से भी सहमत है और उनका यह भी मत है कि आरोपित कर्मचारी, अपने खिलाफ की जा रही जांच कार्रवाई से पूरी तरह परिवर्तित था क्योंकि उसके उक्त पत्रों पर इस कार्यालय द्वारा, जो पत्र भेजे गए थे, उनमें उसके द्वारा, प्राप्त किए गए हैं, कुछ झिलीवर हुए बिना वापस मिले हैं और कुछ को उसने लेने से इन्कार किया है। जांच कार्रवाई में उसके भाग न लेने से स्पष्टतः जाहिर है कि उसके पास, दिनांक 12-11-1980 से अनधिकृत रूप से गैर-हाजिर रहने के आरोप के बचाव में कुछ भी कहने के लिए नहीं है और चूंकि रिकार्डों से भी यह जाहिर है कि अभी तक उसका कोई भी आवेदन-पत्र या सूचना इस कार्यालय को अभी नहीं मिली है, निष्कर्षतः यह सिद्ध होता है कि आरोपित कर्मचारी खुद अनधिकृत रूप से अपनी ड्यूटी से गैर-हाजिर हो रहा है। इससे यह भी जाहिर है कि वह सरकारी सेवा करने में इच्छुक नहीं है।

अतः श्री इन्दरराज, मेट दिनांक 12-11-1980 से अनधिकृत रूप से ड्यूटी से गैर-हाजिर रहने का बोधी है और तदनुसार वह सरकारी नौकरी में रखे जाने के लिए योग्य व्यक्ति नहीं है।

अब अतः अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण, और अपील), नियम, 1985 के नियम 11, अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समूचित और पर्याप्त कारण होने पर, अब से श्री इन्दर राज, मेट, को नौकरी से नैकाले जाने का वण्ड देते हैं।

ह०/-
(डा० अलसाल सिंह)
महा प्रबन्धक
अनुशासनिक प्राधिकारी

श्री इन्दर राज, मेट,
पुत्र श्री राम चन्द्र,

1. 566, रामपुरा,
दिल्ली-110035

2. 70, रामपुरा,
दिल्ली-110035

2-46GI/86

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 अप्रैल 1986

सं० क्रमनि/2/1(26)/83-प्रशा०--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय, के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री पी० के० चपटे, को इसी निदेशालय में, दिनांक 1 अप्रैल, 1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि०/2/1(26)/83-प्रशा०/2034-- इस निदेशालय की दिनांक 14-1-1986 को सम संवत्त अधिवृत्ता के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री जे० जे० परेरा, को इसी निदेशालय में दिनांक 31-3-1986 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर तथा दिनांक 1-4-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 20 फरवरी 1986

सं० ना०ई०स०/का० प्र० 11/4339/प०पु०आ०सं०/1382--पत्र सं० ना०ई०स०/का०प्र० भ०/702/175, दिनांक 18 जनवरी, 1984 को दिये गए नियुक्ति, पत्र के अनुच्छेद 1 (क) के अनुसार सम्मिश्र के तनुद्ध यूरेनियम आक्साइड संयंत्र के (प्रौद्योगिक अस्थायी श्रमिक-अतर्हको), सदरगार "क" श्री के० नरसिंहराव, कामिक कूटोंक 4339 को सेवान्, तत्काल प्रभाव से समाप्त को जाती है।

2: उन्हें जारी किए गए बस पास, सुरक्षा, पड़ताल बिल्ला तथा अन्य कोई सरकारी सामान को तनुद्ध यूरेनियम आक्साइड संयंत्र के प्रबन्धक जो को वे तुरन्त हो वापस करें।

ना० वें० रमगन,
प्रशासनिक अधिकारी

श्री के० नरसिंह राव,
सदरगार "क" कामिक कू० 4339,
सं० यू० आ० संयंत्र, ना०ई०स०

श्री के० नरसिंह राव,
निवास सं० 4. 3. 250, गुजराती गली,
सुलतान बाजार,
हैदराबाद-500 001--पावती सद्पंजीकृत डाक द्वारा।

पर्यावरण विभाग

शार वेन्द्र

श्रीहरिकोटा, दिनांक 3 अप्रैल 1986

सं० एस० सी०एफ०/पी०जी०ए०/स्थापना-11/15-निदेशक, शार केन्द्र, एनटू द्वारा, श्री एस० डी० शर्मा को स्टेशन अधिकारी के रूप में, पदोन्नति द्वारा, वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/- में शार, केन्द्र, श्रीहरिकोटा में, स्थापनापन्न क्षमता के रूप में, दिनांक 20-3-86 (पूर्वाह्न) नियुक्त करता है।

पी० एस० नायर

प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग
कृते निदेशक

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनांक 1 अप्रैल 1986

सं० 20/1(15.1)/86-स्थापना-1-इसरो उपग्रह केन्द्र, के निदेशक, निम्नलिखित व्यक्तियों को, वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी० पद पर दर्शाई गई तिथियों से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर, में सहर्ष नियुक्त करने हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
1.	कृ० एस० बी० उमा महेश्वरी	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	9-10-85
2.	श्री एन० मोहम्मद शरीफ	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	30-12-85

एच० एफ० रामदास
प्रशासन अधिकारी- II

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 अप्रैल 1986

सं० ए० 32013(मो० वि० उमनि०)/2/83-स्था०-I-राष्ट्रपति, श्री आर० सी० महेश्वरी, निदेशक, की भारत मौसम विज्ञान, विभाग में 19 फरवरी, 1986 से आगामी आदेशों तक मौसम विज्ञान के उप महा निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्ति करने हैं।

सं० ए० 32013(ए०डी०जी०एम०)/2/83-स्था०-I-राष्ट्रपति, डा० एस० एस० कुलश्रेष्ठ, मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 21 फरवरी, 1986 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक मौसम विज्ञान के अपर महा निदेशक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० डी० एस० अम्बी
मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक
(प्रशासन एवं भंडारण)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1986

सं० ए० 32014/8/84-स्था०-I-मौसम विज्ञान के महानिदेशक द्वारा, श्री ए० एल० चिमोटे, व्यावसायिक सहायक को दिनांक 16-1-1985 से आगामी आदेशों तक भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थापनापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त किया गया।

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महात्तदेशक नागर विमान का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 मार्च 1986

सं० ए० 32013/12/84-ई० सी०-राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को नागर विमान विभाग में 31 मार्च, 1986 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके द्वारा, उच्चतर पद का पद भार संभालने की तारीख है तथा उन्हें उनके नाम के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है :-

क्रम सं०	नाम	तैनाती का वर्तमान स्टेशन	स्टेशन जहाँ तैनात किया गया है	पद भार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5

सर्वश्री

- एस० एस० कुलकर्णी पोरबन्दर बम्बई 14-1-86 (पूर्वाह्न)
- आर० गोविन्दराजूलू नागपुर मद्रास 26-2-86

1	2	3	4	5
सर्व श्री				
3. के० एस० मुंति	नागपुर	मद्रास	31-4-86 (पूर्वाह्न)	
4. एस० के० चटर्जी	मोहनगारी	कलकत्ता	22-2-86 (पूर्वाह्न)	
5. जी० एन० ओका	बम्बई	बम्बई	14-1-86	
6. एस० एस० गोगाटे	बम्बई	बम्बई	14-1-86 (अपराह्न)	
7. एस० बर्मन	हैदराबाद	कलकत्ता	6-2-86 (पूर्वाह्न)	
8. एस० पी० सेनगुप्ता	सिलचर	कलकत्ता	16-1-86 (पूर्वाह्न)	
9. एच० एस० तुली	दिल्ली	दिल्ली	11-1-86 (पूर्वाह्न)	
10. सी० आर० गुहा	अगरतला	कलकत्ता	20-1-86 (पूर्वाह्न)	
11. आर० के० डी० चौधरी	कलकत्ता	कलकत्ता	16-1-86 (पूर्वाह्न)	
12. जे० पी० गुप्ता	दिल्ली	दिल्ली	30-1-86 (पूर्वाह्न)	
13. एम० एस० पील	काजीगुंड	दिल्ली	30-1-86 (पूर्वाह्न)	
14. एन० एच० बोस	सिलचर	कलकत्ता	14-2-86 (पूर्वाह्न)	
15. एम० टी० राजश्रुति	बम्बई	बम्बई	14-2-86 (अपराह्न)	
16. पी० जी० चांदराना	बम्बई	बम्बई	14-1-86 (अपराह्न)	
17. एस० जी० सामदेव	दिल्ली	दिल्ली	16-1-86 (पूर्वाह्न)	
18. तीर्थसिंह	दिल्ली	दिल्ली	15-1-86 (पूर्वाह्न)	

सं० ए-32014/4/84-ई०सी०—इस कार्यालय की अधि-
सूचना सं० ए-32014/4/84-ई०सी०, दिनांक 14 फरवरी,

1986 में आंशिक संशोधन कर्त्तव्य हुए। महा निर्देशक नागर विमानन विभाग के श्री ए० एन० मित्रा सहायक संचार अधिकारी, की तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1-12-84 से 30-11-85 तक की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

2. श्री मित्रा की सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि बढ़ा दिये जाने से वे इन ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे और तदर्थ आधार पर की गई उनकी इस सेवा की गणना न तो सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में वाग्यता के लिए और न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिए की जाएगी।

सं० ए-38013/4/86-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों, न सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :-

क्रम सं.	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा-निवृत्ति की तारीख
----------	-------------	---------------	------------------------

सर्व श्री

1. एच० आर० कुंदरा, केन्द्रीय रेडियो सहायक तकनीकी अधिकारी भण्डार डिपो, नई दिल्ली। 31-10-85
2. एस० के० उपाध्याय, वैमानिक संचार सहायक तकनीकी अधिकारी स्टेशन, कलकत्ता। 31-12-85
3. जे० के० नाथ, सहायक तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता। 28-2-86

दिनांक 28 मार्च 1986

सं० ए-38013/1/86-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :-

क्रम सं.	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
----------	-------------	---------------	------------------------

सर्व श्री

1. पी० के० दत्ता, वैमानिक संचार सहायक तकनीकी अधिकारी स्टेशन कलकत्ता 31-1-86 (अपराह्न)

क्रम	नाम व पदनाम	सेवा निवृत्ति की तारीख
2.	ओ० पी० चड्ढा, तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम 31-1-86 (अपराह्न)
3.	पी० बी० सुब्रह्मण्यम, तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई 28-2-86 (अपराह्न)
4.	केशव नाथ, तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ,,

दिनांक 31 मार्च 1986

सं० ए-31013/1/85-ई० सी०:-राष्ट्रपति, श्री एल० आर० गर्ग को दिनांक 28-8-83 से नागर विमानन विभाग में उप निदेशक नियन्त्रक संचार के ग्रेड में स्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं

बी० जयचम्रन,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० ए-32014/1/84-ई० एस०:-महानिदेशक, नागर विमानन से निम्नलिखित अधीक्षकों, की नीचे दिए गए तैनाती स्टेशन, पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गई तबर्ष नियुक्ति दिनांक 30-6-1986 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने का अनुमोदन किया है:-

क्रम सं०	नाम	अनुमोदित तबर्ष नियुक्ति की अवधि	प्रशासनिक अधिकारी (तबर्ष) के रूप में तैनाती का स्टेशन
		से	तक
सर्व श्री :			
1.	जी० बालन	6-3-86 30-6-86	क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास ।
2.	ओ० एन० साहोर	7-3-86 30-6-86	विमानक्षेत्र अधि- कारी, सफदरजंग

सं० ए-32014/1/86-ई० एस०:-महानिदेशक नागर विमानन, प्रधानाचार्य, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय, में श्री डी० पी० मेहरोत्रा अधीक्षक (तबर्ष) को 10-3-86 से 31-3-86 तक 650-1200 रुपये के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तबर्ष आधार पर नियुक्त करते हैं।

एम० भट्टाचार्य
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 अप्रैल 1986

सं० 3/86 फा० सं०-22/2/85-प्रशा०-1 (बी०):-
अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री बीदार सिंह, पर्यवेक्षक को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में, 12-3-1986 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

आर० शेषाद्रि
अवर सचिव
इसे अध्यक्ष, के० बी० प्रा०

परिवहन मंत्रालय

जल भूतल परिवहन विभाग

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 9 अप्रैल 1986

सं० I टी० आर०(5)/85:-नौवहन महानिदेशक प्र० पो० राजेश्वर बम्बई पर तबर्ष आधार पर नियुक्त कप्तान एस० एस० जयराम, नाटिकल अधिकारी को दिनांक 12-3-1986 (अपराह्न) से कार्यमुक्त करते हैं।

सं० III-टी० आर०(7)/85:-नौवहन महानिदेशक समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय बम्बई के श्री अशोक कुमार अवस्थी, इंजीनियर अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 28-2-1986 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

अमितभ चन्द्र
नौवहन उप महानिदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दुबे फाईनान्स (जे० और के०) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

श्रीनगर, दिनांक 7 अप्रैल 1986

सं० पी० सी० 530/432—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दुबे फाईनान्स (जे० और के०) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

राकेश चन्द्र
कम्पनी रजिस्ट्रार
जम्मू व कश्मीर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं पारस प्रापर्टीज प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1986

सं० 680/16258/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारस प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वी० राधाकृष्णन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

कार्यालय मुख्य आयुक्त (प्रशा०) एवं धा० धा०
प० बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1986

आदेश सं० 673

I: पदोन्नति

एफ० नं० 28/28/75-76—निम्नलिखित आयुक्त निरीक्षकों, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता, को, कार्यभार ग्रहण के तारीख से भगले आदेश होने तक, सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में आयुक्त अधिकारी वर्ग "ब" में स्थानापन्न रूप से पदोन्नति किया जाता है।

सर्वेक्षी

1. रमेश च० राय
2. श्रीमती सुशान्त जार्ज वरगीस
3. पार्थ प्रतिम सरकार
4. प्रेमानन्द बसु
5. सुधा रंजन बनर्जी
6. अजित कुमार आकुलि
7. रत्नेशु बिकास बरुआ
8. पूर्ण चन्द भट्टाचार्य
9. अर्जुन शोखर मण्डल (अ०/जा०)
10. बंकिम च० पाण्डेय (अ०/जा०)
11. राई बिनोद दास (अ०/जा०)
12. बिमल च० मालाकार (अ०/जा०)
13. नलिनी रं० मण्डल (अ०/जा०)
14. हरिपद तालुकदार (अ०/जा०)
15. अजित अन्वनी अगस्तिन दीरके (अ०/ज० जा०)

यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और अनन्तिम आधार पर की गई है, और अन्य पदोन्नत व्यक्तियों की तुलना में उन्हें अपने स्थान पर बने रहने का या वरिष्ठता का दावा करने का अधिकार नहीं होगा। उनकी सेवाएं बिना सूचना के खत्म की जा सकती हैं और यदि रिक्तियों के पुनरीक्षण के बाद यह पाया गया कि पदोन्नति के लिये उपलब्ध रिक्तियों से उनकी नियुक्तियां अधिक हैं या उनकी प्रतिस्थापना के लिये सीधी भर्ती पर लिये जाने वाले व्यक्ति उपलब्ध हो जाते तो किसी भी समय उनका परावर्तन किया जा सकता है। उनका स्थानांतरण पश्चिम बंगाल में कहीं और किसी भी समय हो सकता है।

II. आयुक्त अधिनियम, 1961 की धारा (1961 का 42) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निवेश देता हूँ कि---

सर्वेक्षी

1. रमेश च० राय
2. श्रीमती सुशान्त जार्ज वरगीस
3. पार्थ प्रतिम सरकार
4. प्रेमानन्द बसु

सर्वश्री

5. सुधा रंजन बनर्जी
6. अजित कुमार आकूलि
7. रत्नेन्दु बिकाश बरुआ
8. पूर्ण चन्द मट्टाचार्य
9. अब्दुल्लेख शेखर मण्डल
10. बंकिम च० पाण्डेय
11. राई बिनोद दास
12. बिमल च० मालाकार
13. नलिनी रं० मण्डल
14. हरिपद तालुकदार
15. अजित अम्यनी अगस्तिन टीरके

आयकर अधिकारी (वर्ग "ख") के रूप में नियुक्ति होने पर आयकर अधिकारी के सभी कर्तव्यों का पालन ऐसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों वर्गों या ऐसी आय के वर्गों के लिये या ऐसे क्षेत्रों में करेंगे जैसा कि उनको उक्त नियम के अधीन समय-समय पर सुपुर्द किया जायेगा।

III. तैनाती

पक्षोन्नति पर, सभी आयकर अधिकारियों को, एतद्वारा मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा०) एवं आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में तैनात किया जाता है।

आर० प्रसाद
मुख्य आयुक्त (प्रशा०) एवं आ० आ०, प० ब०-1,
कलकत्ता

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस० आर० देवस्थले रेशीमबाग नागपुर।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सचमा
भारत सरकार1. श्री के० बी० राव प्रशासननगर अमरावती।
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकबी० 939/24/85-86---

अतः मुझे एम०सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वामित्व सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 377 है, जो प्लॉट नं० 71
प्रशासननगर अमरावती में स्थित है (और इससे उपावृत्त भू-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 5730/85) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28 अगस्त 1985को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित अवलोकन में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से है कि किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वास्तविक में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अतः
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या. लिखने में सुविधा
के लिए.अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन में सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वामित्व सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।व्यक्तिकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिए
गये हैं।

अनुसूची

मकान नं० 377 प्लॉट नं० 71 सं० नं० 14 प्लॉट
क्षेत्रफल 1200 स्क्वेयर फीट मकान 850 स्क्वेयर फीट
जो प्रशासननगर अमरावती में स्थित है।एम० सी० जोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज नागपुरतारीख : 14-1-1986
मोहर :

अथवा भाग 2 टी. एन. १६७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) में अश्लील सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, बिहार पटना

पटना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं० III/1282/अर्जुन/86-87—प्रतः मुझे,
दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वाई नं० 2, सीट नं० 29 सकिल नं०
9 म्युनीसिपल प्लॉट नं० 895, 896, 897/898, 899
हॉल्टिंग है तथा जो नं० 114 (पुरानी) 141, 142
(नया) थाना नं० 137 मौजा मोहरमपुर चोगाम एकजीवशन
रोड़, थाना गांधी मैदान जिला पटना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 अगस्त
1985

की सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवहार
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और यही वह प्रस्ताव
करने का कारण है कि वहापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी
(अंतरिकीय) के बीच ऐसे अंतरक के लिए इस पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त व्यवहार अंतरक से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की
अवस्थिति में कमी करने या उचित करने में सुविधा
क निम्न, और/...

(ग) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) का अथवा अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्वीकृत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए या, किया जाने
सुविधा की बिना

अथवा जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण (1)
अथवा निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :-

1. श्री गुरु बचन सिंह बल्द सी० एस० भाग सिंह, 301
सेक्टर 10 बी चण्डीगढ़ व हैसियत पावर आफ
मटरनी मिनजानीब श्री संजया लाल बल्द श्री
चाम्प लाल, 67, फाईव माइल ड्राइव- फ्रांसफोर्ड
यू० के०।

(अन्तरक)

2. भाषियाना इंजीनीयर्स प्राइवेट लिमिटेड एक्ज-
बीशन रोड़ पटनाद्वारा आईरेक्टर श्री इम्बजीत
सिंह बल्द श्री मदनजीत सिंह।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की सर्वेक्षण की बिना
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति की सर्वेक्षण के अन्तर्गत के कोरे की जानकारी:-

(क) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसके बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को की
किसी एक से उचित होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अथवा की तारीख
विषय में कि या तारीख।

स्वीकारण :- इसमें प्रकृत उक्तों की तारीख, को उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 15 कठ है जो मौजा
मोहरमपुर, चोगामा, एकजीवशन रोड़ थाना कोतवाली हाल
थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप
से बसिका सं० 6100 दिनांक 28-8-85 में वर्णित है तथा
जिसका निर्बंधन जिला अवर निर्बंधक पटना के द्वारा
संपन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, बिहार, पटना

तारीख : 11-4-1986
मोहर..

इरुण बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भाय्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० एएम् आर/86-87/1--अतः मुझे
जे० प्रसाद, आई० आर० एस०,
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बचवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो वेरका जिला
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
के जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या किता जाना जाहिए या, लिखित में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न. प्र., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-46G 85

1. मेसर्स हिन्दोस्तान कोलड सटोरेज रेफ्रीजरेटर द्वारा
श्री अश्वनी कुमार और अशोक कुमार पुत्र श्री
जगीरी लाल, श्रीमती दशना रानी पत्नी
जगीरी लाल 323 करिशन नगर, लारन्स रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलजिन्दर कौर पत्नी मनोहर सिंह मारफत
हिन्दोस्तान कोलड सटोरेज और आईस फक्टरी
बाहर गेट हकीमा अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में फिग्यदार्।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कामें गतिवृत्ति कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
बाद लिखित में किए जा सकते हैं।

न्यायिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो वेरका जिला अमृतसर में है जैसा सेल
डीड न० 5360 तिथि 12-8-85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रसाद, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1986

मोहर :

प्रारण बाई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/2--यतः मुझे, जे० प्रताप,
अ० आर० से०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसका
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक सम्पत्ति है तथा जो वेरका, जिला
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे-ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमर्स हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजेशन
वेरका जिला अमृतसर द्वारा श्री अश्वनी कुमार
और श्री अशोक कुमार राव/स्वतंत्र शर्मा श्री जमीरी लाल,
श्रीमती दर्शना रानी पत्नी जमीरी लाल, 323 कृष्णन
नगर लारेन्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बेअन्त सिंह सपुत्र श्री चेतसिंह 2013, गली नाथे
खां, कटरा खजाना अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसे ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक सम्पत्ति हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजेशन
वेरका जिला अमृतसर में जैसे डीड नं० 5464 तिथि 14-8-
1985 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रताप, अ० आर० से०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष भावः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/3—अतः मुझे, जे० प्रसाव अ० र० से०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी एक सम्पत्ति है तथा जो वेरका जिला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे वचरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य मास्तिरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोर एवं रेफ्रीजरेशन वेरका जिला अमृतसर द्वारा सर्व श्री अश्वनी कुमार और अशोक कुमार सपुत्र श्री जागीरी लाल श्रीमती दर्शाना रानी पत्नी श्री जागीरी लाल, 323 कृष्ण नगर लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बेअंत सिंह सपुत्र श्री चेत सिंह 2013, गली नाथे खाँ, कटरा खजाना अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सम्पत्ति हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज रेफ्रीजरेशन वेरका जि० अमृतसर में है जैसा 5301 ति० 9-8-85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रसाव अ० र० से०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1986

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं० ए एम आर/86-87/4—यतः मुझे, जे० प्रसाद,
आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक सम्पत्ति है जो बेरका जिला अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारण के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर मई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वास्तविक अवधि-
विषय को अवधि कर देने के अन्तरक को दायित्व से
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
गोटा/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दोस्तान कोल्ड स्टोरेज रेफ्रीजरेटर द्वारा
जर्ब श्री अश्वनी कुमार, अशोक कुमार सपुत्र जगिरी
लाल, श्रीमती दरशना रानी पत्नी श्री जगिरी जाल
323, करिशन नगर, लारेन्स रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सजन सिंह, 3416/2, सेक्टर 40 डी, चन्डीगढ़
श्रीमती सन्त कौर पत्नी
(अन्तरिती)

3. जैसे आर० सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो बेरका जिला अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं० 5412 तिथि 13-8-85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

जे० प्रसाद, आई०आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 7-4-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2415/85-86—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे नं० 1257 (पूना) 1206
(नया) भवानीपेठ पूना (क्षेत्रफल 2808 चौ० फुट) है तथा जो
पूना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी धरने या उक्त वर्णन में उचित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कांतीलाल एम० गाह पुष्पक अपार्टमेंट्स 81
भवानीपेठ, पूना।

(अन्तरक)

2. श्री जीवराज डी० जैन और अन्य 1206 भवानीपेठ
पूना।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/2415/85-86
जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 31-3-1986
मोहर :

प्रत्येक बाई, टी, एन, एच

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4234/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11 श्री वैभव बिल्डिंग में टीकल रोड डोम्बीवली (ई) (क्षेत्रफल 623 चौ० फुट) है जो डोम्बीवली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत्रिम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पत्र के अन्तरक के बावत से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपावे में सुविधा में प्रदान;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स पाटकर बिल्डर्स पाटकर रोड, डोम्बीवली (ई)।

(अन्तरक)

2. श्री रमाकांत के० युर्वे "सशोधन" राजाजी रोड डोम्बीवली (ई)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्भी व्यक्तियों और सूचना की तारीख से 30 दिन का बन्ध, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जादारी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में 1985 में है।

अनुसूची

जसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/4234/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-3-1986

मोहर:

राजपत्र, मई 3, 1986 (वैशाख 13, 1908)

(1) गैरगैर लरेण प्रमोडर्न अन्ड विलिडर्न, 549,
मुडुन्नागोपेठ पूना-2।

(अन्तरगत)

(2) श्री मलीम गिर्दीकी 5 मर मुल्ला 802, भवानी-
पेठ, माकुबनगर पूना-2।

(अन्तरिती)

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० 37ईई/2697/85-86--अनः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०००००००० नं० 389/बी भवानीपेठ फ्लॉट
नं० 15 दूसरा मंजिला पूना क्षेत्रफल 785 चौ० फुट है
तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, एक वर्ष तक प्रतिफल का
बहुल प्रतिशत से अधिक है और अंतः 6 (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
था प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किराी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करवाए हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

जैगा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/2697/85-86 जो
मिन्मबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 31-3-1986

मोहर :

प्रकृ. भाई. टी. पुन. स.

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2218/85-86—यन: मुझे,
अनिल कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 104, पहला मंजला सर्वे नं०
128, 4/17, औंध पूना-7 में स्थित है (क्षेत्रफल 920 चौ० फुट)
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्णतः संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वास्तविक
आय, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहता था, किन्तु इस
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. शिक्षक सेवा पब्लिश चारिटेबल ट्रस्ट, शिवनेरी
370 मंगलवारपेठ पूना-111

(अन्तरक)

2. श्री बी० डी० केवकर और अन्य 14/296 लोकमान्य
नगर पूना-301

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर एवम्
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी को बाध
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैमा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/2218/85-86
जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-3-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैपर्स भगवान राजन एण्ड सन्स, 1272 सदाशिव पेठ पूना-30।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैपर्स सनजार 1087, सदाशिवपेठ, पूना-30।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2161/85-86—अतः मुझे, अनिल

कुमार;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 4, तल मंजला 1272 सदाशिव पेठ पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितनी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम तथा गणना का प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के विहित से कभी करने या उससे बचने से निवृत्त है कि; जी/का

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विचलने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण 4, 5, 6, 7, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—40GI/86

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को से उक्त सम्पत्ति का अंतरण करना

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जन/अंतरण से प्राप्त अंतरण या किस्म का अंतरण

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त सम्पत्ति और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/2161/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-3-1986

मोहर:

इसका नाम टी. एन. एस. ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4228/85-86--अन: मुझे, अनिल
कुमार

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 16, श्री वैभव अपार्टमेंट्स में
निलक रोड डोम्बोवली (ई) (क्षेत्रफल 623 चौ० फुट) है
तथा जो डोम्बोवली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/
सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायम्स
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए,
सौ०/ग

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य बर्तस्तयों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किन्हीं अन्य धर्माद्वारा, विधान के अधीन
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमं पाटकर विल्डर्स पाटकर विल्डिंग
पाटकर रोड, डोम्बोवली (ई) ।

(अन्तरक)

2. श्री पों० के० दुर्वे यशोवन्त राजाजी पय, डोम्बोवली
(ई) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी में
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/4228/85-86 जो
नितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 24-2-1986
मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4318/85-86--अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302, वर्धमान पार्क में प्लॉट नं०
49 सेक्टर नं० 17, डी० बी० सी० बसई नई बम्बई है
तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल स्वीकृत लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कभी करने या उचित बचाने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. मेक्स वर्धमान बिल्डर्स 40-41 विंगल शोपिंग
सेक्टर, सर एम० ठ्ही० रोड अंधेरा (ई) बम्बई।
(अन्तरक)

2. श्री पी० बी० बन्सल 1/9 गार्डन अपार्टमेंट्स, रायन
ड्राम्बे रोड, चेम्बूर बम्बई।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/4318/85-86
जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज पूना

तारीख: 21-3-1986

मांहर :

प्रकाशक काई. टी. एन. एल. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

अनुसूची 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100

आयकर अधिनियम

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4307/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 607, वर्धमान पार्क में प्लॉट नं० 49, सेक्टर 17, डी० वी० सी० बसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स वर्धमान बिस्डर्स 40-41 विशाल शोपिंग सेन्टर, सर एम० ह्वी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरीता एल० बन्सल बी-1, बिन्दू सेन्टर तिलक रोड, शांताकृज बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/4307/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21-3-1986
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2449/85-86—अतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके
प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी सं० प्लेट नं० 6, स्नेहल अपार्टमेंट्स प्लॉट नं० 2,
नं० 60+52+53 A पर्वती पूना है तथा जो पूना में स्थित
है (और इसमें उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इस प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० डी० जोशी पी/ए श्रीमती पी० पी० सेठि
42 मुखराज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
पौड रोड कोथरुड पूना।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जी० के० गदरे एण्ड अन्य प्लॉट नं० 99
महाजन बंगला पी० एफ० टी० कालोनी सहकार
नगर नं० 2, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/2449/85-86 को
सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-3-1986
मोहर :

प्रकरण. अर्ज. टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2263/85-86--अतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्देश करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 5, दूसरी मंजिल प्लॉट नं० 7
एफ० पी० नं० 494 टी० तीपी० एस० नं० III पर्वती
पुना-9 (क्षेत्रफल 850 चौ० फुट) है तथा जो पुना में स्थित है
(और इसमें उपाययुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिन, तारीख सितम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित तदर्थ से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक
रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की वास्तविक कस्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या करने करने के अधिनियम
के लिए, और/वा

(ग) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य वास्तविक
वास्तविक आस्तिक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से
सूचना दी जाए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री प्रवीण कुमार मेहता और अन्य वन्दना अर्पाट
में 494/4 पर्वती पुना-9।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक एन० शाह और अन्य 33 गुरुवारपेट
पुना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन से संबंध में कोई भी वास्तविक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम से कम होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर सम्पत्ति के पास निश्चित
में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रत्यक्ष

जैसा की रजिस्ट्रीकृत सं० 37-ईई/2263/85-
86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 12-3-1986
मोहर :

रजि. नं०. टी. एन. एच., -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पूना-1

पूना-1, दिनांक 18 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/4311/85-86--यतः मुझे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिम नं० 122 प्लॉट नं० 75 सेक्टर 17 डी० बी० सी० बसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. सैसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शन 40-41 विमान शॉपिंग सेंटर नर एम० ह्वा० राड अत्रा, कुर्ली रोड, अंधेरी (ई) बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री महेंद्र शेखरी और अन्य 69 अनंद पार्क पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/4311/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अर्जन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 18-3-1986

मोहर :

प्रारूप आर्डी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2215/85-86--यन: मुझे अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन संचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, दूसरी मंजिल, पर्व नं०
128, 4/17 औथ पूना-7 (क्षेत्रफल 920 चौ० फुट) है तथा
जो पूना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेक्स शिफ्ट सेवा पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट,
शिघनेरी 370 मंगलवारपेठ पूना-11

(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० गोपाल 51/8 एल० आई० सी०
कालोनी गणेश शिव रोड पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत्त के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिया गਿਆ-
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/2215/85-86 जो
नवम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-3-1986
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2217/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 101, सर्वे नं० 128, 4/17
श्रीध पूना-7 (क्षेत्रफल 540 चौ० फुट) है तथा जो पूना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आय-
कर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

1. मेसर्स शिक्षक सेवा पब्लिशिंग चैरीटेबल ट्रस्ट शिवनेरी
370, मंगलवार पेठ, पूना-11

(अन्तरक)

2. मेसर्स क० एन० विठ्ठल एण्ड अन्य 103-वां गुरु-
वार पेठ जाधव वाडा अदाबो हौद पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रेशन क्र० सं० 37-ईई/2217/85-86 जो
सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-46GI/86

तारीख : 10-3-1986

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 18 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2212/85-86--यतः मुझे, अनिल
कुमार;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह निश्चय करने का
कारण है कि सहायक संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 105, पहली मंजिल प्रपोज्ड
ट्रेडर्स सोसायटी सर्वे नं० 128, 4/17, ग्रौथ पुना-7 है तथा
जो पुना में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को यह है और मुझे यह निश्चय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब तब नया नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित न
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में बाधना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. शिक्षक सेवा पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट, शिवनेरी
370 मंगलवारपेठ पुना-11

(अन्तरक)

2. श्री के० के० अठवले टी-14-ए सर्वत्र विहार एम०
ई० एम० कालोनी, बम्बई पुना रोड, किर्की
पुना-3

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त पद्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ईई/2212/85-86
जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 18-3-1986
मोहर :

राजपत्र में प्रकाशित

1. मेसर्स शिक्षक सेवा पब्लिक चैरीटेबल ट्रस्ट शिवनेरी
370 मंगलवारपेठ पूना।

(अन्तरक)

2. श्री ए० आर० बेन्द्रे 1170/22 शिवाजीनगर
रेव्हन्यू कालोनी, पूना-5।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2219/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2 सर्वे नं० 128, 4/17 और
पूना-7 (क्षेत्रफल 920 चौ०-फुट) है तथा जो पूना में स्थित
है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/2219/85-86 जो
सितम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 10-3-1986
मोहर :

प्रमुख भाई : टी. एन. सुब्रह्मण्यम्

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निराकरण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37-ईई/3047/85-86—अतः मुझे, अनिल
ए,

राष्ट्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 फिडींग सी-6, प्लॉट नं० एफ० पी० नं० 375 संगमवाडी (क्षेत्रफल 840 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर अयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरेती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठग पाया गया प्रत्येक भ्रममन्त्रिणित् सङ्गोपेय से उक्त अन्तरण विहित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) भ्रष्टाचार से निवारण किसी कार्य को वास्तव में उसका अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वास्तव में कमी करने या उससे निवारण में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपर्युक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविष्टा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों अधीन :-

1. मेसर्स रक्षालेखा सहकारी गृह रचना संस्था नं० 2
पर्यादित उमा शंकर, फ्लेट नं० 46, बाजीप्रभु सोसायटी
सहकार नगर पुणे।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सुन्दरी सुब्रमनियम, 143 बी/2, सोमवारपेठ
पूना-11।

(अन्तरिती)

को वह सुझाव जारी करने पर्यन्त सम्बन्धित को सर्वसह को जिस कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

सबसे कमजोर के वर्गों के सम्मुख में कोई भी न्यायोपात्र—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परीक्षा, का उस अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/3047/85-86
जो सितम्बर 1985 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 24-3-1986
मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा: हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-1/एक्यू० आर- /कल/86-87--यतः

मुझे, शेख नैमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 114/1 है, जो जी० टी० रोड आसानसोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसानसोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राखा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में वास्तव में कभी करने या उचित करने में सूचना के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तिवां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती भीनदार कपूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिरा देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 काठा 8 छटाक जमीन का साथ मकान।

पता -- 114/1 जी० टी० रोड (ई)

थाना आसानसोल, जिला वर्धमान।

दलिल सं० 1985 का 4766।

शेखनैमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 8-4-1986

मोहर :

प्रथम भाई. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० एसी-2/एचयू० आर-IV /कल/86-87--अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 89 है, जो एम० एन० रोड, आसनसोल
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसनसोल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 12 अगस्त 1985

अर्थात् पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्धान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
विषय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सूचना के अभाव;
कई/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाड़िए वा, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्रीमती रसा मुखर्जी ।
(2) श्री तपन कुमार मुखर्जी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिरा राय ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादवाह —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के
पास मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 काठा 1 छटाक 31 स्को० फीट० जमीन का साथ
मकान

पता — 89 एम० एन० रोड, मौजा + थाना — आसनसोल,
जिला बर्धमान।

दलिल सं०-1985 का 4778।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 8-4-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अरुन कुमार सेन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

2. श्री पुलिन बिहारी सरकार।

(अन्तरिती)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-4/एक्यू० आर०-IV/कल०/86-87--यतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, जो डाकार्स स्ट्रीट में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन।

तारीख 2 अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ावे में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिसमें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन—120 काठा जमीन का साथ मकान।

पता—7 डाकार्स स्ट्रीट थाना बाली जिला हाबड़ा
दलिल सं० 1985 का 11385।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

इसका आर्.टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी०-5/एक्यू० आर०- /कल०/86-87---

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड हावड़ा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 20 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्विप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
हायत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स बजरंगलि इन्जि० को० लि०।

(अन्तरक)

2. मेसर्स क्वानिटी इटल इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और चर्चों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० --सी० (दूसरी मंजिल) (दो तला)

पता --246(66) जी० टी० रोड, थाना बाली, जिला
हावड़ा।

दलिल सं०--1985 का 12192।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

तारीख : 10-4-1986

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-6/एक्यू० आर-4/कल०/86-87—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड हावड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल विम्बनिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया,
गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में
सिद्धित के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपरान्त (!)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-46GI/86

1. मेसर्स बजरंबलि इन्जी० को० लि० ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स लक्ष्मी इन्जी० वर्कस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्तासारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिया परिभाषित
है, वही इर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं० "बी" तीन तथा ।

पता—246(66) जी० टी० रोड, थाना बानी, जिला
हावड़ा ।

दलिल सं०—1985 का 12193।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 10-4-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1988

निर्देश सं० एसी-7/एक्यू० आर-4/कल/86-87—यतः

मुख्य, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० 246(66) है जो जी० टी० रोड हावड़ा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 20 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य भास्त्रियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मेसर्स वजरंबलि इन्जि० को० लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्यामा देवी अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाजोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

फ्लेट नं० सं/1

तीन तला।

पता—246(66) जी० टी० रोड, थाना बाली, जिला
हावड़ा।

दलिल सं० 1985 का 12195।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 10-4-1988

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-4/एक्यू० आर-4/कल०/85-86--यतः

मुख्य, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० , है जो डामदराइ गोपीनाथपुर, बांकुड़ा में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बांकुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिहिर लाल मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ दत्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितानुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

12 3/4 डेनिसाल जमीन का साथ मकान।

पता—मौजा डामदराइ गोपीनाथपुर, थाना जिला बांकुड़ा।

दलिल सं०—1985 का 7614।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- /कलकत्ता

तारीख 24-3-1986

मोहर :

इस्य बाई, टी. ५१२ एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माधव शंकरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-42/एक्यू० आर-IV/कल/85-86—

यत मुझे, शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो दामुदराइ गोपी
नाथ, बांकुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बांकुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अगस्त 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
शतित से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वाणिज्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री शमीर लाल मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर लोहिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूची

(क) अनुमूची सं० है कि किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या
धारित्व में कमी करने या उक्त दृश्यमान में परिवर्तन
के लिए; और/या

123/4 डेसिमल जमीन का साथ मकान।

पता—मौजा—डेमुरारी गोपीनाथपुर, थाना जिला
बांकुड़ा।

दलिल सं०—1985 का 7613।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को किन्हीं भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख. 24-3-1986

साह्वर :

शेखनईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

प्रश्न काई, टी. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जनवरी, 1986

निर्देश सं० एसी-30/एक्यू० आर०- IV/कल/85-86--

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० _____ है, जो मौजा सोनामुखी
खडगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खडगपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, वर्णित है--

1. श्रीमती नलिमा दाशगुप्त।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माया मुखर्जी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के राह
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन--10 एक जमीन का साथ मकान।

पता--मौजा सोनामुखी, थाना खडगपुर, जिला मोदिनिपुर।

दलिल सं०--1985 का 3261।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV /कलकत्ता

तारीख 23-1-1986

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-41/ए.यू.आर-IV/कल/85-86--

यत. मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 145, 146 और 146/ए है, जो महात्मा गांधी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुगली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री सुधीर कुमार चक्रवर्ती।
(2) श्री रवपन कुमार चक्रवर्ती।
(3) श्री तपन कुमार चक्रवर्ती।
(4) श्रीमती अर्पणा मई चक्रवर्ती।

(अन्तरक)

2. मेसर्स शाल फ्रेबरट इन्वेस्टमेंट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

विष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का साथ मकान।

पता--145, 146 और 146/ए, महात्मा गांधी रोड;
थाना--चु छुडा। जिला हुगली।

दलिल सं० 1985 का 5531।

शेख नईमुद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
अर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख 11-3-1986
मोहर :

प्रथम भाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

महानगर सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5982—यतः मुझे आर० आर०

गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जहाँन खेला (होशियारपुर) में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रक्षा रानी पत्नी कृष्ण देव सिंह वासी जहाँन-
खेला, जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरवीर सिंह पुत्र सुजान सिंह कुमारी जीतेन्द्र कौर
पुत्र बलबीर सिंह वासी गांव जिला—
होशियारपुर, द्वारा बलजीत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यक कर देता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 69 कनाल 8 मरले भूमि गांव जहाँनखेला
(होशियारपुर) में और व्यक्ति (जिसका लेख नं० 1628 दिनांक
अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा।

आर० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 4-4-86

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अप्रैल 1986

निर्देश सं०/ए० पी० नं० 6000-6001—यतः सुझे,
आर० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
अधिकार में अस्तित्विक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाधत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर इन के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचत में परिवर्धन के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) का
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीरा लाल पुत्र सन्तराम आफ आजाद हिन्द
डायरी, बाजार शेखा, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जयवीर कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह 195 एल०
माडल टाऊन लुधियाना (विलेख नं० 2774)
बोरेन्द्र कौर पत्नी अमरजीत सिंह, 486, एल०
माडल टाऊन जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैराकी विलेख नं० 2774 और
2801, दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर में लिखा।

आर० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) :

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-4-1986

माहुर :

सकल संपत्ति, धन, वस्तु, आदि

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 600203—यस: मुझे आर०
आर० गुप्ता

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (हिसाब रखने
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्वामित्व सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (यदि इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
तारीख अगस्त 1985

को पंजीयन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
परिणाम से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन का दान के अन्तरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूचना
के बिना; और/या

(ग) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाश
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किन्हीं
जाल बाहिर था, छिपाने में सूचना के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
के लिए इस अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—46GI/86

1. मेसर्स विजय प्रोपर्टी डिलरज अड्डा होशियारपुर
जालन्धर द्वारा श्री कपिल महे पुत्र दौलत राम।
(अन्तरक)

2 श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी मोहन सिंह (विले
नं० 2874) और गुरचरन सिंह पुत्र मोहन सिंह
वासी-21 प्रकाश नगर, जालन्धर मार्फत : खालज
बुक डिपो, 25, अश्लोश मुकजी रोड भगवानी-
पुर, कलकत्ता-20।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करवाएँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्राय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वामित्व सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनैहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकी बिलेख नं० 8874 और
2882 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा।

आर० आर० गुप्ता

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 4-4-1986

मोहर;

प्रकृत आर्.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश नं०/ए० पी० नं० 6004-6005—यतः मुझे, आर०

आर० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इधक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इसके अलावा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० रमेश वर्मा पुत्र ईशर दाम, 124, न्यू ग्रैन
मार्केट, जेल रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी दर्शन सिंह और दर्शन
सिंह पुत्र जगत सिंह, टी-2/101, एस० बी०
रोड, सुन्दरनगर, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किन्हीं त्रुटियों।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2752, 2764
दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लिखा
जालन्धर ने लिखा।

आर० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-4-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश नं०/ए० पी० नं० 6006-6007—यस: मुझे

आर० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आशय है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन धारोख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बंशिरु की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्विक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी नाम की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की जाएगी और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुखवन्त कौर पत्नी तेज मोहन सिंह 272,
माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल पुत्र अर्जुन दास, अड्डा बस्ती शेख,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतिसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2592, 2606
दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
ने लिखा है।

आर० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

अतः अज., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित जास्तियों, बर्णों :—

तारीख - 4-1986

माहर :

प्रासूप आई.टी.एन.एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर भाषाकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अप्रैल, 1986

निर्देश सं०/ए० पी० नं० 6008, 6009, 6010, 6011—

अतः मुझे, र० र० गुप्ता

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए बंटेरित की गई है और नूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
व्यवमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंटेरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित के
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी धन की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तर्गत
में कमी करने या उक्त करने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए;

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शाम प्यारी पत्नी मदन लाल, वासी टाण्डा
रोड, जालन्धर मुख्तयार महिन्द्र सिंह पुत्र सुरत सिंह,
वासी 486, प्रीत नगर, सोडल रोड, इंडस्ट्रियल
एरीया, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री जंग बहादुर सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह (विलेख 2703)
हरविन्द्र सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह (विलेख 2790)
और सुरिन्द्र कौर पत्नी जंगबहादुर सिंह (2816)
रविन्द्र कौर पत्नी हरविन्द्र सिंह, 486, प्रीत नगर,
सोडल रोड, जालन्धर (2904)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरवर्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

नवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2703, 2790,
2816 और 2904 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

र० र० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 8-4-1986

मोहर :

अध्यक्ष, जे. एम्. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल, 1986

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 6012-6013—अतः मुझे
र० र० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

1. श्री जनकराज पुत्र गुरदयाल मल, 21 सतनगर
जालन्धर और कमलेश कपूर पत्नी ओम प्रकाश,
एन० डी० 146, विक्रम पुरा, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसवीर कौर पत्नी गुरदीप सिंह भाटिया
(विलेख 2870), भूपिन्द्र कौर पत्नी तेजमोहन
सिंह भाटिया, 179 न्यू विजय नगर, बस्ती शेख,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2870
अगस्त 1985 और 5847 फरवरी 1986 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

र० र० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हूँ :—

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 6014-6015--अतः मुझे,

र० र० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल पुत्र करम चन्द कपूर, वासी जी०-आई-938, सरोजनी नगर, न्यू दिल्ली अर एन० ई० 204, अट्टा होशियारपुर, जालन्धर (2641), वीरेन्द्र कुमार पुत्र एम० एल० कपूर, वासी एम० ई० 204, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील गरोवर पुत्र सुन्दर लाल, वासी 4/183 सेंट्रल टाऊन, जालन्धर (2641) और मधू गरोवर पत्नी गुलशन गरोवर, 94 शहीद उद्यम सिंह नगर जालन्धर (2642)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2641, 2642 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

र० र० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

व्यापक धारा 201 एन एन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 6016--यत मुझे, र० र०
गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से कुछ किसी बात की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक से
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, लिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुन्दन कौर पत्नी मोहन सिंह, 525-न्यू जवाहर
नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह और डा० श्रीमती
कुलदीप कौर पत्नी अवतार सिंह, वासी गांव--
खरा माजा, तहसील--जालन्धर।

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन में निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बातें--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा की विलेख नं० 2875 दिनांक
अगस्त 85 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

र० र० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1986

साहू

दृश्य भाग. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 6017-6018—अत सुझे,

आर० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रति-
क्षण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
ने कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुवार्ध अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया गया जाह्निक या, जिसमें से सुविधा
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री शिव कुमार, रोशन लाल, रमेश चन्द पुत्र गोपाल
दास वासी ई० ई०-369, मण्डी रोड, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्र हरचन्स लाल वासी ई० के०
251, फगवाडा गेट, जालन्धर (2622) और
स्वर्ण चोपड़ा पत्नी विनोद कुमार वासी उपरोक्त
(2626)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, के भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही पद होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2622 और
2626 दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा।

आर० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 9-4-1986
मोहर.

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं० /पि० पी० नं० 6019-6020--अतः मुझे,

आर० आर० गुप्ता

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ९ कठ के समान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का
उत्पन्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन बाधा नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित के
कारणिक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी नए की बावत उक्त अधि-
नियम के अधिनियम के अन्तरक के अन्तरण के अन्तरण के
कमी करने या उनसे अपने के सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था कि या, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति अन्तरित :-
8-46GI/86

1. श्री बीर राज पुत्र हेम राज वासी-63-माडन टाऊन,
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्द्र नाथ शर्मा पुत्र रविन्द्र नाथ (विलेख
नं० 2680) और बीणा शर्मा पत्नी भूपिन्द्र
नाथ, वासी ई-2, दिलकुशा मार्केट, जालन्धर।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करने के लिए है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाईस्ताधरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे। जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमोदी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2680, 2753
दिनांक अगस्त 1985 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
न लिखा।

आर० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/126/85-

86—अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 153 कनाल, 6 मरला है जो भूमि ग्राम
बुदनपुर उर्फ सकनपुर तह० करनाल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन दिनांक 7 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्ची प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
जो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
अ. टी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री अमरीक सिंह
श्रीमती सतबीर खरबन्दा पत्नी श्री परमजीत
सिंह, निवासी 480, माडल टाऊन करनाल।

(अन्तरक)

2. (1) श्री इकबाल चन्द नागपाल।

(2) श्री विमल कान्त नागपाल पुत्रगण श्री
धिरंजी लाल, निवासी 844/13, अर्बन
इस्टेट, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 153 कनाल, 6 मारला भूमि जो बुदनपुर उर्फ
सकनपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 1907 दिनांक 7-8-
1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 31-3-1986

मोहर:

प्रा.सू.आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रज, राहतक

गुड़गांव, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.गुड़गांव/85/85-86---
अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं. भूमि 20 कनाल 15 मरला गांव सुखराली में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वक्तव्यपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे व्यवधान के लिए उक्त बाधा का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक निहित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गोविन्दा 2. जय सिंह पुत्रान
श्री रामधन नि. गांव सुखराली
तह. गुड़गांव

(अन्तरक)

2. मंसर्ज अनशल प्रोपर्टी इण्डस्ट्रीजर्स
प्रा. नि. 115 अनशल भवन 16 कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सं. के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्तिगत या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि कम से कम हो जाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रकृत व्यक्तियों और वहां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 20 कनाल 15 मरला जो गांव सुखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 2551 दिनांक 13-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रज, राहतक

दिनांक : 7-4-86
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, राहलक

दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई. ए.सी./एक्यू गुडगांव/72/85-86—
अतः मुझे, बी. एन. खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि 22 कनाल 19 सरला गांव शाहपुर में
स्थित है
(और इससे उपाब्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन,
दिनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की रक्षधार ()
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्दर भान पुत्र श्री राम लाल
नि. सरहोल सह. गुडगावा
(अन्तरक)
2. मैसर्स परागोन रिमल इस्टेट
अपार्टमेंट प्रा. लि.
21 नरेंद्रा पल्ले पार्लियमंट
स्ट्रीट, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुमूची

सम्पत्ति भूमि 22 कनाल 19 सरला जो गांव शाहपुर में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगावा में
रजिस्ट्री संख्या 2385 दिनांक 2-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, राहलक

दिनांक : 7-4-86

साहू :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू गूडगावा/86/85-86—
अतः मुझे, बी. एन. खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि 23 कनाल 8 मरला गांव सुखराली में
स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूडगावा में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 13-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की वारंश, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शर्मा/श्री रिसाल सिंह 2. सुरजन सिंह
3. रिजक राम 4. श्रीमति छोटी नि.
गांव सुखराली तह. गूडगावा

(अन्तरक)

2. मेसर्स सुरज कन्सल्टन्स एण्ड इंस्टीट्यूट
(प्रा.) लि. 115 अनशुल भवन, 16
कस्तूरबा गान्धी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 23 कनाल 8 मरला गांव सुखराली में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गूडगावा में
रजिस्ट्री संख्या 2552 दिनांक 13-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

दिनांक : 7-4-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू गुडगांव/176/85-86—
अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 38 कनाल 2 मरले जो गांव चोमा में
स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 30-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविकता
की चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री धर्म सिंह पुत्र इन्द राज, रतवीर सिंह
पुत्र सदा राम, श्रीमती धनपती पत्नी बलवीर सिंह
नि. करतार पुरी तह. गुडगांव।
(अन्तरक)

2. मै. अन्सल प्रापटीजी एण्ड इन्डस्ट्रीज
प्रा. लि. 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी
मार्ग नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 38 कनाल 2 मरले जो गांव चोमा में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में
रजिस्ट्री संख्या 2918 दिनांक 30-8-85 पर रिया है।

बी. एन. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम में अर्थात् :-

दिनांक : 7-4-86
रोहतक :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू गड़गांव/97/85-86—

अतः मूजे, बी. एन. खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 28 कनाल 15 मरवे जो चोमा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गड़गांव में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन,

दिनांक 23-8-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धूपन सिंह पुत्र तारा चन्द नि. गांव-चोमा
तह. गड़गांव।

(अन्तरक)

2. मै. अन्सल प्रापटीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रा.)
लि. 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 28 कनाल 15 मरवे जो गांव-चोमा में स्थित
है जिसका धियरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गड़गांव में रजिस्ट्री
संख्या 2673 दिनांक 23-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 7-4-86
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू गड़गांव/79/85-86—

अतः मुझे, बी. एन. खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
स्थायर संपत्ति जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक
1,00,000/- रुपये से अधिक है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गड़गांव में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन,
दिनांक 6-8-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परवृत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री घमण्डी निवासी
कन्हाई, तह. गड़गांव

(अन्तरक)

2. मै. ग्रीन पार्क बिल्डर एण्ड प्रोमोटर
(प्रा.) लि., 115, अंराल भवन, 16 कस्तूरबा
गान्धी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति 44 कानाल भूमि जो ग्राम-कन्हाई, जिसका अधिक
निबर्ण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गड़गांव में रजिस्ट्री संख्या
2437 दिनांक 6-8-85 पर दिया है।

बी. एन. खत्री
अर्जन रॉज, रोहतक
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-4, बम्बई

दिनांक : 17-4-86
मोहर :

प्रास्ताविक आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, केन्द्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यू बिल्डिंग, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2678—

यतः मझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. डी-143 है, तथा जो जयपुर में स्थित है

(और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तबिध रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वास्तव से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—46GI/86

1. श्री नटवर बिहारी लाल माथूर पुत्र
श्री मोहनलाल जी माथूर कायस्था,
निवासी डी-143, ए. सावित्री पथ,
बापू नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री धर्मचन्द पुत्र श्री मूलचन्द,
श्रीमती मनोरमा पति श्री धर्मचन्द,
श्री नरेश कुमार पुत्र श्री मूलचन्द व
श्रीमती अंजना देवी पति श्री नरेश कुमार लुहाड़िया,
नि. नरायना, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. डी-143 की भाग स्थित बापू नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2013 दिनांक 8-8-85 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से दिव्यरणीत है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
कौ धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, केंद्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यू सिकिल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2679—

यतः मूझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 39 है, तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
ता.पि. 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लब्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लब्धमान
प्रतिफल से, ऐसे लब्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंजर भूपेन्द्र सिंह,
358 बी-सैनिक विहार, न्यू दहेली।
(अन्तरक)
2. श्री रिसद चन्द पुत्र श्री लक्ष्मीचन्द बागरवा, 100, धूलेश्वर गार्डन, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्याप्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 39, रामपुरा हाउसिंग सोसायटी स्कीम नं. 2 बी,
अजमेर रोड, जयपुर जो उग पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
1944 दिनांक 1-8-86 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत
रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

व्यवस्थापक. टी. एन. एन. :-

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, केन्द्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2680--

यतः मूख, मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 13-सी है, तथा जो उदयपुर में
स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का पट्टे हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में
तात्कालिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
प्रदान करने/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए,

1. श्री मानधाता सिंह पुत्र श्री संग्राम सिंह बूढ़ावत,
निवासी बेवेगढ़, जिला उदयपुर।
(अन्तरक)
2. श्री अशोक राव, श्री आलोक पुत्रा
श्री मोहनलाल जी मेहता,
निवासी—मधुबन, उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् भारतीय के
पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 13 सी, फतेहपुरा, उदयपुर जो उक्त पंजीकरण,
उदयपुर द्वारा श्रम संख्या 2368 दिनांक 13-8-85 पर
पंजीबद्ध विष्णु पत्र में विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नं. 1, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

श्री. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, केन्द्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2681--

यतः मूंस, मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट है, तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूंस यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पश्चात्प्राप्ति
से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरित (अन्तरित)
के बीच देश अन्तरित के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के अन्तर्गत निम्नलिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में क्षमता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मानधाता सिंह पुत्र श्री संग्राम सिंह चूड़ावत,
निवासी वेवगढ़, जिला उदयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा दांवी पति
श्री मोहनलाल जी मेहता,
निवासी—मधुवन, उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 13/3 सी, फतेहपुरा, उदयपुर जो उप पंजीयक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2369 दिनांक 13-8-85 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.] -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, केन्द्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यु सिकल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं. राज./सहा. भा. अर्जन/2682--

यतः मुझे, मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि (कृषि) है, तथा जो प्रतापगढ़ में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी प्रसाद सिंह उर्फ देवी प्रतापसिंह पुत्र
श्री हरिहरनाथ सिंह जी राजपूत,
निवासी प्रतापगढ़, राज.।

(अन्तरक)

2. श्री कंचरलाल पुत्र भगवानजी गौर, माली,
निवासी प्रतापगढ़, राज.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

11.25 बीघा कृषि भूमि स्थित प्रतापगढ़, जिला चित्तौड़
जो उप पंजीकरण, प्रतापगढ़ द्वारा क्रम संख्या 969 दिनांक
18-8-85 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

प्रथम भाग, भाग 1, खण्ड 1, भाग 1, भाग 1

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, केन्द्रीय राजस्व भवन
स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2683--

यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट सी-77 है, तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
निर्माण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से एवं दस्तावेज प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाबिल से कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
म. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमनलता अग्रवाल व
श्री शरव अग्रवाल।

(अन्तरक)

2. श्री नवीन गुप्ता व
श्री नरोत्तमलाल गुप्ता,
निवासी—सी-77, सरोजनी मार्ग, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. सी-77, सरोजनी मार्ग, जयपुर जो उप पंजीयक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2036 दिनांक 12-8-85 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

प्रकाश आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/2684.—यतः
मूके, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. ए-10 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मूके यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरही
(अन्तरिही) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्ध में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में
कमी करने या उक्त वर्णन में सूचना के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
वस्तु, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
और अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्हीं भाव वास्तु या, छिपाने में सूचना
के विषय

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री डी. पी. गुप्ता पत्र श्री गणेशीलाल निवासी,
ए-10, तिलक नगर जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रश्मिकान्त, श्रीमती सुमेधा, श्री मेहुल एवं
श्री सनीशा दुलर्भजी, ए-2,
महावीर उद्यान मार्ग, बजाज नगर, जयपुर ।

(अन्तरिही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों एवं सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में स्थापित होती हो, के बीच पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीच उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-
कूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताकारी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-10, तिलक नगर, जयपुर जो उप पंजियक
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1991 दिनांक 7-8-85 पर पंजिवद्ध
विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

प्रत्यक्ष प्रकाशित सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजे

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,

जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/2685.—

यतः मूझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 89 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,

(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाचक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के शायित्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देव किशन, थाण्डाफालमा ।

(अन्तरक)

(2) श्री इंदकराज महेता पत्र श्री केवल राम, महेता, निवासी-प्लॉट नं. 89, सेक्टर ए, सेक्शन 4, शास्त्री नगर, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रकृत सूचनाओं की प्रतियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 89 सेक्शन-4, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप-पंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2934 दिनांक 12-8-85 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप में विवर्णित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजे, जयपुर

तारीख 10-4-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टैच्यू सर्किल,
जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निर्देश सं. सज./सहा. आ. अर्जन/2686.—यस: सुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 25-सी है तथा जो जोधपुर में स्थित
है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्खान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण बिबित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की वजह के लिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10—46GI/86

(1) श्री करण सिंह पुत्र श्री जयसिंह जी महन्त,
जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश जोशी, पुत्र श्री मकन चन्द,
भीमजी का भीहल्ला,
जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 25/सी स्थित ठाकूर करण सिंह का अहाता,
पांच बस्ती, एयरफोर्स रोड जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर
द्वारा क्रम संख्या 2936 दिनांक 12-8-85 पर पंजियक
विक्रम पत्र में विस्तृत रूप से विवरित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 10-4-1986
मोहर :

इसका कोई भी हिस्सा एकात्मिक नहीं है।

(1) श्री अवरफ अली और 17 अकेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम. सि. वगीस ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, एरणाकूलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एल. सि. 792.—यतः मूझे,
पि. त्यागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलत्र में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कार्यालयमपारा में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-9-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
व्यक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विनिर्दिष्ट है
व्यवहारिक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
कार्यालय में कमी करने या उसके बचने के सुविधा
के द्वारा; और/वा

अनुसूची

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, तथा
के द्वारा

अध. 14, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के द्वारा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताधारी के द्वारा
विनिर्दिष्ट के लिए या बचने ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

तारीख 20-9-85 उपरजिस्ट्री कार्यालय कार्यालयमपारा दस्तावेज
सं. 2111 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कार्यालयमपारा अमरुम
मोयिलत्र बोसम से सखे 89 में 52-6 एकरम रबर एसटेट और
मकान ।

पि. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, एरणाकूलम

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

प्रकाश नम्बर टी. एन. एन. २२२२२

(1) श्री अण्णरक अली और 17 वक्ता।

(अन्तरक)

(2) कलारम्मा वरगीस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम,
कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एल. सि. 793.—यतः मूल,
पि. त्यागराजन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो भौगोलिक में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-9-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) सूचना में दिए किसी नाम की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन यह है कि सूचना के
कार्यालय में नहीं करने या उसके करने में बाधोप
के लिए; कोड/वा

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी नाम या किसी पद या अन्य वास्तवों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया
या या किना जाया जाहिए या, डिपान में अधिधा
के लिए।

तारीख 20-9-1985 उपरजिस्ट्री कार्यालय काविलमपारा
दस्तावेज सं. से 2110 में सलग्न भौगोलिक दायमान सं. 89 में
42.6 एकरस खबर इस्टेट।

पि. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एच.-----

(1) श्री पि. पि. सन्नी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री साजन वरगीस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एल. सि. 794.—यतः मूले,
पि. त्यागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मोगिलत्र में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काबिलमपारा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य बाधिका
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्भावना में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

तारीख 18-10-1985 उपरजिस्ट्र कार्यालय काबिलमपारा
वस्तावेज सं. 2305 में संलग्न अनुसूची के अनुसार काबिलमपारा
असक्षम मोगिलत्र दक्षिण सखे सं. 89 में 30 एकरस खबर
एस्टेट और एक मकान।

पि. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकूलम

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयुक्त

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एल. सि. 796.—यतः मुझे,
पि. त्यागराजन,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति विवरण उचित मात्रा में
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो भोयिलत्र में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-8-1985
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित मात्रा में कम के व्यवहार
प्रतिकूल के लिए बन्धन की गई है, और इसे यह विचार
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति के उचित मात्रा में
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिकूल के होने व्यवहार प्रतिकूल का पंक्ति
प्रतिफल के अधिक है और संरक्षक (अंतरिक्ष) और संरक्षणी
(अन्तरिक्ष) के बीच होने व्यवहार के लिए उक्त मात्रा में
अधिक, निम्नलिखित कारणों से उक्त व्यवहार प्रतिकूल
के वास्तविक रूप के अधिक नहीं किया गया है—

(क) व्यवहार के लिए किसी मात्रा की मात्रा उक्त अधि-
नियम के अधीन सूचना देने के व्यवहार के अंतर्गत में
कभी करने या उक्त करने में विधि के लिए,
कोर/वा

(ख) इसी किसी मात्रा या किसी वस्तु या वस्तु वास्तविक
को, जिसे भारतीय मात्रा-उक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भारत
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पूर्वोक्त
अन्तर्गत सूचना देने के लिए किया गया था या किया
गया जा रहा था, किसी के अधीन के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति के अधीन है—

(1) श्री पि. टि. पालोस।

(अन्तरक)

(2) श्री सची वरगीस।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के निम्न
कार्यवाहीवा शुरू करा है।

उक्त संपत्ति के अधीन के व्यवहार के लिए श्री माधव —

यह सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों सूच-
न्या की तारीख से 30 दिन की अवधि, के भी
अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) यह सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

तारीख 24-8-1985 उपरजिस्ट्री कार्यालय काविलमपारा दस्तावेज
सं. 2254 में संलग्न अनुसूची के अनुसार काविलमपारा अजसम
भोयिलत्र वसम सत्र सं. 89 में 13.55 एकरस रबर एसटोयंट

पि. त्यागराजन
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, एरणाकुलम
कोच्चिन-16

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. ए.-----

(1) श्री पि. पि. डेन्ती।

(अन्तरक)

(2) श्री सची वरगीस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

गणित बख्श

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. एल. सि. 797.—यतः मुझे,
पि. त्यागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मॉयिलत्र में स्थित
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-8-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
नवा है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का अन्य जातिगतों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

तारीख 24-8-1985 उपरजिस्ट्री कार्यालय काविलमपारा
दस्तावेज सं. 2252/85 में सलगन अनुसूची के अनुसार काविलम-
पारा अंमलम मॉयिलत्र हौसम मंसखे सं. 89 में 27 एकरम खबर
एसेटेयट।

पि. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, एरणाकुलम

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थादू :—

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. सुब्बा—

(1) श्री पि. पि. डेन्नी।

(अन्तरक)

(2) साबू वरगीस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम,

कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एल. सि. 798/86-87:—यतः मुझे,
पि. त्यागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मोयिलम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काविलमपारा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में उचितता
के लिए, और/या

जो किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीबधा
के लिए।

यदि आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशय

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख 11-10-1985 उपरिजिस्ट्र कार्यालय काविलमपारा
दस्तावेज सं. 2253 में सलगन अनुसूची के अनुसार काविलमपारा
अमरम मोयलम बेसम सर्वे नं. 89 सं. 29.55 एकेरस रबर
एसटेटेत।

पि. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकूलम
कोच्चिन-16

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

इसका बार्ह टो एन एच ----

(1) पि. पि. डेली।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) साबु वरगीस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकूलम,
कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं. एस. सि. 799/86-87 :—यतः मुझे,
पी. त्यागराजन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मॉयिलन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय काबिलमपारा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-9-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तविक उक्त
प्रतिफल के अधीन काउ होने के अन्तरक के वास्तविक
में कभी काउने या कथित वचने में सूचना के लिए;
44/2/84

(ख) इसी किसी बात का किसी धन का धन वास्तविकों
को किन्हीं भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सूचना
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
के अ. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—46GI/86

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किन्हीं
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के व्यवधान में कोई भी अक्षय है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास
निहित में किन्हीं या सबके।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में विवक्षित
रहा है।

अनुसूची

तारीख 13-9-1985 उपरजिस्ट्री कार्यालय काबिलमपारा
वखतोज सं. 2046 में सलंगन अनुसूची के अनुसार काबिलमपारा
अमदम मॉयिलन देशम सखे नं. 89 ज. 3.45 एकड़स रबर
एसटोयट और मकान।

पी. त्यागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकूलम

तारीख : 8-4-1986
मोहर :

इसके बाद, श्री. एन. एच. ...

साक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

साक्षर प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. लुधियाना/288/85-86:—मतः सूचे, जोगिन्द्र सिंह, साक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछले) इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विधायक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति वित्त का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं.-बी-18-36/2, है तथा जो साऊथ माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूचे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब बाधा तथा अतिरिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक विधि के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय का बावत, उक्त निबन्ध के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, किसी भारतीय अतिरिक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अंतर्गत अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंतर्गत अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किया जाने में सुविधा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में है। उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8—

- (1) श्री राजेन्द्र सिंह बधवा
पुत्र श्री दयाल सिंह बधवा,
मकान नं. 1804 सेक्टर 33डी चंडीगढ़।
(अंतरक)
- (2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र
श्री हरमंदर सिंह,
निवासी 17, साऊथ माडल ग्राम, लुधियाना।
(अंतरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त अधिनियम के धारा के लिए कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्पत्ति के कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम से प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के साथ विधि के लिए या लगे।

अतिरिक्त:—इसके अतिरिक्त सूची और पृष्ठों पर, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-18-36/2, साऊथ माडल ग्राम लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विनियम संख्या 3709 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है,

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

(अन्तरङ्ग)

(अन्तरिणी)

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कौड' जी बार्बोप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उचित
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता को, किन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मकान नं. बी-21-622/11 का भाग जो कि जनता नगर, गली नं. 2 लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जगदाद जो कि रजिस्ट्रार अधिकारी, लुधियाना के विज्ञेय संख्या 7269 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आसकर आयुक्त (निरिक्षण)
उर्जन रंज, लखियाना

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मै, मै, रक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् ५—

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रथम भाग, बी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. लुधियाना/286/85-86:—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. बी-21-622/11 का भाग है
तथा जो गली नं. 2, जनता नगर, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपान्वध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम द्यमान
प्रतिफल के लिए बंजरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से करीब नहीं किया गया है :—

(क) सम्भरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री शिव चन्द
निवासी बी-21-622/11,
जनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी
कलाश नगर, 442, गगनवीथ
कालोनी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-21-622/11 का भाग जो कि जनता नगर,
गली नं. 2 लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह आयवाद जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
7301 माह अगस्त, 1985 के तहत वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. लुधियाना/290/85-86:—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

बाककट्टा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
द्वारे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयबत करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचितता उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. बी-21-622/11 का भाग है
तथा जो गली नं. 2, जनता नगर, लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए भत्तागत की गई है कि
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया
गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की लागत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; नोट/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री शिव चन्द
निवासी बी-21-622/11,
जनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पति श्री रमेश सिंह
कैलाश नगर, 442, गगनवीप कालोनी, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थानों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-21-622/11 का भाग जो कि जनता नगर,
गली नं. 2 लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह आयदाव जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
8078 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
साहंर :

प्रकट आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/129/85-86:—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 100, है तथा जो सेक्टर 23ए
चंडीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिमें
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :-

(1) कैप्टन बी. के. मेहता तथा श्रीमति अनुपम मेहता,
निवासी मकान नं. 70 सेक्टर 8ए, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) मास्टर रतिलाल सिंह द्वारा उसकी गारंटीयन
श्रीमति कमल, 6/ए-3, हाऊसिंग बोर्ड
कालोनी, जाखू, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 100 सेक्टर 23ए, चंडीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 701
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रत्यक्ष धारि टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/108/85-86:—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 3321 है तथा जो सेक्टर 27डी
चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदूल सिंह बिलखू पुत्र श्री लाल सिंह
मकान नं. 235 सेक्टर 19ए चंडीगढ़ द्वारा
उनकी अन्तरण अटानी श्रीमति सीला देवी पति
श्री दलीप सिंह निवासी मकान नं. 3264 सेक्टर
27डी चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हलीप सिंह पुत्र श्री सावनमल,
निवासी मकान नं. 3321 सेक्टर 27डी चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के सूचपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के सूचपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3321 सेक्टर 27डी चंडीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विनोद संख्या 572
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
माहुर :

प्रथम भाग. टी. एच. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) की अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/111/85-86:—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3102 है तथा जो सेक्टर 22 डी
चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपामुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 85

की पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वसे संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राव
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथले से कमी करने या उससे बचने में क्षति
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षों :—

(1) श्रीमति सोना देवी पत्नी श्री राम कुमार
निवासी मकान नं. 3102 सेक्टर 22 डी चंडीगढ़।
(अंतरक)

(2) श्री गुरविन्द सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी
एम. एल.-5, आनन्द विहार, जेल रोड,
दिल्ली-64।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने के पूर्वक सम्पत्ति के संबंध में
लिए कार्रवाई करने का हवाला है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी जांचें :—

(क) यह सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या पश्चात्तय की अवधि में
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो की
कभी बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः
व्यक्तियों में से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) यह सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3102 सेक्टर 22 डी चंडीगढ़ (अर्थात् जायदाद जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 580
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
सांहर :

मूल्य बाह्य. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. खरड/43/85-86:—अतः सूचे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तकम उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 50 है तथा जो फेज 3-बी-1
मोहाली तहसील खरड में स्थित है
(और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूचे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके अमान्यमान प्रतिफल से, ऐसे अमान्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिपादित
है अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों)
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवस्था से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से अधिद
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रसंगिक अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, धियान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—46GI/86

(1) श्रीमति जसबीर कौर पत्नि श्री सुरेन्द्र सिंह
निवासी मकान नं. 48 सैक्टर 23ए चंडीगढ़ बतौर
जी.पी.ए. श्री रतन सिंह पुत्र श्री रुडा राम,
निवासी मकान नं. 213 सैक्टर 15 ए चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह,
निवासी मकान नं. 213 सैक्टर 15 ए चंडीगढ़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन में जिए
कार्यवाही करा जा रहा है।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी वाद :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

समसूची

मकान नं. 50, फेज 3बी-1, मोहाली तहसील खरड (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड के विलेख
संख्या 2788 साह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/127/85-86:—अतः भूमे,
जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 1722 है तथा जो सैक्टर 34 डी चंडीगढ़ में स्थित है

(और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कर्तव्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बचत या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार भूमे में, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरजीत सिंह पुत्र श्री मित्र सिंह द्वारा उनकी जनरल अटार्नी श्री गुरविवाल सिंह दिल्ली पुत्र श्री देहेर सिंह निवासी मकान नं. 1722 सैक्टर 34 डी चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगिन्द्र कौर कोहली पत्नी स्व. श्री सांहन सिंह कोहली निवासी 8ए, पाली हिलरोड, खर, बंबई।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूचना

मकान नं. 1722 सैक्टर 34 डी चंडीगढ़। (अर्थात् वह जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 685 माह अगस्त, 1985 के सहित वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

व्यव. भा. टी. एन. एल. :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/109/85-86—

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1818 है तथा जो सेक्टर 34 डी,
चंडीगढ़ में स्थित है

(और इसमें अपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवेकास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब
प्राप्त न्याय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कभी करन या उक्त बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जमा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह शेवाल पुत्र श्री प्रजा सिंह शेवाल
निवासी मकान नं. 149, डिफेंस कलोनी, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री गुरदत्त सिंह
निवासी गांव तथा डाकखाना, नवांपिंडे दोनेवाल,
जिला जालन्धर। अब मकान नं. 1818 सेक्टर 34,
चंडीगढ़।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
जयपाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1818 सेक्टर 34 डी चंडीगढ़ (अर्थात् वह जयदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के दिनेश संख्या 574
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रकट नाम: टी. एन. ए. = * * *

भाषकऽ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवेदन सं. चंडी/131/85-86—

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 1260 है तथा जो सेक्टर 8 सी
चंडीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित शब्दों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये
बैकरी करने या लक्ष्य करने में सुविधा के बिना;
बी/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. तिलक राज सेठी पुत्र श्री बृज लाल सेठी
निवासी लाड़वा कुरुक्षेत्र, हरियाणा।
(अन्तरक)
2. श्रीमति जगदीश कौर भिंडर पुत्री श्री
श्री हजारा सिंह भिंडर, निवासी गांव अगाराल, जिला
जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्वि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1260 सेक्टर 8 सी चंडीगढ़। (अर्थात् वह जयदास
जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 708
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/125/85-86--

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 1599 है तथा जो सेक्टर 18 डी
चंडीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलजीत सिंह चीमा पुत्र श्री बहादुर सिंह
निवासी मकान नं. 1599 सेक्टर 18-डी चंडीगढ़
(अन्तरक)
2. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री मेला सिंह तथा श्रीमति
सम्पूर्ण कौर पत्नि श्री तेजा सिंह तथा
श्री बलविन्द्र सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह सभी द्वारा
उनकी जनरल अटार्नी श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री
उजागर सिंह निवासी मकान नं. 1085 सेक्टर 8 सी
चंडीगढ़ तथा श्रीमति जसवीर कौर पुत्री श्री तेजा
सिंह निवासी मकान नं. 1085 सेक्टर 8 सी चंडीगढ़
अब मकान नं. 1599 सेक्टर 18 डी चंडीगढ़
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

करपत्री

मकान नं. 1599 सेक्टर 18 डी चंडीगढ़ (अर्थात् यह जयदाद
जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 668
माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं: खरड़/46/85-86--

अतः मूझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 342 है तथा फेज 3बी-आई मोहाली तहसील
खरड़ में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जतिन्द्र कुमार पुत्र श्री जे. एस. सिंगारी
निवासी मकान नं. 720 सेक्टर 22 ए चंडीगढ़
बतौर अटार्नी श्रीमति सनेह प्रभा विंधवा स्व. ओम
प्रकाश शर्मा निवासी मकान नं. 720 सेक्टर 22 ए.
चंडीगढ़।

(अंतरक)

2. श्री हरचरण सिंह हंसपाल पुत्र स्व. श्री
हंशर सिंह हंसपाल निवासी मकान नं. 548 फेज
2 मोहाली तहसील खरड़। अत मकान नं. 342 फेज
3बी-1 मोहाली तहसील खरड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 342 फेज 3बी-आई मोहाली तहसील खरड़ में
स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
खरड़ के विलेख संख्या 2964 माह अगस्त 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986
मोहर :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निदेश सं. खरड़/42/85-86—

अतः मूझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3012 है तथा जो फेज VII मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंसेवक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंसेवक प्रतिफल से, ऐसे स्वयंसेवक प्रतिफल का पन्ना प्रमाणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर के लिए ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची के उक्त अन्तरक विधियों के आस्त्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी बाब की बाब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थिति—

1. श्री सतिन्द्र खैरा पत्र श्री मनोहर लाल खैरा तथा श्रीमती कृष्णा खैरा पत्नि श्री सतिन्द्र खैरा पी-156-बी रेलवे कालोनी कालका जिला अंबाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री रविन्द्रपाल सिंह, अमर तेज सिंह तथा श्री गुरप्रीत सिंह, पुत्रान् श्री वरियाम सिंह लांबा निवासी ई-28, बाली नगर, नई देहली-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरावधौ व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3012 फेज 7 मोहाली तहसील खरड़। (अर्थात् वह जयबाब जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 2674 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

मोहर :

हस्ताक्षर बाई. टी. एन. एस. -----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निवेश सं. चंडी/130/85-86—

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस सी एफ नं. 328, है तथा जो मोटर मार्केट, कमिश्नरियल कंपलेक्स, मनीमाजरा यू. टी. चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख अगस्त, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का लब्ध प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंसूज जगजीत सिंह एण्ड सन्ज द्वारा श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री मूल सिंह निवासी मकान नं. 17 सैक्टर 2ए चंडीगढ़ अपने लिए तथा बतौर कानूनी संपत्ति अटार्नी सर्वश्री वरेन्द्रपाल सिंह, भूपिन्द्र सिंह, सुरेन्द्रपाल सिंह तथा सुरेन्द्रपाल सिंह निवासी मकान नं. 17 सैक्टर 27ए चंडीगढ़।

(अंतरक)

2. सर्वश्री हरजीत सिंह, हरदीप सिंह पुत्र श्री बलवीर सिंह, निवासी 3227 सैक्टर 15 डी, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. सी. एफ. साइट नं. 328, मोटर मार्केट कमिश्नरियल कंपलेक्स मनीमाजरा यू. टी. चंडीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 702 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लूधियाना

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. चंडी/122/85-86—

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 75 है तथा जो सेक्टर 16ए चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिकूल से, ऐसे व्यवहार प्रतिकूल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

13-46GI/86

1. श्रीमति ज्ञान देवी पति स्व. श्री आर. एल. रावल. श्री योगेन्द्र कुमार रावल, श्री नरेन्द्र कुमार रावल पत्नी श्री आर. एल. रावल निवासी मकान नं. 75 सेक्टर 16 ए. चंडीगढ़।

(अंतरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह गिल पत्नी श्री करतार सिंह गिल मकान नं. 1606 सेक्टर 18 डी, चंडीगढ़।

(अंतरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उक्त अवधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी व्यक्ति द्वारा, यथावस्थाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 75 सेक्टर 16 ए चंडीगढ़। (अर्थात् वह जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेज संख्या 659 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986

मोहर :

दस्तावेज सं. 126/85-86--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं: चंडी/126/85-86--

अतः भूखे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बजाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं: मकान नं. 2037 है तथा जो सैक्टर 21 सी
चंडीगढ़ में स्थित है

(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख अगस्त, 1985

अं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूखे यह विश्वास करने
का कारण है कि ब्यापारपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का एक
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेखित में
आमंत्रित रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
कई/जा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री शांति स्वरूप शर्मा पुत्र श्री छज्जू राम
निवासी मकान नं: 2037 सैक्टर 21 सी चंडीगढ़।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बलजीत कौर पत्नी श्री गुरचरण सिंह।
निवासी मकान नं: 2037 सैक्टर 21 सी चंडीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्तन होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2037 सैक्टर 21 सी. चंडीगढ़। (अर्थात् वह
जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख
संख्या 677 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लूधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

1. श्रीमति माम कौर विंधवा स्व. श्री कर्म सिंह
निवासी मकान नं. 3309 सेक्टर 40 डी चंडीगढ़।
(अंतरक)
2. श्री सुरमुख सिंह पुत्र श्री हजार सिंह,
निवासी मकान नं. 1584 सेक्टर 18 डी, चंडीगढ़।
(अंतरिती)

कॉ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. चंडी/133/85-86—

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 166 का 1/5 भाग है तथा जो
सेक्टर 7 सी चंडीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं. 2037 सेक्टर 21 सी. चंडीगढ़। (अर्थात् वह
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के
विलेख संख्या 711 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्रारूप बाबू टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोषालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवेदन सं. पटियाला/11/85-86--

अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 17, है तथा जो निहाल बाग
पटियाला में स्थित है
चंडीगढ़ में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़ा है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थायमान
प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में अविधि
के लिए, और/या

(ख) इसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

1. श्रीमति संतोष धालीवाल पत्नी सरदार मोहिन्द्र
सिंह धालीवाल निवासी निहाल बाग पटियाला
(अंतरक)
2. श्री सूरजीत सिंह पत्नी श्री बलीप सिंह निवासी
गांव लक्खा तहसील जगरी जिला लुधियाना
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 17, खसरा नं. 164 निहाल बाग पटियाला (अर्थात्
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के विलेख
संख्या नं. 3203 माह अगस्त 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भास्त सूचना

का.क.सू.सं., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं. नाभा/3/85-86—अतः सूचे,

जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि 137 कनाल, 19 मरला है, तथा जो
गांव अलीपुर, तहसील नाभा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1985

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उतरे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आब वा किसी धन वा अन्य जातिबों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री सुरेन्द्र कुमार, विनायक कुमार, राजेन्द्र
कुमार पुत्रान् श्री बजीर चन्व, निवासी गांव अलीपुर,
तहसील नाभा।

(अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह,
सर्वश्री जगदीश सिंह, अजीत सिंह पुत्रान्
श्री प्यारा सिंह, श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह,
सर्वश्री गुरदित्त सिंह, सुखदेव सिंह, गुरमेल सिंह,
कर्नल सिंह, हरदेव सिंह पुत्रान् श्री इन्द्र सिंह,
निवासी गांव अलीपुर, तहसील नाभा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
इसका की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 137 कनाल, 19 मरला जो कि गांव अलीपुर, तहसील
नाभा में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, नाभा के विलेख संख्या 1911 माह अगस्त, 1985
के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9-4-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
को धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं. लुधि./284ए./85-86—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कोठी नं. 6ए है, तथा जो सराभा नगर,
लुधियाना में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के व्यवसाय
प्रतिफल से, इसके व्यवसाय प्रतिफल का पक्का इतिहास से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच
इसे अन्तरण के लिए उक्त नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
संक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव से कम कर देने या उक्त के अन्तरण में त्रुटि
के लिए; और/वा

(ख) एही किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावद्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवन्त सिंह उन्नी पुत्र सरदार नरन्जन सिंह
उन्नी, लुधियाना, 105 बकलित्त स्ट्रीट, ग्लासगो
यू. के. द्वारा श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह,
निवासी 670/20, गली नं. 7, प्रताप नगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सरदार मेवा सिंह पुत्र सरदार जसवन्त सिंह,
निवासी गांव वानी, तहसील ब जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं. 6ए, सराभा नगर, लुधियाना। अर्थात् वह आय-
दाय जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या
नं. 7244 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986
मोहर :

प्रकाशक आर्. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं. लुधि./288ए/85-86—अतः मुझे,

जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/3 हिस्सा, मकान नं. बी-XX 1144/4

है, तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है

(और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विचनात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अंतरण निम्नलिखित में बांटा-
धिक अन्य से कथित नहीं किया गया है—

कि अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तविक व्यवस्था-
विषय से संबंधित कर वसूल के सम्बन्ध में सार्वजनिक में
कमी करने या उचित करने में सुविधा के विषय
कोर बा/

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
उपबन्धान्त अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने से सूचना
की प्रिड;

नत. बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अन्तरक
में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन रोज—

1. श्री मेवा सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह,
निवासी गांव बानी, तहसील और जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह और
श्री नरेंद्र सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह,
निवासी 2, हरपाल नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा मकान नं. बी-XX-1144/4 सराभा नगर,
लुधियाना (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
लुधियाना के विलेख संख्या नं. 7989 माह अगस्त, 1985 के
तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

सोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निदेश सं. पटियाला/10/85-86—अतः मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जमीन 47 कनाल 1 मरला है, तथा जो हीरा
गढ़ पटियाला में स्थित है
(और इससे उगावडा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिख में कमी करने या उससे बचत में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनमें से

1. श्री गारू राम पुत्र श्री पारू राम,
निवासी पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री मोहर सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह और
सर्वश्री मोहन सिंह, जसवीर सिंह पुत्रान्
श्री गुरदयाल सिंह और सर्वश्री सुरिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र
सिंह पुत्रान् गुरधरन सिंह,
निवासी हीरा गढ़, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्बुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जमोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 47 कनाल, 1 मरला जो कि हीरा गढ़, पटियाला में
स्थित है।

(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के विद्वेष संख्या 3076 माह अगस्त, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 11-4-1986

मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7491/85-86—

अतः मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 34, जो, 6ठी मंजिल, सुनिता
इमारत, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,
तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित सूचके से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोष नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित—

1. श्री किशोर एस. साव,
श्री राहित एस. साव और
श्रीमती सरोज जी. साव।
(अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मीराम टी. शिवदासानी।
(अन्तरिती)
3. अन्तरको।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. अन्तरिती।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 34, जो, 6ठी मंजिल, सुनिता इमारत, कफ परेड,
बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची अंशकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/7044 (ए)/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एस. -----

1. श्री मीनर ए. कल्वर्ट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री हुलेन्द्र जी. शहा और
श्रीमती दिपिका एन. शहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7628/85-86--

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. डी/205, जो, 2री मंजिल, सिमला
हाउस, नैपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क,ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नग्न या किसी धन या सम्पत्ति का
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती पुंशुच प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, रजिस्ट्रार :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. डी/205, जो, 2री मंजिल, सिमला हाउस,
नैपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/7174/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986
सोहर :

एक भाग... टी. एच. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7708/85-86—

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट नं. 4, जो, जी-ब्लॉक, त्रिवेणी इमारत, 66, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

तारीख 22-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरांतरी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथादि :—

1. श्री गंगेश हिरजी विशारिया और श्रीमती हंसाबेन जी. विशारिया ।

(अन्तरक)

2. श्री कान्जीभाई करमशी और श्री मोहनभाई नारनभाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाव निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 4, ब्लॉक, जी, त्रिवेणी इमारत, 2री मंजिल, 66, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/7251/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/7820/85-86—

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 43, जो, 4थी मंजिल, कोडिया
अपार्टमेंट, 29-एफ, डंगरसी रोड, बालकोवर, बम्बई-6 में
स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री नविणचंद्र एस. भावसार।

(अन्तरक)

2. श्री मेहनेज जे. शहा और
श्री जयतीलाल जे. शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं. 43, जो 4थी मंजिल, कोडिया अपार्टमेंट, 29-एफ,
डंगरसी रोड, बालकोवर, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-1/37-ईई/7358/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

प्रमाण नम्बर: डी. एन. एम.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यक्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7592/85-86---

अतः मुझे, निसार अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 32, जो, 8वीं मंजिल, गार्हड इमारत, 16, एल. डी. रूपारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बंदई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रत्यक्ष प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ब्यापकोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके प्रत्यक्ष प्रतिफल से, ऐसे प्रत्यक्ष प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उभरा गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धारा की धारा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवरण में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धारा या अन्य वास्तविक को, बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

1. श्री आर. एस. स्कूवाला,
सोली के. स्कूवाला और
श्रीमती हंली एस. स्कूवाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय सुधा बी. तलवार।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में उक्त सम्पत्ति की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 32, जो, 8वीं मंजिल, गार्हड इमारत, एम्यायर गार्हड को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., 16, एल. डी. रूपारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/7139/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं अई-1/37-ईई/7594/85-86—

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6बी, जो, 6ठी मंजिल, आकाश गंगा,
89, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शीकतअली इ. फूरनितुरवाला और
श्रीमती फ़िनत शीकतअली फूरनितुरवाला।
(अन्तरक)
2. श्रीमती मंहरू केकी गांधी और
कुमारो कटी केकी गांधी।
(अन्तरिती)
3. अन्तरकों।
(वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 6बी, जो, 6ठी मंजिल, आकाश गंगा, 89, भूला-
भाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-1/37-ईई/7149/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7576/85-86—

अतः मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी फ्लैट नं. 57-ए, जो सूर्य किरन, न्यू सूर्य किरन
हाउसिंग सोसायटी लि. पान गल्ली, गोवालिया टेन्क,
बम्बई-36 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 8-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
बन्तरिती (बन्तरिती) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण
विहित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हिराबेन वाडीलाल शहा।

(अन्तरक)

2. मालविका हिरार्चद भवेरो।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हूँ, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 57-ए, जो सूर्य किरन, न्यू सूर्य किरन, हाउसिंग
सोसायटी लि., पान गल्ली, गोवालिया टेन्क, बम्बई-36 में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/7123/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 24-3-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/7547/85-86.---

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4, जो, 1ली मंजिल, धन्वंतरी
भवन को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., 143-बी, आगस्ट
क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है

(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 5-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए:
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :-

(1) श्रीमती मिरा एस. हरीटे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला भोगीलाल भवरेरी और श्री भोगी लाल
बेचारवास भवरेरी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो, 1ली मंजिल, धन्वंतरी भवन को-आप.
हाउसिंग सोसायटी लि., 143-बी, आगस्ट क्रांती मार्ग,
बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची प्रसादिक क्र. सं. आई-1/37-ईई/7096/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक : 24-3-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7659/85-86.---

प्रति: मूझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6, जो, 2री, मंजिल हिल क्यू,
15, रीज रोड, बम्बई-6 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,

तारीख 19-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मूझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पन्हु
प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती आर. एम. भवेंरी और श्री सुधिर एम.
भवेंरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत बी. ठक्कर, अनिल बी. ठक्कर और श्री
प्रबोध बी. ठक्कर ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 6, जो, 2 री मंजिल, हिल क्यू, गिरी वर्शन
को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., 15, रीज रोड, बम्बई-6
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-1/37-ईई/7204/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-8-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 2-4-1986

मोहर :

इसका बाई-डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (4) के अधीन सूचना

साथ में प्रस्तुत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/7622/85-86.—
अतः मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 61 (उत्तर विंग), जो 6ठी मंजिल
और गाडी पाकींग जगह, तल माला, इमारत-कारमेल, प्लॉट
जिसका सी. एस. नं. 1/587 मलबार हिल डिविजन, 30,
नैपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है
(और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है,
बम्बई-36 में स्थित है
दिनांक 12-8-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
व्यवहारिक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अंतरक के व्ययित्व से
कमी करने या उसके बचने में श्रुतिभा के विषय;
बीड/बा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, जिनमें से किसी
के लिए

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार
ले, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एस. इ. लोखंडवाला और सकीना इ. लोखंडवाला ।
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स गूडलास नेरोलक पेंटस लिमिटेड ।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेपित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए
गए हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं. 61 (उत्तर विंग), जो, 6ठी मंजिल, और गाडी
पाकींग जगह, तल माला, इमारत "कारमेल"; प्लॉट जिसका
सी. एस. नं. 1/587, मलबार हिल डिविजन, 30, नैपियनसी
रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची अंशिक क्र.सं. अई-1/37-ईई/7167/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 7-4-1986
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 10th April, 1986

No. F. 6/86-SCA(I)—Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and Appointed the following members of staff of this Registry to the posts with effect from the forenoon of the date mentioned against each, until further orders :—

S. No.	Name & Designation	Post to which appointed and date of appointment.
1.	Shri R. R. Kumar, Deputy Registrar	Appointed to officiate as joint Registrar with effect from December 9, 1985
2.	Shri S. Vardarajan, Assistant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from December 9, 1985
3.	Shri A. P. Jain, Assistant Editor	Appointed to officiate as Assistant Registrar (Pro-forma) with effect from December 9, 1985.
4.	Shri B. S. Jain Section Officer	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from December 9, 1985
5.	Shri O. P. Sharma Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from December 9, 1985
6.	Shri N. Vija Kumar, Assistant Editor	Appointed to officiate as Editor, Supreme Court Reports with effect from January 2, 1986.
7.	Shri Mool Chand Sharma	Appointed to officiate as Deputy Registrar (Ex-cadre) on <i>ad-hoc</i> basis for a period of one year with effect from January 6, 1986.
8.	Miss Amrita Dhanda	Appointed to officiate as Assistant Registrar (Ex-cadre) on contract basis for a period of one year with effect from January 7, 1986
9.	Shri R. S. Seth, Stenographer	Appointed to officiate as Court Master with effect from January 22, 1986.
10.	Shri P. N. Jain, Assistant	Appointed to officiate as Court Master with effect from February 15, 1986.
11.	Shri Vinod Kumar, Stenographer	Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from February, 19, 1986.
12.	Shri Suresh Chandra, P. S. to Hon'ble Judge	Appointed to officiate as P. P. S. to Hon'ble Chief Justice of India (Pro-forma) with effect from February 27, 1986.
13.	Shri R. C. Jain, Section Officer	Appointed to officiate as P. P. S. to Hon'ble Chief Justice of India with effect from February 27, 1986.
14.	Mrs. Anita Kashyap, Stenographer	Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from February 27, 1986.

1	2	3
15.	Shri H. N. Wadhwa, Editor of Paper Books	Appointed to officiate as Section Officer with effect from March 10, 1986.
16.	Shri R. N. Nijhawan, Stenographer	Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from March 10, 1986.
17.	Shri P. S. Sharma, P. S. to Hon'ble Judge	Appointed to officiate as Assistant Editor with effect from March 20, 1986.

A. N. OBERAI,
Registrar

Supreme Court of India

MINISTRY OF PERSONNEL TRG., ADMN. REFORMS,
PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 7th April 1986

No. A-19021/3/80-AD.V.—The services of Shri Jaspal Singh, IPS (AP-1970) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU (NC) Branch are placed at the disposal of Govt. of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 30th November, 1985, on repatriation, with directions to report for duty to Director General of Police, Andhra Pradesh on the expiry of 117 days EL/HPL granted to him from 2-12-85.

No. 3/6/86-AD.V.—Consequent upon Shri S. Ramamoorthy, Office Supdt., resuming duty in GW: Madras Branch on 17-3-1986 (FN), Shri Gopalakrishnaiah appointed to officiate as Office Supdt. in the leave vacancy, on ad-hoc basis with effect from 13-1-86 (FN) is reverted as Crime Assistant with effect from the forenoon of 17th March, 1986.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 4th April 1986

No. O.II-2141/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rajiva Pandey as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th March 1986 till further orders.

The 7th April 1986

No. O.II-1763/82-Estt.—Shri Shiv Mohan Singh, IPS (MP: 1954) handed over the charge of Inspector General of Police, S/III, CRPF, New Delhi on the afternoon of 31-3-1986 on retirement on attaining the age of superannuation.

No. O.II-2136/86-Estt.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Watts, IPS (UP: 1956) as Inspector General of Police in C.R.P.F. in the pay scale of Rs. 2500—2750/- on deputation tenure basis w.e.l. 1-4-1986, till he attains the age of superannuation i.e. 31-12-1987.

2. The officer, accordingly took over charge of the post of IGP, S/III, CRPF, New Delhi in the forenoon of 1-4-1986.

The 9th April 1986

No. O.II-2146/86-Estt.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Dwivedi, IPS (MP: 1959) as Inspector General of Police in CRPF in the pay scale of Rs. 2500—2750/- on deputation tenure basis for a period of 5 years.

2. The Officer, accordingly took over charge of the post of IGP, S/IV, CRPF, Shillong in the forenoon of 4-4-86.

M. ASHOK RAJ,
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th April 1986

No. 10/4/80-Ad.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri Satya Prakash, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 17th February, 1986, until further orders.

2. The headquarters of Shri Satya Prakash will be at New Delhi.

3. He will be on probation for two years.

V. S. VERMA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUES-I,

New Delhi, the 14th April 1986

No. Admn./O.O. No. 8.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri A. S. Ahluwalia, an Asstt. Audit Officer of this office will be retiring from service of the Government of India with effect from the afternoon of the 30th of April, 1986. His date of birth is 3-4-1928.

No. Admn. I/O.O. No. 9.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri K. L. Kapoor, an Asstt. Audit Officer of this office will be retiring from service of the Government of India with effect from the afternoon of the 30th April, 1986. His date of birth is 3-4-1928.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL,
CALCUTTA

Calcutta-700001, the 24th March 1986

No. Admn. I/Gaz/2022-23.—The Director of Audit, Central Calcutta has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis the section officers named in the enclosed statement from Sl. 1 to 216 to officiate as Assistant Audit Officers (Group B) in the scale of 650—30—740—35—880—EB—40—1040 in temporary and officiating capacity with effect from the dates noted against each in the office of the Director of Audit, Central Calcutta, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Director of Audit (A)
Central Calcutta.

List of Assistant Audit Officers in the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta with effect from 1-11-1985.

Sl. No.	Name	Date of officiating
S/Shri		
1.	Dilip Kumar Ghosh	1-11-85
2.	Amal Ishore Bhattacharjee	1-11-85
3.	Sunirmul Ghosh	1-11-85
4.	Satya Indral Chakraborty	1-11-85
5.	Md. Abdul Wahhab	1-11-85
6.	Samarendra Nath Choudhury	1-11-85
7.	Sunil Krishna Talukdar	1-11-85
8.	Nani Gopal Mahalanabis	1-11-85
9.	Santi Ram Chatterjee	Proforma placement from 1-11-85

S/Shri

1	2	3
10.	Sanjay Kumar Banerjee	1-11-85
11.	Ajit Kr. Bose III	1-11-85
12.	Dhirendra Nath Bose	1-11-85
13.	Sankar Prosad Halder	1-11-85
14.	Sanat Kumar Biswas	1-11-85
15.	Himangsu Kr. Bhattacharya	On deputation 1-11-85
16.	Jadunath Guha	1-11-85
17.	Rabindra Nath Sarkar II	Proforma placement from 1-11-85
18.	Subodh Chandra Das	1-11-85
19.	Sujit Kumar Guha	1-11-85
20.	Hara Prasad Bhattacharjee	1-11-85
21.	Purnananda Bandopadhyay	1-11-85
22.	Nani Gopal Kar	1-11-85
23.	Sukumar Shah	1-11-85
24.	Himangshu Kumar Saha	1-11-85
25.	Bibhas Chandra Seal	1-11-82
26.	Subrata Sen	1-11-85
27.	Chittaranjan Thakur	1-11-85
28.	Sadhan Ch. Gangopadhyay	1-11-85
29.	Bibhas Kanti Bhattacharjee	1-11-85
30.	Smt. Anjali Chattopadhyay (Parial)	Do.
31.	Badri Narayan Sarkar	Do.
32.	Sukhindra Nath Ghosh	Do.
33.	Samarendra Majumdar	Do.
34.	Mihir Kanti Sen Gupta	Do.
35.	Ajay Kr. Chattopadhyay	Do.
36.	Shayama Prasad Palit	Do.
37.	Debaprasad Bose	Do.
38.	Ranjit Chatterjee	Do.
39.	Debananda Bandopadhyay	Do.
40.	Gourhari Saha	Do.
41.	Pujush Kanti Chowdhury	Do.
42.	Soumendra Nath Majumdar	Proforma placement from 1-11-85
43.	Narendra Nath Pattnyak	1-11-85
44.	Swadesh Ranjan Bhadra	Do.
45.	Smt. Jayshree Bakshi	Do.
46.	Susanta Kr. Lahiri	Do.
47.	Purnendu Bikash Roy	Do.
48.	Manas Kr. Mukherjee	Do.
49.	Narayan Cha. Bhowmick	Do.
50.	Sib Shankar Mukherjee	Do.
51.	Pranag Kumar Nag	Do.
52.	Nikhil Ranjan Ganguly	Do.
53.	Sasanka Sekhar Bhowmick	Do.
54.	Girindra Kr. Bhatta charjee	Do.
55.	Pranab Kanti Majumdar	Do.
56.	Santosh Kumar Roy	Do.
57.	Ashoke Kumar Mukherjee	Do.
58.	Paritosh Kumar Sengupta	Do.
59.	Prabir Mukherjee	Do.
60.	Panchanan Sinha Roy	Do.
61.	Amiya Bhushan Chatterjee	Do.
62.	Malay Ranjan Guha	Do.
63.	Prasanta Kumar Dutta-II	Do.
64.	Mukti pada Sanyal	Do.

1	2	3	1	2	3
S/ Shri			S/ Shri		
65. Chinmoy Nag		Profor- ma pla- cement from 1-11-85	111. Dharendra Nath Roy -II		1-11-85
			112. Biswanath Chattopadhyay-II		Do
			113. Paritosh Kr. Chatterjee.		Do.
			114. Rakhal Ch. Kanjilal		Do.
66. Nitish Ch. Majumder		Profor ma ple- cement from 1-11-85	115. Jyotirmoy Biswas.		Do.
			116. Ashit Kumar Naha		Do.
			117. Sanat Kr. Palui		Do.
			118. Ranjit Kumar Mukhopadhyay		Do.
			119. Sridhar Mukherjee		Do.
67. Abinash Ch. Chakraborty		1-11-85	120. Ranendra Nath Basu		1-11-85
68. Samil Kr. Pal II		Do.	121. Chandidas Chattejee		Do.
69. Shyam Sunder Sarkar		Do.	122. Somenat Bhattacharjee		Do.
70. Wajid Box Midya		Profor- ma Pla- cement from 1-11-85	123. Adit Kumar Saha		Do.
			124. Ajoy Kr. Bandhopadhyay		Do.
			125. Kartick Chandra Bose		Do.
			126. Keshab Lal Mirtra		Do.
			127. Prasanta Sekhar Sarkar		Do.
			128. Sunil Basu Dutta		Profor- ma plan cement from 1-11-85
71. Parimal Kr. Banerjee		1-11-85	129. Biman Kr. Ghosh		1-11-85
72. Surendra Kumar Nath		Do.	130. Ratan Kr. Sarkar.		1-11-85
73. Ranjit Kumar Chowdhury-I		Do.	131. Nirmal Kumar Majumdar		Do.
74. Jayanti Prasad Mukhopadhyay		Do.	132. Jaharlal Banerjee-I		Do.
75. Ajeya Shyam		Do.	133. Bimal Kr. Roy		Do.
76. Rupendra Nath Mishra		Do.	134. Nani Gopal Das		Do.
77. Arun Kanti Paul		Do.	135. Somen Basu		18-11-85
78. Hare Krishna Das		Do.	136. Madan Mohan Das		1-11-85
79. Gour Chandra Pathak		Do.	137. Jyotish Ch. Sarkar		Do.
80. Dilip Kr. Bhattacharjee		Do.	138. Sudhir Krishna Mondal		Do.
81. Sisir Kr. Banerjee		Do.	139. Anil Krishna Mondal-I.		Do.
82. Subrata Chowdhuri		Do.	140. Mihir Kr. Banerjee		Do.
83. Kalyan Kumar Mitra-I		Do.	141. Tapan Kr. Sarkar-II		Do.
84. Gopal Ch. Bhattacharjee		Do.	142. Ajoy Kr. Mukherjee		Do.
85. Amiya Kr. Roy-II		Profor- ma pla- cement from 1-11-85	143. Amalendu Das		Do
			144. Sitish Chandra Bagchi		Do.
86. Kanai Charan Nag		1-11-85	145. Raj Ballav Saha		Do.
87. Kamal Lochan Adhikari		Do.	146. Tinkari Ch. Saha		Do.
88. Santi Prakash Sarkar		Do.	147. Bimal Krishna Roy Chowdhury		Do.
89. Santosh Kr. Chadraborty-II		Do.	148. Jyotirmoy De Sarkar		Do.
90. Debaprosad Roy Chowdhury		Do.	149. Bijoy Krishna Kar		Do.
91. Dilip Kr. Sarkar		Do.	150. Janardan Bhattacharjee		Do.
92. Amitabha Roy Chowdhury		Do.	151. Suchitranay Bandopadhyay		Do.
93. Ardhendu Chowdhury		Do.	152. Tarun Kr. Mukherjee		Do.
94. Satya brata Dutta Chowdhury		Do.	153. Ashoke Mandi		Do.
95. Anil Chandra Das		Do.	154. Purna Chandra Karan		Do.
96. Nirmal Kr. Mukherjee-II		Do.	155. Ajit Kr. Chakraborty IV		Do.
97. Arunangshu Bhattacharjee		Do.	156. Prafulla Kr. Mukherjee		Do.
98. Bansidhar Banerjee		Do.	157. Amal Kumar Sarkar		Do.
99. Sushil Ch. Das Gupta		Do.	158. Nisith Kr. Mukherjee		Do.
100. Anil Krishna Mondal II		Do.	159. Jiban Krishna Bhattacharjee		Do.
101. Jyotirmoy Debnath		Do.	160. Nripendra Nath Halder		Do.
102. Bhabani Prasad Bose		Do.	161. Rabindra Nath Chatterjee IV		Do.
103. Nari Gopal Bhattacharjee		Do.	162. Alok Roy		Do.
104. Ananta Nath Brahma III		Do.	163. Madan Mohan Chattopadhyay		Do.
105. Amal Ch. Pal		Profor- ma pla- cement from 1-11-85	164. Kanak Ch. Sen		Do.
			165. Prabir Narayan Roy Chowdhury		Do.
106. Debashis Banerjee		1-11-85	166. Amiya nanda majumder		Do.
107. Sushil Ranjan Karmakar		1-11-85	167. Ramesh Chandra Bhowmick		Do.
108. Manoranjan Sarkar		Do.	168. Gopal Ch. Guha		Do.
109. Pabitra Kumar Sarkar-II		Do.	169. Smt. Aparna Bhattacharjee		18-11-85
110. Dinosh Kr. Roy Chowdhury		Do.			

1	2	3
170. Sudhendu Chakraborty		1-11-85
171. Ramala Saha		Do.
172. Purnendu Nandy		Do.
173. Kartick Ch. Roy		Do.
174. Debendra Nath Burman		Do.
175. Sunirmal Jyoti Sarkar		Do.
176. Bhaskar Bhusan Naskar		Do.
177. Satyabrata Das		Do.
178. Ajit Kr. Chakraborty -II		Do.
179. Ashoke Kr. Halder		Do.
180. Gopi Krishna De		Do.
181. Lutfar Rahman		Do.
182. Tarun Mohan Charaborty		Do.
183. Shyamalendra Nath Choudhury		Do.
184. Biswanath Mondal		Do.
185. Sm. Purabi (Sengupta) Jena		Do.
186. Kalyan Kr. Goshal		Do.
187. Bimal Krishna Nath		13-11-85
188. Dulal Ch. Mukherjee-I		1-11-85
189. Deb Kr. Mukherjee III		Do.
190. Madhusudan Dutta Chowdhury		1-11-85
191. Bidyut Kr. Kalsa		Do.
192. Khagendra Nath Ghosh		Profor- ma pla- cement from 1-11-85
193. Mrinal Kanti Dutta		1-11-85
194. Chunilal Tarafdar		Do.
195. Amal Kumar Srimani		Do.
196. Manjil Kr. Majumdar		Do.
197. Bijoy Krishna Kundu		Do.
198. Purnendu Bikash Roy Chowdhury		Do.
199. Purnajan Chanda		Do.
200. Deepak Kr. Sengupta		Do.
201. Syamal Kr. Chakraborty		Do.
202. Smt. Minati Basak (Nee Seth)		Do.
203. Narayan Ch. Chattopadhyay		Do.
204. Tushar Kanti Ghosh -I.		Do.
205. Shyamapada Mitra		Do.
206. Jayanta Kr. Ghosal		Do.
207. Dilip Kr. Chowdhury		Do.
208. Ratan Gopal Bhattacharjee		Do.
209. Madhusudan Mukherjee-II		Do.
210. Asit Ranjan Mitra		Do.
211. Sanjivoy Banerjee		Do.
212. Debabrata Bhowmick		Do.
213. Sourendra Mohan Ghosh		Do.
214. Sukhomoy Bhowmick		Do.
215. Smt. Arati Roy Chowdhury		Do.
216. Bimal Kanti De		Do.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, BIHAR

Patna, the 21st February 1986

No. Admn-I(Au)-I-20-5-1984.—The Accountant General (Audit)-I Bihar, Patna has been pleased to promote the following Asstt. Audit officers of this office to officiate, until further orders, as Audit officers in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-2-86 (A.N.) or from the date of their taking over charge, whichever is later :—

S/Shri

1. Bhatt Jha
2. Abdul Gaffar Khan

3. Budhi Chandra Singh
4. Budhi Nath Jha
5. Jitendra Kumar Sengupta.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

Patna, the 21st March 1986

No. Admn-I(Au)-I-20-5-2039.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate until further orders as Audit Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3-3-86 (AN) or from the date of their taking over charge, whichever is later :—

Sl. No. and Names

1. Sri Bhupul Bhattacharya.
2. Sri Kshetra Mohan Haldar.

No. Admn-I(Au.)-I-20-5-2045.—The Accountant General (Audit-I), Bihar, Patna has been pleased to promote Shri Krishna Kumar Bose, Assistant Audit Officer to the post of Audit Officer in an officiating capacity in the Pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 14-3-86 (FN) or from the date of his taking over charge whichever is later, until further order.

(Sd.) ILLEGIBLE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E) J & K

Srinagar, the 8th April 1986

No. Admn.I/A & E/60(67)/26/85-86/66974.—The Accountant General (A & E) has been pleased to appoint the further orders, as Audit officers in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12-2-86 in an officiating capacity w.e.f. the date(s) indicated against each, till further orders :—

1. Shri Bansi Lal Misri—27-2-86 (F.N.).
2. Shri Rattan Lal Kaw—27-2-86 (F.N.).
3. Shri Omkar Nath Muku—24-3-86 (F.N.).
4. Shri Rajinder Swaroop Behl—27-2-86 (F.N.).

This inter se seniority will be in the same order as shown above.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E)-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 28th February 1986

No. Admn.I/PF.NGK/387/2744.—Shri N. G Kibe (01/204) a permanent Accounts Officer of the office of the Accountant General (A & F)-I M.P., at present on foreign service to Indore Development Authority, Indore, will retire from Govt. Service with effect from 31st March, 1986 AN on attaining the age of superannuation.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 14th April 1986

No. 235/A. Admn/130/83-85.—On attaining the age of superannuation Shri Kishan Lal, substantive Audit, Officer,

Defence Services, retired from service with effect from 31-3-1986 (AN).

B. S. TYLF
Jt. Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700 001, the 8th April 1986

No. 23/G/86.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Paul, J.D., Works Manager from IOFS with effect from 15th June, 1985.

M. A. ALHAN
Jt. Director/G
for D.G.O.F.

Calcutta, the 10th April 1986

No. 24/G/86.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of SAG Level-I (DD OF (SG-I) and GM(SG-I) with effect from the dates shown against each :—

Name of the officers and designation	Date of confirmation
1. Shri P. R. Rao, Addl. DGOF(Retd.)	9-5-79
2. Shri P. L. Jalota, Addl. DGOF(Retd.)	30-9-80
3. Shri R. R. Wanchoo, DGOF/Chairman (Retd.)	9-2-81

No. 25/G/86.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Addl. DGOF with effect from the dates shown against each :—

Name of the officers and designation	Date of confirmation
1. Shri C. Madhavan, Addl. DGOF/Member (Retd.)	30-6-78
2. Shri O. P. Bahl, Addl. DGOF/Member (Retd.)	9-5-79
3. Shri D. Sen, Addl. DGOF/Member (Retd.)	1-3-81

V. K. MEHTA,
DGOF(ESTT.)

MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 11th March 1986

No. 2(26)/EST.I/86/1465.—Shri R. K. Iyer, Assistant Director Grade II (P&D), Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on superannuation from the afternoon of 28-2-1986.

ARUN KUMAR
Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 31st March 1986

No. A-1/1(1045).—Shri Ram Kishan, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) of this Directorate General is retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st March, 1986, on attaining the age of superannuation.

V. SAKHRIE
Dy. Director (Admn.)
for Dir. Gnl. of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 31st March 1986

No. A-17011/283/84/A-6.—On his selection by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Subhash Chandra to officiate as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Metallurgical Branch) in this Directorate General with effect from the forenoon of 6th March, 1986 and until further orders.

Shri Subhash Chandra assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection in the office of Director of Inspection (Met.) Bhilai with effect from 6-3-1986 (FN).

The 9th April 1986

No. A-17011/292/85-A-6.—On his selection by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. M. Gupta, to officiate as Assistant Director of Inspection (Metallurgy) in Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Metallurgical Branch in this Directorate General with effect from the forenoon of 23rd December, 1985 and until further orders.

Shri Gupta assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgy) in the office of Director of Inspection (Met.) Bhilai from the forenoon of 23rd December, 1985.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 7th April 1986

No. EI-2(1)/85(.).—The undersigned hereby appoints Shri M. L. Bhattacharjee, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office wef 1-4-1986 (FN) on temporary basis, against leave vacancy of Shri R. K. De, Asstt. Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(KHAN VIBHAG)

Calcutta-700 016, the 4th April 1986

No. 3074B/A-19012(CS)/84/19A.—Shri C. Srivathsan is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-2-86, until further orders.

The 8th April 1986

No. 2135B/A-19011(1-KCS)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Kahanu Charan Sahoo to the post of

Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-2-1986 until further orders.

A. KUSHARI
Director(Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st March 1986

No. A-19012/39/85-Estt.A.PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri G. S. Nagaraj, Assistant Mineral Economist (Int.) is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st March, 1986 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 7th April 1986

No. A.19011(391)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. V. Satyan Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10th March 1986.

O. P. WADHI
Administrative Officer
Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 19th March 1986

No. F. 8-8/83-Estt.—The Director of Archives, Government of India, is pleased to appoint Shri K. D. Tripathi, Officiating as Hindi Officer on ad-hoc basis as Hindi Officer on regular temporary basis (G.C.S. Group B Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 wef 1st February, 1985 (FN).

Sd./- ILLEGIBLE
Administrative Officer
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 14th April 1986

No. 4(63)/75-SI.—Shri L. B. Shastri, Programme Executive, AIR, Ahmedabad retired voluntarily from Govt. service with effect from the forenoon of 1st April, 1986.

No. 4(106)/75-SI(Vol.II).—In partial modification of this Directorate Notification No. 4(106)/75-SI (Vol.II), dated 18-3-86, Shri D. V. Maheshwari, Programme Executive, AIR, Bombay retired voluntarily from Govt. service with effect from the forenoon of 1st March, 1986.

I. L. BHATIA
Dy. Director of Administration (WL)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 4th April 1986

No. A-12026/1/85-Estt.I.—Shri K. A. Padmanabhan, Recordist in this office has been appointed, on deputation, as Films Officer in the Films Division, New Delhi for a period of one year with effect from the afternoon of 31st January, 1986.

(Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 3rd March 1986

No. A-31011/2/86-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. R. Sen to the post of Technical Officer/Lecturer in the Central Food Laboratory, Calcutta with effect from 10th March 1977 in permanent capacity.

The 7th March 1986

No. A-31011/4/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. Basak to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 12-1-1983 in permanent capacity.

The 12th March 1986

No. A-31011/4/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Satya Prakash to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 30-3-1981 in permanent capacity.

No. A-31011/4/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. C. Roy to the post of Junior Analyst at Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad with effect from 30-5-1981 in permanent capacity.

SMT. JESSIE FRANCIS
Dy. Director Administration (PH)

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 11th March 1986

ORDER

No. 6-24/82-Vig.—WHEREAS Shri Inder Raj S/o Shri Ram Chander, Mate was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even number dated 15-9-1982 on the following charge :—

"That the said Sh. Inder Raj S/o Shri Ram Chander while functioning as Mate in Delhi Milk Scheme has been absenting himself from duty unauthorisedly w.e.f. 12-11-1980 onwards without prior intimation and sanction of the Competent Authority which is in contravention of the CCS (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS, the chargesheet Memo dated 15-9-1982 was sent to him under Regd. cover on his last known permanent Home Address as under :—

Shri Inder Raj,
S/o Shri Ram Chander,
566, Rampura, Delhi-35.

The said memo was received back undelivered with the remarks of the Postal Authorities "Bar Bar Jana Par Nehai Milta." The order of the appointment of the Enquiry Officer was also sent at his address :—

Shri Inder Raj,
S/o Shri Ram Chander,
70, Rampura, Delhi-35.

The said memo dated 17-8-1984 regarding appointment of Shri B. L. Oberoi as E.O. to conduct enquiry was also received back with the remarks of the Postal Authorities "Refused to accept."

AND WHEREAS, after due inquiry into the charge in accordance with CCS (CCA) Rules, 1965, the Inquiry Officer

has submitted his report dated 16th July, 1985 (copy enclosed). The undersigned has also agreed with the findings of the Enquiry Officer and further observed that the charged official was fully in known of the impending enquiry against him as some of the communications sent by this office at his above addresses have been received by him and others have been returned undelivered and quite a few have been refused to be received by him. His non-participation in an enquiry would conclusively show that since the charged official had no defence to offer on the charge of unauthorised absence w.e.f. 12-11-1980 and since records also show that no application or intimation whatsoever has been received in this office till date, the charged official has been unauthorisedly absenting himself from duty is conclusively proved. It also shows that he is not interested to continue in Govt. service.

Shri Inder Raj, Mate is therefore guilty of the charge of remaining absent from duty unauthorisedly w.e.f. 12-11-80 and as such he is not a fit person to be retained in Govt. Service.

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers as per Rule 11 of the CCS (CCA) Rules, 1965 for good and sufficient reasons imposes upon the said Shri Inder Raj, Mate the penalty of REMOVAL FROM SERVICE with immediate effect.

DR. CHHATTRA SAL SINGH
General Manager
Disciplinary Authority

Shri Inder Raj, Mate
c/o Shri Ram Chander
1. 566, Rampura,
Delhi-110035.
2. 70, Rampura,
Delhi-110035.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 8th April 1986

Ref. No. DPS/2/1(26)/83-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. K. Chapte, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1986 in the same Directorate, until further orders.

Ref. No. DPS/2/1(26)/83-Adm./2034.—In continuation to this Directorate Notification of even number dated 14-1-1986, the Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. J. Pereira a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis from 1-4-1986 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-762, the 20th February 1986

MEMORANDUM

Ref. No. NFC/PA-II/4339/EUOP/1392.—In terms of para 1 (a) of the offer of the appointment made to him vide letter No. NFC/PAR/0702/175 dated January 16, 1984, the services of Shri K. Narasinga Rao, HA, EC No. 4339, EUOP NFC (Industrial Temporary Workmen—Non Technical) are terminated with immediate effect.

2. He should return the Bus Pass, Security Identity Badge and any other Government Material issued to him, to the Manager EUOP, immediately.

N. V. RAMANAN
Administrative Officer

Shri K. Narasinga Rao,
Helper (A), EC. No. 4339,
EUOP, NFC

Shri K. Narasinga Rao,
H. No. 4-3-250,
Gujarathi Lane,
Sultan Bazar
Hyderabad-500001—By Regd. Post with Ack. Due.

DEPARTMENT OF SPACE

SHAR CENTRE

Sriharikota, the 3rd April 1986

No. SCF : PGA : ESTT : II : 15.—The Director, SHAR Centre hereby appoints on promotion Shri S. D. Sharma, to the post of Station Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-3-1986.

P. S. NAIR
Head, Personnel & General
Admn. Division
for Director.

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 4th April 1986

No. 020/1(15.1)/86-Est.1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the date shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders :—

- (a) Kum. S. V. Umamaheswari, Sci./Engr. 'SB' with effect from October 9, 1985.
- (b) Shri N. Mohamed Sheriff, Sci./Engr. 'SB' with effect from December 30, 1985.

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-II

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th April 1986

No. A-32013(DDGM)/2/83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Maheshwari, Director to officiate as Deputy Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from 19th February, 1986 and until further orders.

No. A-32013(ADGM)/2/83-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. M. Kulshrestha, Deputy Director General of Meteorology, to officiate as Additional Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from the afternoon of 21st February, 1986 and until further orders.

S. D. S. ABBI
Dy. Dir. Genl. of Meteorology
(Admn. & Stores)

New Delhi-3, the 9th April 1986

No. A-32014/8/84-E.I.—Shri A. L. Chimote, Professional Assistant has been appointed as Assistant Meteorologist in an officiating capacity in India Meteorological Department with effect from 16-1-1985 and until further orders, by the Director General of Meteorology.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Dir. Genl. of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th March, 1986

No. A. 32013/12/84-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department on ad hoc basis for the period upto March, 31, 1986 with effect from taking over charge of the higher post and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1	S. M. Kulkarni	Porbander	Bombay	14-1-86 (AN)
2	R. Govindarajulu	Nagpur	Madras	26-2-86
3	K. S. Murthy	Nagpur	Madras	31-1-86 (AN) 6
4	S. K. Chatterjee	Mohanbari	Calcutta	22-02-8 (FN)
5	G. N. Oka	Bombay	Bombay	14-1-86
6	M. S. Gogate	Bombay	Bombay	14-8-86 (AN)
7	S. Berman	Hyderabad	Calcutta	05-02-86 (FN)
8	S. P. Sengupta	Silchar	Calcutta	15-1-86 (FN)
9	H. S. Tuli	Delhi	Delhi	14-1-86 (FN)
10	C. R. Guha	Agartala	Calcutta	20-1-86 (FN)
11	R. K. D. Chowdhury	Calcutta	Calcutta	16-1-86 (FN)
12	J. P. Gupta	Delhi	Delhi	16-1-86 (FN)
13	M. S. Deol	Quazigund	Delhi	30-1-86 (FN)
14	N. R. Bose	Silchar	Calcutta	14-2-86 (FN)
15	M. T. Rajarishi	Bombay	Bombay	14-2-86 (AN)
16	P. G. Chandarana	Bombay	Bombay	14-1-86 (AN)
17	M. G. Sandell	Delhi	Delhi	15-1-86 (FN)
18	Tirath Singh	Delhi	Delhi	15-1-86 (FN)

No. A-32014/4/84-EC.—In partial modification of this Office Notification No. A-32014/4/84-EC dated 14th February 1986, the Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of adhoc appointment of Shri A. N. MITRA, Assistant Communication Officer in the Civil Aviation Department for the period from 1-12-1984 to 30-11-1985.

2. The extension of adhoc appointment of Shri MITRA in the grade of Assistant Communication Officer shall not bestow on him any claim for regular appointment in the grade and the period of service rendered on adhoc basis shall neither count for seniority in the grade of Assistant Communication Officer nor for promotion to the next higher grade.

No. A.38013/4/86-EC—The undermentioned Assistant Technical Officers of Aeronautical Communication Organization of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on the date indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Station of posting	Date of Retirement.
S/Shri			
1.	H. R. Kundra, ATO	CRSD New Delhi	31-10-85
2.	S. K. Upadhyay, ATO	ACS Calcutta	31-12-85
3.	J. K. Nath, ATO	ACS Calcutta	28-2-86

The 28th March 1986

No. A.38013/1/86-EC—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department have relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on the date indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Station of posting	Date of retirement
S/Shri			
1.	P. K. Dutta, Communication Officer	ACS Calcutta	31-1-86 (AN)
2.	O. P. Chanda, Technical Officer	ACS Palam	31-1-86 (AN)
3.	P. C. V. Subramaniam, Technical Officer	ACS Bombay	28-2-86 (AN)
4.	Keshav Nath, Technical Officer	ACS Bombay	28-2-86 (AN)

The 31st March 1986

No. A-31013/4/1/85-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. GARG in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 29-8-1983.

V. JAYACHANDRAN
Dy Dir. of Admn.

New Delhi, the 31st March 1986

No. A. 32014/1/84-ES—The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the continuance of adhoc appointment of the following Superintendents in the post of Administrative Officer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-1000-EB-40-1200, at the station of posting noted below, for a further period upto 30-6-86 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period of ad hoc apptt. approved	Station of posting as Admn. Officer (ad hoc)
From To			
S/Shri			
1.	G. Balan	6-3-86	30-6-86 R. D. Madras.
2.	O. N. Sahore	7-3-86	30-6-86 A. O. Safdarjung.

No. A-32014/1/86-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. P. Mehrotra, Superintendent (ad-hoc) to officiate as Administrative Officer on Ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1200, in the office of Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad w.e.f. 10-3-86 upto 31-3-86.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Admn.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd April 1986

No. 3/86. F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Didar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer to the Central Power Engineering (Group 'B') Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the 12th March, 1986 (FN), until further orders.

R. SESHADRI
Under Secy.
for Chairman, CEA

MINISTRY OF TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 9th April 1986

No. 1-TR(5)/85.—The Director General is pleased to relieve Capt. S. S. Jairam, Nautical Officer appointed on ad-hoc basis on T. S. Rajendra, Bombay w.e.f. 12-3-1986 (A.N.).

No. 11-TR(7)/85.—The Director General is pleased to accept the resignation of Shri Ashok Kumar Awasthi, Engineer Officer, Directorate of Marine Engineering Training, Bombay with effect from 28-2-1986 (A.N.).

A. CHANDRA
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dubey Finance (J&K) Private Limited*

Srinagar, the 7th April 1986

No. Pc/530/432.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Dubey Finance (J&K) Private Limited has this day been struck off the Register and therefore the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies J&K,
Srinagar.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Paras Properties Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 11th April 1986

No. 680/16258/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Paras Properties Pvt. Ltd. has

this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME-TAX, WEST BENGAL

Calcutta, the 10th January 1986

ORDER NO. 673

I. PROMOTION

F. No. 2E/28/75-76.—The following Inspectors of Income-tax, West Bengal, Calcutta are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date they take over and until further orders :—

S/Shri

1. Ramendra Ch. Roy.
2. Smt. Susan George Verghese.
3. Partha Pratim Sarkar.
4. Premananda Basu.
5. Sudha Ranjan Banerjee.
6. Ajit Kumar Akuli.
7. Ramendu Bikash Barua.
8. Purna Chandra Bhattacharjee.
9. Ardhendu Sekhar Mandal. (S/C).
10. Bankim Ch. Pandey. (S/C).
11. Rai Benode Das. (S/C).
12. Bimal Ch. Malakar. (S/C).
13. Nalini R. Mandal (S/C).
14. Haripada Talukdar. (S/C).
15. Ajit Anthony Augustin Tirkey. (S/T).

The appointments are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Their services are liable to termination without notice and they are liable to reversion at any time if after review of the vacancies, it is found that their appointments are in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers conferred under section 124 of Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) I hereby direct that :—

S/Shri

1. Ramendra Ch. Roy.
2. Smt. Susan George Verghese.
3. Partha Pratim Sarkar.
4. Premananda Basu.
5. Sudha Ranjan Banerjee.
6. Ajit Kumar Akuli.
7. Ranendu Bikash Barua.
8. Purna Chandra Bhattacharjee.
9. Ardhendu Sekhar Mandal.
10. Bankim Ch. Pandey.
11. Rai Benode Das.
12. Bimal Ch. Malakar.
13. Nalini R. Mandal.
14. Haripada Talukdar.
15. Ajit Anthony Augustin Tirkey.

On their appointments as Income-tax Officers (Group 'B') shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said act in respect of such persons or classes of persons or such Income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time.

III. POSTINGS

On promotions all the above Officers are hereby posted as Officer on special Duty in the office of the Chief Commissioner (Administration) & Commissioner of Income-tax, West Bengal-I, Calcutta.

R. PRASAD
Chief Commissioner (Admn.) & CIT,
WB-I, Calcutta.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th April 1986

Ref. No. III-1282/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 2, Sheet No. 29, Circle No. 9, Municipal Plot Nos. 895, 896, 897/898, 899 holding No. 114 (old), 141, 142 (new), Thana No. 137 situated at Mouza Moharampur, Chougama Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurubachan Singh S/o
Shri S. Bhag Singh, advocate,
constituted power of attorney of
Shri Sanjaya Lal S/o
Shri Chandlal, R/o
67, Five Mile Drive, Oxford, U.K.
(Transferor)
- (2) Ashiana Engineers Pvt. Ltd.,
Exhibition Road, Patna, through Director
Shri Indrajit Singh S/o
Shri Madanjit Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 15 kathas situated at Mouza Moharampur, Chougama, Exhibition Road, P. S. Kotwall, present P. S. Gandhi Maidan, Patna morefully described in deed No. 6100 dated 28-8-85 registered with D. S. R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/1.—Whereas, I,
J. PRASAD, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One property situated at Verka, Distt. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
S. R. Amritsar in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration,
through S/Shri Ashwani Kumar &
Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal,
Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal,
R/o 323, Krishna Nagar,
Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Baljinder Kaur W/o Shri Manohar Singh,
C/o Hindustan Cold Storage & Ice Factory,
O/S Gate Hakiman, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage
& Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in
sale deed No. 5360 dt. 12-8-1985 of registering authority
Amritsar,

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-4-1986
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th April 1986

Rf. No. ASR/86-87/2.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One property situated at Verka, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar through S/sra Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Beant Singh S/o Shri Chet Singh, R/o 2013, Gali Nathe Khan, Kt. Khazana, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5464 dt. 14-8-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-4-1986
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/3.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Verka, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar through S/Shri Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Beant Singh S/o Shri Chet Singh, R/o 2013, Gali Nathe Khan, Kt. Khazana, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5310 dated 9-8-85 of registering authority Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-4-1986
Seq;

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th April 1986

Ref. No. ASR/86-87/4.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Verka, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hindustan Cold Storage & Refrigeration, through S/sra Ashwani Kumar & Ashok Kumar Ss/o Shri Jagiri Lal, Smt. Darshana Rani W/o Shri Jagiri Lal, R/o 323, Krishna Nagar, Lawrence Road, Amritsar.
- (2) Smt. Satwant Kaur W/o Sh. Sujan Singh, 3416/2 Sector 40-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of property known as Hindustan Cold Storage & Refrigeration, Verka, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5412 dt. 13-8-85 of registering authority Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2415/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing City Survey No. 1257 (Old), 1206 (New), Bhavani Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 17—46GI/86

- (1) Mr. Kantilal H. Shah,
 "Pushpak Apartments",
 81, Bhavani Peth, Pune.

(Transferor)

- (2) Mr. Jivraj D. Jain,
 Mrs. Manichand D. Jain and
 Mr. Narendra D. Jain,
 R/o 1206, Bhavani Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 1257 (Old), 1206 (New), Bhavani Peth, Pune.
 (Area 2808 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2415/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Poona

Date : 31-3-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4234/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11 on the third floor in the building Shree Vaibhav Apartments, Tilak Road, Dombivli (E), situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Patkar Builders,
Patkar Building,
Patkar Road, Dombivli (E). (Transferor)
- (2) Shri Ramakant K. Durve, R/o
Yashodhan, Rajaji Road,
Dombivli (E). (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the 3rd floor in the building "Shree Vaibhav Apartments", Tilak Road, Dombivli (E).

(Area 623 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4234/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 31-3-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Nanesha Promoters & Builders,
549, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Salim Sidique Umarmulla, R/o
802, Bhavani Peth, Yaqub Nagar, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2697/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 389/B, Bhavani Peth, Pune, Flat No. 15 on 2nd floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 389/B, Flat No. 15 on 2nd floor, Bhavani Peth, Pune.
(Area 785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2697/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1986
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
PUNE**

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2218/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, 1st floor, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, Shevneri, 370 Mangalwar Peth, Pune-11 through Shri K. V. Shah, Promoter. (Transferor)
- (2) Shri B. D. Keskar & Shri V. B. Keskar, R/o 14/296, Lokmanya Nagar, Pune-30. (Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7. (Area 920 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2218/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pooona

Date : 10-3-1986
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2161/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4 ground floor, 1272 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bhagwan Palav & Sons.
1272, Sadashiv Peth, Pune-30. (Transferor)
- (2) M/s. Sansar,
1087, Sadashiv Peth, Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, 1272, Sadashiv Peth, Pune-30.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2161/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 10-3-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4228/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16 on the 4th floor in the building Share Vaibhav Apartments, Tilak Road, Dombivli (E) situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Patkar Builders,
Patkar Building,
Patkar Road, Dombivli (E).

(Transferor)

(2) Shri P. K. Durve, R/o
Yashodhan, Rajaji Path,
Dombivli (E).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on the fourth floor in the building "Shree Vaibhav Apartments" Tilak Road, Dombivli (E).
(Area 623 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4228/1985-86 in the month of Sept., 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Pune

Date : 24-2-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4318/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302 on third floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road, (Andheri Kurla Road)
Andheri (E), Bombay. (Transferor)
- (2) Smt. P. B. Bansal, 1/9, Garden Apartments,
Sion, Trombay Road, Chembur, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on third floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D B C Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4318/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 21-3-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4307/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, on 6th floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Sarita L. Bansal,
B-1, Bindu Centre Tilak Road, Santacruz (W),
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, on 6th floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4307/1985-86 in the month of Sept. 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 21-3-1986

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2449/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

at No. 6, "Snehal Apartments" Plot No. 2, S. No.

50+52+53A, Parvati, Pune

situated at Pune

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18-46GI/86

- (1) Mr. R. V. Joshi, Power of Attorney Holder for Smt. P. P. Sheth, 42 Gururaj Co-operative Housing Society, Paud Road, Kothrud, Pune.

(Transferor)

- (2) Mr. J. K. Gadre, and Mrs. J. J. Gadre, Plot No. 99, Mahajan Bungalow, P.M.T. Colony, Sahakarnagar No. 2, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, "Snehal Apartments" Plot No. 2, S. No. 50+52+53A, Parvati, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2449/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 24-3-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 12th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ./CA-5/37EE/2263/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, IInd floor, at Plot No. 7, out of F.P. No. 494, T.P.S. No. III, Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pravinkumar A Mehta, & 3 others,
Vandana Apartment, 494/4, Parvati,
Pune-9.

(Transferor)

(2) Shri Ashok N Shah and Mrs. Prafullata A Shah,
333, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, IInd floor at Plot No. 7, out of F.P. No. 494, T.P.S. No. III, Parvati, Pune-9. (Area 850 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2263/1985-86 in the month of Sept. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 12-3-1986
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4311/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 122 on First floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector No. 17, D. B. C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the Office of the Registering Officer 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vardhaman Constructions,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road)
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. Mahendar Sekhri & Mrs Sharda Sekhri,
69, Anand Park, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 122, on first floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector No. 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4311/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-3-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2215/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 205, 2nd floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7, situated at Pune-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, -922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, "Shivneri" 370 Mangalwar Peth, Pune-11.
through
Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter,
(Transferor)
- (2) Shri S. P. Gopal,
51/8 L.I.C. Colony,
Ganeshkhind Road, Pune-16.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7. (Area 920 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2215/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-3-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2217/1985-86.--
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 101, 1st floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust,
"Shivneri" 370 Mangalwar Peth,
Pune-11.
Through
Shri Kirtisagar Vadilal Shah; Promoter,
(Transferor)
- (2) Shri K. S. Vithal & Shri K. V. Vishwanath,
103-B Shukrawar Peth, Jadhav Wada,
Near Budami Haud, Pune-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7.
(Area 540 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 2217/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-3-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2212/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 105, 1st floor, proposed Traders Society, S. No. 128, 4/17, Aundh, Pune-7 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust, "Shivneri" 370 Mangalwar Peth, Pune-11.
Through
Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter,

(Transferor)

- (2) K. K. Athavale, T-14-A Sarvatra Vihar, M.E.S. Colony, Bombay Poona Road, Kirkee. Pune-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, proposed Traders Society, S. No. 128, 4/17, Aundh Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2212/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-3-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2219/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, S. No. 128, 4/17 Aundh, Pune-7 situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Shikshak Seva Public Charitable Trust,
"Shivneri" 370 Mangalwar Peth,
Pune-11.
Through
Shri Kirtisagar Vadilal Shah, Promoter,
(Transferor)
- (2) Shri A. R. Bendre, 1170/22 Shivajinagar,
Revenue Colony, Pune-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, S. No. 128, 4/17 Aundh Pune-7.
(Area 920 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2219/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-3-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/3049/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Building No. C-6 in Plot No. F.P. 375 Sangamwadi (Koregaon Park) Kavadeewadi, Pune-1 in Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sanstha 2 Maryadit, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sanstha No. 2, Maryadit, Uma Shankar, Plot No. 46, Bajiprabhu Society, Sahakarnagar, Pune. (Transferor)
- (2) Mrs. Sundari Subramaniam, 143 B/2 Somwar Peth, Pune-11. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Building No. 6 in Plot No. F.P. 375 Sangamwadi, (Koregaon Park) Kavadeewadi, Pune in Raksha Lekha Sahakari Griha Rachana Sanstha 2 Maryadit, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3049/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 24-3-1986

Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bhindar Kaur
Ushagram, P. S. ASANSOL
Dt. Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Mira Devi
W/o Sr. Kailash Prosad
K.S. Road, Railpara, Asansol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1986

Ref. No. AC-1/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 114/1 situated at G.T. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Asansol on 12-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
AM/6.7

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19-46GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 7K 8Ch land with building.
Address : 114/1, G. T. Road (East) P. S. Asansol, Dt. Burdwan.
Deed No. : 4766 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated: 8-4-1986
Seal:

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1986

Ref. No. AC-2/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 89 situated at M.N. Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Asansol on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Roma Mukherjee W/o Sri Manu Mukherjee
Sri Tapan Kr. Mukherjee
3/23, River Side Township
Burnpur, Dt. Burdwan. (Transferor)
- (2) Smt. Mira Roy W/o Dr. B. K. Roy
G-2, T.S. Flat Burnpur
Dt. Burdwan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 3K-1Ch-31 sq. ft. land with buildings.

Address : 89, M.N. Road, Mouza & P. S. Asansol, Dt. Burdwan.

Deed No.: 4778 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 8-4-1986
Seal:

FORM ITNS—

(1) Arun Kumar Sen Official Receiver, High Court,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE(2) Pulin Behari Sarkar,
7, Duffer's Street,
P. S. Bally, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th April 1986

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas I,
SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
7 situated at Duffer's Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
R.A. (Cal) on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
~~fifteen per cent of such apparent consideration and that the~~
~~consideration for such transfer as agreed to between the~~
~~parties has not been truly stated in the said instrument of~~
transfer with the object of :—

- (a) ~~facilitating the reduction or evasion of the liability~~
~~of the transferor to pay tax under the said Act, in~~
~~respect of any income arising from the transfer;~~
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 120 cottahs land with building.
Address : 7, Duffer's Street, Mouza-Malipanchghora, P. S.
Bally, Howrah.
Decd No.: 11385 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 9-4-1986

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246(66) situated at G.T. Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd.,
246(66), G. T. Road, Liluah, Howrah.
(Transferor)
- (2) M/s. Kwaliti Steel Industries,
134/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-700-007.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat No. 'C' on the eastern side of the 2nd floor.
Address: 246(66) G. T. Road, P.S. Bally, D. Howrah.

Deed No.: 12192 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated: 10-4-1986.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246(66), situated at G.T. Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd.,
246(66) G. T. Road, Liluah, Howrah.

(Transferor)

- (2) M/s. Lakshmi Engineering Works,
134/1, Mahatma Gandhi, Road, Calcutta-700-001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Plot No. Type 'B' on the eastern side of the 2nd floor.

Address: 246(66) G.T. Road, P.S. Bally, Dist. Howrah.
Deed No: 12193 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated: 10-4-1986.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1986

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246(66) situated at G.T. Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. (Cal) on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :—

- (1) M/s. Bajrangbali Engineering Co. Ltd.,
246(66) G. T. Road, Liluah, Howrah. (Transferor)
- (2) Smt. Shyama Devi Agarwal,
W/o Sri Durga Dutt Agarwal,
196, Girish Ghosh Road, Belurmath, P.S. Bally,,
Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Flat No. C/1, on the southern side of the 2nd floor.
Address: 246(66) G.T. Road, P.S. Bally, Dt. Howrah.
Deed No.: 12195 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated: 10-4-1986.

Seal:

FORM I.T.N.S.-----

- (1) Sri Mihir Lal Mukherjee,
4-A, Little Russell Street, Calcutta-700 071.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th March 1986

Ref. No. AC-43/Acq.-R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Demurarigopinathpur Bankura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the D.S.R. Bankura on 5-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Sri Biswanath Dutta, Lal Bazar, P.S. & Dist. Bankura,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 12 3/4 decimal of land with building.
Address : Mouza-Demurarigopinathpur, P.S. & District
Deed No. : 7614 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 24-3-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th March 1986

Ref. No. AC-42/Acq.-R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Demurarigopinathpur, Bankura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at D.S.R. Bankura on 5-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Sri Samir Jal Mukherjee, 79, Russa Road (East), Tollygunge, Calcutta-33.

(Transferor)

(2) Sri Gouri Shankar Lohia, Kesiakola, P.S. & Dt. Bankura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 12-3/4 decimal of land with building.
Address : Mouza-Demurarigopinathpur, P.S. & Dt. Bankura.
Deed No. : 7613 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd January 1986

Ref. No. AC-30/Acq.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I,
SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nil situated at Mouja-Sonamukhi, P.S. Kharagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kharagpur on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—46GI/86

- (1) Smt. Nilima Dasgupta,
C/o Dr. H. Dasgupta,
36, Shok Row, Ganguly Bagan,
Calcutta-700 084.

(Transferor)

- (2) Smt. Maya Mukherjee,
C/o Shri P. C. Mukherjee,
EDE Engineering Co. (P) Ltd.,
P.O. Silchat-I, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 10 Decimal with building.

Address : Vill. Prembazar, Hijil, Mouja-Sonamukhi, P.S. Kharagpur, District Midnapore.

Deed No. 3261 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 23-1-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1986

Ref. No. AC-41/Acq.R-IV/Col/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 145, 146 & 146/A situated at Mahatma Gandhi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Hooghly on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sudhir Kumar Chakravarty,
Swapan Kr. Chakravarty,
Tapan Kr. Chakravarty,
Bulbul Chowdhury,
Smt. Aparna Moyee Chakravarty,
115/A, M. G. Road,
Chinsurah, District Hooghly.

(Transferor)

- (2) M/s. Favourite Small Investment Ltd.,
83, Park Street, Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : District Hooghly, P.S. & Mouza-Chinsurah, J. L. No. 20, Touzi No. 2076, R.S. No. 513, Kh. No. 759, Dag No. 7018, Premises.

Address : No. 145, 146 & 146/A, Mahatma Gandhi Road, Hooghly.

Deed No. : 5531 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 11-3-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 5983.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jahankhelan (Hoshiarpur) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Raksha Rani W/o Krishan Dev Singh,
R/o Jahankhelan, Distt. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Gurbir Singh S/o Surjan Singh,
Miss Jatinder Kaur D/o Balbir Singh,
R/o Vill. Bajwara Distt. Hoshiarpur, through
Baljit Singh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 69K 8M land in Village Jahankhelan (Hoshiarpur) and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1628 of August 1985 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 4-4-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6000-6001.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hira Lal S/o Sant Ram of Azad Hind Dairy, Bazar Sheikhan, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Jasvir Kaur W/o Joginder Singh r/o 195-L, Model Town, Ludhiana (R.D. No. 2774) and Barinder Kaur, W/o Amarjit Singh r/o 486-L, Model Town, Jalandhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. WB-362 situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2774 and 2807 of August, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 4-4-1986
Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6002-6003.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vijay Property Dealers, Adda Hoshiarpur, Jalandhar through Sh. Kapil Dutt Mahey s/o Sh. Daulat Ram. (Transferor)
- (2) Shrimati Kamaljit Kaur W/o Mohan Singh (R.D. No. 2874) and Gurcharan Singh s/o Mohan Singh R/o 21-Parkash Nagar, Jalandhar C/o Khalsa Book Depot, 25-Ashtosh, Mukerji Road, Bhawanipur, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Parkash, Nagar near Model Town, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2874 & 2882 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 4-4-1986

Seal :

FORM ITNS—

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6004-6005.—Whereas, I R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ramesh Verma s/o Ishar Dass
r/o 124-New Grain Market, Jalandhar
C/o X-Ray Clinic, Dhiman Market Jail Road,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Balbir Kaur W/o Darshan Singh
and Darshan Singh s/o Jagat Singh
r/o T-2/101, S.V. Road, Sunder Nagar,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Plot area 1K-1M-153 S.ft. situated in Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2752 and 2764 of August 85 of Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6006-6007.—hereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Scheduled situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimati Sukhwant Kaur W/o Tej Mohan Singh
r/o 272-Model Town, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal S/o Arjan Dass, Adda Basti Sheikh, Jalandhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2592 and 2606 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th April 1986

Ref. No. A.P. No. 6008-6009-6010-6011.—Whereas, I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registration Office at Jalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sham Piari W/o Madan Lal r/o Tanda Road, Jalandhar Mukhtiar Mohinder Singh S/o Surat Singh r/o 486-Preet Nagar, Sodal Road, Indl. Area Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jang Bahadur Singh s/o Mohinder Singh R.D. No. 2703), Harvinder Singh s/o Mohinder Singh (R.D. No. 2790 & Surrinder Kaur w/o Jang Bahadur Singh (2816) Ravinder Kaur w/o Harvinder Singh 486-Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar (2904)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Shiv Nagar, Sodal Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2703 2790-2816 & 2904 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-4-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref No. A.P. No. 6012-6013.—Whereas I,
R.R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 1985 and Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—46G1/86

- (1) Shri Janak Raj s/o Gurdial Mal, 21-Sat-Nagar, Jalandhar and Kamlesh Kapur W/O Om Parkash R/O ND-146, Bikram Pura, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Jasbir Kaur w/o Gurdip Singh Bhatia R.D. 2870 and Bhupinder Kaur w/o Tej Mohan Singh Bhatia r/o 179-New Vijay Nagar, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 179 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2870 of Aug. 85 and 5847 of Feb. 86 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated 9-4-86
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6014-6015.—Whereas, I,
R.R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. as per Schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registration Officer
at Jalandhar on August, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal s/o Karam Chand Kapur
R/O G-I-938, Sarojni Nagar, New Delhi now at
NE-204, Adda Hoshiarpur, Jalandhar (2641) and
Virender Kumar s/o M.L. Kapur r/o NE-204,
Jalandhar (2642).
(Transferor)

(2) Shri Sunil Grovers s/o Sunder Lal r/o 4/183,
Central Town, Jalandhar (2641) and Madhu
Grover w/o Gulshan Grover 94-Shaheed Udham
Singh Nagar, Jalandhar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. NE-204 (BI-599) situated at Adda
Hoshiarpur Jalandhar & Persons as mentioned in the
registered sale deed Nos : 2641 and 2642 of August, 85 of
the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated 9-4-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Kundan Kaur w/o Mohan Singh r/o
525-New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Pritam Singh and Dr. Smt.
Kuldip Kaur w/o Avtar Singh r/o V. Khara
Maja Tehsil Jalandhar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6016.—Whereas I,

R.R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot No. 525 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2875 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 9-4-86
Seal :

FORM-TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
JALANDHAR**

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6017-6018.—Whereas I, **R.R. GUPTA** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Kumar, Roshan Lal, Romesh Chander S/o Gopal Dass r/o EF-369, Mandi Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Herbans Lal r/o EK-251, Phagwara Gate, Jalandhar (2622) and Sawarn Chopra w/o Vinod Kumar r/o as above. (2626). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 75/Street-4, situated in Central Town Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos; 2622 and 2626 of August, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated 9-4-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar the 9th April, 1986

Ref. No. A.P. No. 6019-6020.—Whereas I, R. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalandhar I Lac (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bodh Raj S/o Hem Raj r/o 63-Model Town, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Bhupinder Nath Sharma s/o Ravinder Nath (R.D. No. 2680) and Veena Sharma w/o Bhupinder Nath r/o E-2, Dilkusha Markte, Jalandhar (R.D. No. 2753). (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property plot No. 319 situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos; 2680 & 2753 of August, 85 of the Registering -Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated 9-4-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 31st March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/126/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 153 kanals 6 marlas situated at Vill. Budanpur uraf Sakanpur Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal under Registration No. 1907 dated 7-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inderjeet Kaur w/o Sh. Amrik Singh, Smt. Satbir Kharlanda w/o Sh. Paramjeet Singh, r/o 480, Model Town, Karnal.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Iqbal Chand Nagpal; 2. Sh. Vimal Kant Nagpal ss/o Sh. Chiranji Lal r/o 844/13, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 153 kanals 6 marlas situated at Budanpur uraf Sakanpur Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1907 dated 7-8-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 31-3-86
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sh. Gobinda; 2. Sh. Jai Singh ss/o Sh. Ram Dhan r/o vill, Sukhrali Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Ansal Property & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/85/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 20 kanals 15 marlas situated at Vill. Sukharali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2551 dated 13-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 15 marlas situated at village Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2551 dated 13-8-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-4-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/72/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 22 kanals 19 marlas situated at Vill. Shahpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2385 dated 2-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Chander Bhan s/o Sh. Ram Lal r/o Sarhol Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Paragon Real Estate & Apartment Pvt. Ltd., 21, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 kanals 19 marlas situated at village Shahpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2385 dated 2-8-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-4-86
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) 1. S/Sh. Risal Singh; 2. Surajan Singh; 3. Rijak Ram;
4. Smt. Chhoti r/o Vill. Sukharali Teh. Gurgaon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Suraj Construction & Estate (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/86/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 23 kanals 8 marlas situated at Vill. Sukharali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2552 dated 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land 23 kanals 8 marlas, Sukharali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2552 dated 13-8-85 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22-4-86

Date : 11-3-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7-4-86

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/176/85-86.—Whereas I, B.L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 38 kanals 2 marlas situated at Vill. Choma (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2918 dated 30-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

2. Sh. Dharam Singh S/o Sh. Indraj
2. Sh. Ranbir Singh s/o Sh. Sada Ram
3. Smt. Dhanpati w/o Sh. Balbir Singh r/o Cartarpuri Teh. Gurgaon. (Transferor)
2. M/S Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd, 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 38 kanals 2 marlas situated at vill. Choman and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2918 dated 30-8-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

(B.L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 7-4-86
Seal :

FORM ITNS

1. Sh. Dhupan Singh s/o Sh. Tara Chand r/o vill. Choma Teh. Gurgaon.
(Transferor)
2. M/S Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1986

Ref. No. I.A.C.[Acq.]GRG/97/85-86.—Whereas I, B.L.KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 28 kanals 15 marlas situated at Vill. Choman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2673 on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 28 kanals 15 marlas situated at village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2673 dated 23-8-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 7-4-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 17th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/79/85-86.—Whereas I, B.L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 44 kanals situated at village Kanhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2437 dated 6-8-85 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

2. Sh. Ram Chander s/o Sh. Ghamandi r/o Kanhai Teh. Gurgaon.
(Transferor)
2. M/S Green Park Builder & Promotor (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals situated at vill. Kanhai and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2437 dated 6-8-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-3-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2678.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D-143-A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Natwar Behari Lal Mathur,
S/o Mohanlalji Mathur,
R/o D-143-A, Savitri Path Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Dharamchand,
S/o Mool Chand,
Manorma, W/o Dharamchand,
Naresh Kumar, S/o Mool Chand & Anjna Devi,
W/o Naresh Kumar, R/o Narayana, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-143 situated at Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2013 dated 8-8-1985.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Major Bupender Singh,
358-Sanik Vihar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bikhav Chand, S/o Laxmichand Bagrecha,
100 Dhuleshwar Garden, Jaipur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2679.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 39 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the at Jaipur on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 39 Rampura Housing Society Scheme No. 2 Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 1944 dated 1-8-85.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mandhata Singh,
S/o Sangram Singh,
R/o Devgarh Distt. Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Rao & Sh. Alok, Ss/o Mohan Lal Mehta,
R/o Madhuban, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2680.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 13-C situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Udaipur on 13-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13-C Fatchpura, Udaipur and morefully describ-
ed in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registra-
tion No. 2368 dated 13-8-85.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2681.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 13-C situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mandhat Singh,
S/o Sangram Singh, R/o Devgarh. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Devi, W/o Mohanlaji Mehta,
R/o Madhuban, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13/8-C, Fatehpur, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 2369 dated 13-8-1985.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM 112E**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2682.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Ag. land Pratapgarh situated at Pratapgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pratapgarh on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—46GI/86

(1) Shri Devi Prasad Singh, url Devi Pratap Singh, S/o Sh. Harihar Nath Singhji Rajput, R/o Pratapgarh (Raj.).

(Transferor)

(2) Shri Kanwailal, S/o Bhawanji God, Mali, R/o Pratapgarh (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 11.25 Bigha situated at Pratapgarh and fully described in the sale deed registered by S.R. Pratapgarh Dist. Chittorgarh vide Registration No. 969 dated 16-8-85.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-4-1986
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2683.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sumanlata Agrawal, Shri Sarad Agrawal.

(Transferor)

(2) Shri Navcen Gupta, Shri Narrotam Lal Gupta,
R/o C-77, Sarojini Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-77, Sarojini Marg Jaipur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration 2036 dated 12-8-85.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. P. Gupta, S/o Shri Late Ganeshlal,
R/o A-10/Tilak Nagar, Jaipur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Rashmi Kant, Smt. Sumeda, Shri Mehul,
Ku. Monisha Durlabhji, R/o A-2, Mahaveer Udhan
Marg, Bajaj Nagar, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2684.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-10 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-10, Vijay Path, Tilak Nagar, Jaipur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide Registration No. 1991 dated 7-8-1985.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dev Kishan, Khandafalsa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Idaq Raj Mehta, S/o Kewalram Mehta,
R/o Plot No. 89, Sector A Section 4 Shastri Nagar,
Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2685.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 89 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 89 Sector-a Section-4 Shastri Nagar, Jodhpur and fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur Registration No. 2934 dated 12-8-1985.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Karan Singh S/o Jai Singhji Mahant,
Jodhpur,
(Transferor)
- (2) Shri Girish Joshi, S/o J. Mukan Chand Bhimji, ka
Mohalla, Jodhpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th April 1986

Ref. No. Raj./LAC (Acq.)/2686.—Whereas, I, **MOHAN SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25-C, situated at Jodhpur (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 25-C situated at Thakur Karan Singh ka Ahata, Panch Bati Air Force Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 2936 dated 12-8-1985.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 792/86-87.—Whereas, I P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. as per Schedule, situated at Moilathra No. as per Schedule, situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/s. Asharaf Ali.
 2. Shameema.
 3. Ansar.
 4. Illias.
 5. Lila Sulaiman.
 6. N. L. Abdul Azceez.
 7. K. I. Salim.
 8. K. T. Nazar.
 9. Hussain Ibrahim.
 10. B. K. Sulekkha Beevi.
 11. N. E. Fathima Beevi.
 12. Mohamed Ismail.
 13. Mohammed Khan.
 14. Ruseefa Nursalam.
 15. Ibrahim Abdul Rahim.
 16. Mohammed Khan Ismail.
 17. Mohammed Khan Abdul Salam.
 18. Suhara Meerannan.
- Partner : M/s. Aini Plantations, Parakkal Buildings, Kanjirapilly.

(Transferors)

- (2) Shri M. C. Varghese,
Mangalappilly House,
Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

52.6 acres of rubber estate with buildings in Sy. No. 89 situated at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at Sub Registry Office, Kavilampara, Calicut vide document No. 2111/85 dt. 20-9-1985.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 793/86-87.—Whereas, J. P. THIAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. as per Schedule, situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/s. Asharaf Ali.
 2. Shamema.
 3. Ansar.
 4. Illias.
 5. Lila Sulaiman.
 6. N. E. Abdul Azeez.
 7. K. I. Salim.
 8. K. I. Nazar.
 9. Hussain Ibrahim.
 10. B. K. Sulekha Beevi.
 11. N. E. Fathima Beevi.
 12. Mohammed Ismail.
 13. Mohammed Khan.
 14. Ruseefa Nursalam.
 15. Ibrahim Abdul Rahim.
 16. Mohammed Khan Ismail.
 17. Mohammed Khan Abdul Salam.
 18. Suhara Meerannan.
- Partner : M/s. Aini Plantations, Parakkal Buildings, Kanjirappilly.

(Transferors)

- (2) Mrs. Claramma Varghese,
W/o. Shri M. C. Varghese,
Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

42.6 acres of rubber estate situating in Sy. No. 89. Moilathra Desom, Kavilampara Amsom, registered at Sub Registry Office, Kavilampara, vide document No. 2305 dt. 25-10-85.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. P. Sunny,
S/o. Shri P. D. Poulase,
Kangangala Village, Kozhikode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 794/86-87.—Whereas, I. P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule, situated at Moilathra (more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavilampara on 18-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

30 acres of rubber estate with a building in Sy. No. 89 at Moilathra Desom, Kavilampara Amsom, registered at the Sub-Registry Office, Kavilampara vide document No. 2305 dt. 18-10-1985.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 795/86-87.—Whereas, I, P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. as per Schedule at Moilathra situated at Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—46GI/86

- (1) Shri P. D. Poulase,
S/o. Shri Devassykutty,
Pengiparambil, Kangangala Village,
Kozhikode.

(Transferor)

- (2) Shri Saji Varghese,
S/o Shri M. C. Varghese,
Mangalam Publications, Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.06 acres of rubber estate in Survey No. 89 at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at Sub Registry Office, Kozikode, vide document No. 2043, dt. 13-9-1986.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 7966/85-86.—Whereas, I, P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- No. as per Schedule, situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 24-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. D. Poullose,
S/o Devassaykutty,
Pengiparambil, Kangangala Village, Kozhikode.
(Transferors)
- (2) Shri Saji Varghese,
S/o Shri M. C. Varghese,
Mangalam Publications, Kottayam.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13.55 acres of rubber estate situated in Survey No. 89 at Kavilampara Amsom, Moilathra Desom, registered at the Sub Registry Officer, Kavilampara on 24-8-1986 vide document No. 2254.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin, the 8th April 1986

Ref. No. L.C. 797/86-87.—Whereas, I, P. THIAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. As per schedule situated at Moilathra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavilampara on 24-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. P. Denny,
S/o Shri P. D. Poulose .
Pongiparambil, Kangangala Village, Kozhikode.
(Transferor)
- (2) Shri Saji Varghese,
S/o, Shri M. C. Varghese,
Mangalam Publications, Kottayam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 acres of Rubber Estate situated in Moilthara Devam, Kavilampara Amsom, registered at Sub Registry Office Kavilampara, vide document No. 2252/85, dt. 24-8-1985.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM IITS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
NARAYANI NILAYAM
WARRIAM ROAD

Cochin-662 016, the 8th April 1986

Ref. No. L.C.798/86-87.—Whereas I,

P. THIAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule at Moilathra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavilampara on 11-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri P. P. Denny,
S/o. Sri P. D. Poulase,
Kangangala Village,
Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri Sabu Varghese,
S/o. Sri M. C. Varghese,
Mangalam Publications,
Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

29.55 acres of rubber estate with a building in Survey No. 89 at Moilathra Desom, Kavilampara Amsom, registered at the Sub Registry Office, Kavilampara, vide document No. 2353 Dt. 11-10-1985.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE
NARAYANI NILAYAM,
WARRIAM ROAD,
COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 8th April 1986

Ref. No. L.C.799/86-87.—Whereas I,
P. THIAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Moilathara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kavilampara on 13-9-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri P. P. Denny,
S/o. Sri P. D. Poullose,
Kangangala Village,
Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri Sabu Varghese,
S/o. Sri M. C. Varghese,
Mangalam Publications,
Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

3.45 acres of rubber estate in Sy. No. 89 at Kavilampara
Amsom, Moilathra Desom. with a building, vide document
No. 2046 Dt. 13-9-1985.

P. THIAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1986
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/288/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. B-18-3612, situated at South Model Gram Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Rajinder Singh Wadhwa
s/o. Sh. Dayal Singh Wadhwa
r/o. H. No. 1804 Sector 33D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdial Singh
s/o Sh. Harmander Singh
r/o House No. 17
South Model Gram
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-18-3612 South Model Gram Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 7709 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/285/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Share of House No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kewal Krishan
s/o Sh. Shiv Chand
r/o H. No. B-21-622/11, Janta Nagar
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Jaswinder Kaur
w/o Sh. Surinder Singh
r/o Kailash Nagar, 442, Gagandeep Colony,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-21-622/11 Janta Nagar Gali No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7269 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/286/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Share of H. No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kewal Krishan
s/o Sh. Shiv Chand
r/o B-21-622/11, Janta Nagar
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Singh
s/o Sh. Amar Singh
r/o Kailash Nagar,
442, Gagandeep Colony,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of H. No. B-21-622/11, Janta Nagar, Gali No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7301 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. LDH/290/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Share of H. No. B-21-622/11, situated at Gali No. 2, Janta Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—46GI/86

(1) Sh. Kewal Krishan
s/o Sh. Shiv Chand
r/o B-21-622/11, Janta Nagar
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur
w/o Sh. Raminder Singh
r/o Kailash Nagar,
442, Gagandeep Colony,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of House No. B-21-622/11, Janta Nagar Gali No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8078 of August 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/129/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 100, situated at Sector 23A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. V. K. Mehta,
H. No. 70 Sec. 8A,
Chandigarh.
Smt. Anupam Mehta
r/o H. No. 70 Sector 8A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Master Rupinder Pal Singh
Smt. Kamal
r/o 6A-3, Housing Board Colony,
Jhaku, Shimla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 100 Sector 23A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 701 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Seal :
Date : 9-4-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. CHD/108/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 3321, situated at Sector 27D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sardul Singh Vilku
s/o Sh. Lal Singh
H. No. 235, Sector 19A,
Chandigarh through his general attorney
Smt. Sheela Devi
w/o S. Daleep Singh
r/o H. No. 3264 Sector 27 D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh
s/o Sh. Sawan Mall
r/o H. No. 3321, Sector 27D,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Bheem Sain Chopra
Sh. Bhajan Singh both
r/o H. No. 3321, Sector 27D,
Chandigarh.

(Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3321, Sector 27D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 572 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Seal :
Date : 11-4-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/111/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 3102 Sector 22D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sona Devi
w/o Sh. Ram Kumar
r/o House No. 3102, Sector 22D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Gurvinder Singh
s/o S. Sohan Singh
r/o SL-5, Anand Vihar, Jail Road,
Delhi-64.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3102 Sector 22D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 580 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. KHR/43/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 50, situated at Phase 3-B-1 Mohali, Teh. Kharar Kharar in August 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jasbir Kaur
w/o Sh. Surinder Singh
r/o H. No. 48 Sector 27A Chandigarh GPA of
Sh. Rattan Singh
s/o Sh. Roora Ram
r/o 270 Sector 35A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Singh
s/o Sh. Balbir Singh
r/o H. No. 213 Sector 15A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any or in any of the said persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50 Phase 3-B-1, Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2788 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/127/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1722 situated at Sector 34D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sarjit Singh
s/o Sh. Mit Singh
through his general power of attorney
Sh. Gurdial Singh Dhillon,
s/o Sh. Kehar Singh,
r/o H. No. 1722 Sector 34D,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Joginder Kaur Kohli,
w/o Late S. Sohan Singh Kohli
r/o 8A, Pali Hill Road, Khar,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1722 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 685 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/109/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 1818, situated at Sector 34D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
office of the Registering Officer at
Ghandigarh in August 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Sh. Devinder Singh Grewal
s/o Sh. Parja Singh Grewal
r/o H. No. 149, Defence Colony,
Jalandhar,

(Transferor)

- (2) Sh. Dalip Singh
s/o Sh. Gurdit Singh
r/o Vill. & P.O. Nawan Pind Donewal
Distt. Jalandhar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1818 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No.
574 of August 1985 of the Registering Authority Chandl-
garh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. CHD/131/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1260, situated at Sector 8C, Crandigarh Road, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Tilak Raj Sethi
s/o Sh. Brij Lal Sethi
r/o Ladwa Distt. Kurukshetra
Haryana. (Transferor)
- (2) Smt. Jagdish Kaur Bhinder
D/o Sh. Hazara Singh Bhinder,
r/o Vill. Jagral,
Distt. Jalandhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1260 Sector 8C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 708 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

(1) S. Daljit Singh Cheema
s/o S. Bahadur Singh,
r/o Kothi No. 1599, Sector 18D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Teja Singh s/o Sh. Mela Singh and
Smt. Sampuran Kaur
w/o Sh. Teja Singh and
Sh. Balwinder Singh
s/o Sh. Teja Singh,
through their general power of attorney
S. Jaswant Singh s/o Sh. Ujjagar Singh
r/o 1085 Sector 8C, Chandigarh. and
Smt. Jasbir Kaur
D/o Sh. Teja Singh
r/o H. No. 1085 Sector 8C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CHD/125/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1599, situated at Sector 18D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the Office of the Registering Officer of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 1599 Sector 18D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 668 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. KHR/46/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 342, situated at Phase 3-B-1-Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jatinder Kumar
s/o Sh. J. S. Singaria
r/o H. No. 720 Sector 22A, Chandigarh
attorney
Smt. Sanch Prabha
w/o Sh. Om Parkash Sharma
r/o H. No. 548 Phase 2 Mohali
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Harcharan Singh Hanspal
s/o Late Sh. Ishar Singh Hanspal
r/o H. No. 548 Phase 2 Mohali
Teh. Kharar.
Now H. No. 342 phase 3-B-1
Mohali Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 342 Phase 3-B-1, Mohali, Teh. Kharar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2964 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

- (1) Sh. Satendra Khera
s/o Sh. Manohar Lal Khera
and Smt. Krishna Khera
w/o Sh. Satendra Khera
r/o P-156-B Railway Colony Kalka
Distt. Ambala.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Ravinder Pal Singh,
Amartej Singh,
and Gurpreet Singh
ss/o Sh. Waryam Singh Lamba
r/o E-28, Bali Nagar,
New Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No.. KHR/42/85-86.—
Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 3012, situated at Phase VII, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House No. 3012, Phase VII, Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2674 of August 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/136/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. SCF site No. 328, Motor Market, Commercial Complex situated at Mani Majra U. T. Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jagjit Singh & Sons, through S. Jagjit Singh s/o S. Mool Singh, r/o H. No. 17, Sector 27A, Chandigarh for self and as Lawful special attorney for his sons Sh. Varinderpal Singh, Sh. Bhupinder Singh, Surinder Pal Singh and Gurinderpal Singh r/o H. No. 17, Sector 27A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Harjit Singh, Hardip Singh s/o S. Balbir Singh r/o 3227 Sector 15D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF site No. 328, Motor Market Commercial Complex Manimajra U. T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 702 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/122/85-86.—

Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 75, situated at Sector 16A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

- (1) Smt. Gian Devi
w/o Late Sh. R. L. Rawal
Sh. Yoginder Kumar Rawal,
Sh. Narinder Kumar Rawal
Ss/o Shri R. R. Rawal
r/o H. No. 75, Sector 16A,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S. Mohinder Singh Gill
s/o S. Kartar Singh Gill
r/o H. No. 1606, Sector 18D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 75 Sector 16A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 659 of August 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/126/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 2037, situated at Sector 21C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shanti Swaroop Sharma s/o
Sh. Chhajoo Ram
r/o H. No. 2037 Sector 21C,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Baljit Kaur w/o
S. Gurcharan Singh,
r/o H. No. 2037 Sector 21C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2037 Sector 21C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 677 of August 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. CHD/133/85-86.—Whereas I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

15th share of H. No. 1666,

situated at Sector 7C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer

office of the Registering Officer at

Chandigarh in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (1) Smt. Bhag Kaur wd/o
Late S. Karam Singh,
r/o H. No. 3309, Sector 40D,
Chandigarh.

(Transferee)

- (2) S. Sarmukh Singh s/o S. Hazara Singh
r/o H. No. 1584, Sector 18D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th share of H. No. 1666 Sector 7C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 711 of
August 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LudhianaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. PTA/11/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17, Khasra No. 164, situated at Nihal Bagh, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Patiala in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Dhaliwal w/o
S. Mohinder Singh Dhaliwal,
r/o Nihal Bagh,
Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh s/o
Sh. Dalip Singh r/o
Village Lakha, Teh. Jagraon,
Distt. Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person/ whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 Khasra No. 164 at Nihal Bagh, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3203 of August, 1985 of the Registering Authority, Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6-3-1986.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th April 1986

Ref. No. NBH/3/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 137 Kanals 19 Marlas, situated at Vill. Alipur, Teh. Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—46GI/86

- (1) S/Sh. Surinder Kumar,
Vinod Kumar,
Rajinder Kumar,
ss/o Sh. Wazir Chand,
r/o Vill. Alipur, Teh. Nabha.

(Transferor)

- (2) Sh. Piara Singh s/o Sh. Nihal Singh,
S Sh. Jagdish Singh, Ajit Singh
ss/o Sh. Piara Singh,
Sh. Inder Singh s/o Sh. Nihal Singh,
S/Sh. Gurdial Singh, Sukhdev Singh,
Gurmail Singh, Karnail Singh, Hardev Singh,
ss/o Inder Singh,
r/o Vill. Alipur,
Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 137 Kanals 19 Marlas at Vill. Alipur, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1911 of August 1985 of the Registering Authority, Nabha).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. LDH/284A/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothi No. 6A, situated at Sarabha Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jaswant Singh Ubhi s/o
S. Naranjan Singh Ubhi,
Ludhiana, 105 Bakluch Street Glasgo, U.K.
through Sh. Jasbir Singh s/o
S. Hari Singh r/o
670/20, Gali No. 7, Partap Nagar,
Ludhiana. (Transferor)
- (2) S. Mewa Singh s/o
S. Jaswant Singh,
r/o Village Boani, Teh. &
Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 6A Sarabha Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 7244 of August 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mewa Singh s/o Sh. Jaswant Singh,
r/o Village Boani,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. LDH/288A/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3 share of H. No. B-XX-1144/4, situated at Satbha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh, & Sh. Narinder Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, r/o 2, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of H. No. B-XX-1144/4, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7989 of August 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1986

Ref. No. PTA/10/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 47 Kanal 1 Marla, situated at Heera Garh, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Garu Ram s/o Sh. Paru Ram,
r/o Patiala. (Transferor)
- (2) Sh. Mehar Singh s/o Sh. Gurnam Singh and
S/Sh. Mohan Singh, Jasbir Singh,
ss/o Sh. Gurdial Singh and
S/Sh. Surinder Singh, Mohinder Singh,
ss/o Sh. Gurcharan Singh,
r/o Heera Garh, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 47 Kanal 1 Marla at Heera Garh, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3076 of August 1985 of the Registering Authority, Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7491/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, 6th floor, Sunita Building, Cuffe Parade, Bombay-5. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishore S. Sadh, Mr. Rohit S. Sadh, Mrs. Saroj D Sadh. (Transferor)
- (2) Mr. Lakhiram T Shivdasani. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 6th floor, Sunita Building, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7044(A)/85-86 on 2-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Munir A. Kalvert.

(Transferor)

(2) Helendra D. Shah & Mrs. Dipika H. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7628/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansea Road, Bombay-6.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than seven per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/7174/85-86 on 14-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Goshar Hiji Visharia &
Smt. Hansaben G Visharia,

(Transferor)

(2) Shri Kanjibhai Karamshi &
Shri Mohanbhai Naranbhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/7708/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 4, G Block, Teveni Bldg. 66, Walkeshwar Road,
Bombay-6.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Said Act in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 22-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with object of—

THE SCHEDULE

Flat No. 4, G Block, Teveni Bldg. 66, Walkeshwar Road,
Bombay-6.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7251/85-86
on 22-8-85.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under that said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Navinchandra S Bhavsar,
(Transferor)
- (2) Shri Mahendra J Shah &
Jayantilal J Shah.
(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7820/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 43, 4th floor, Kedia Apartment, 29-F, Doongershi Road, Walkeshwar, Bombay-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Kedia Apartment, 29-F, Doongershi Road, Walkeshwar, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7358/85-86 on 30-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7592/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, 8th floor, Guide Bldg., 16, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-85 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—46GI/86

- (1) Mr R S Screwwalla & Soli K Screwwalla,
Mrs. Dolly S Screwwalla. (Transferee)
- (2) Mrs. Vijay Sudha G Talwar. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 8th floor, Guide Bldg., 16, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7139/85-86 on 9-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7594/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6B, 6th floor, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shaunkatali E Furniturewala & Smt. Zeenat S Furniturewala. (Transferor)
- (2) Mrs. Mehroo Keki Gandhi & Miss Katy Keki Gandhi. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6B, 6th floor, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7149/85-86 on 9-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 24-3-1986
Seal :

~~FORM ITNS~~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7576/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 57-A, Surya Kiran, New Surya Kiran Housing Society Ltd., Pan Galli, Gowalia Tank, Bombay-36. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—
213—36 GI/86

- (1) Hiraben Vadilal Shah. (Transferor)
(2) Malvika Hirachand Jhaveri. (Transferee)
(3) Hiraben Vadilal Shah. (Person in occupation of the property)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 57-A, Surya Kiran, New Surya Kiran Housing Society Ltd., Pan Galli, Gowalia Tank, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7123/85-86 on 8-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bomb

Date : 24-3-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7547/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st floor, Dhanvantari Bhavan CHSL, 143-B, August Kranti Marg, Bombay-36, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Meera S Harite.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Bhogilal Jhaveri
Shri Bhogilal B Jhaveri,
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Dhanvantari Bhavan CHSL, 143-B, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7096/85-86 on 5-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 24-3-1986
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7659/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 2nd floor Hill View-15 Ridge Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ruxmini M Zaveri & Shri Sudhir M Zaveri.
(Transferor)
- (2) Mr. Bharat B Thakkar, Anil B Thakkar, Mr. Prabhodh B Thakkar.
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Hill View, Giri Darshan CHSL, 15, Ridge Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7204/85-86 on 19-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (a) Saema E. Lokhandwalla &
(b) Sakina E. Lokhandwalla.

(Transferor)

- (2) Messrs. Goodlass Nerolac Paints Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7622/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61 (North Wing) on 6th floor & Car parking space on ground floor of Bldg. "Carmel" situate on Plot Bearing C.S. No. 1/587 of Malabar Hill Division, 30, Napeansca Road, Bombay-400 006, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61 (North Wing) on 6th floor & Car parking space on ground floor of Bldg. "Carmel" situate on Plot Bearing C.S. No. 1/587 of Malabar Hill Division, 30, Napeansca Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7167/85-86 on 12-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Seal :
Date : 11-4-1986

FORM ITNS—

(1) Shri S. R. Devasthale,
Reshimbagh, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri K. B. Rao,
H. No. 377, Plot No. 71,
Prashant Nagar, Amravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1986

Ref. No. IAC./ACQ/39/24/85-86.—Whereas I,

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingHouse No. 377, Plot No. 71, S. No. 14, Prashant Nagar,
Amravati(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Amravati on 28-8-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House bearing No. 377, Plot No. 71, S. No. 14, Prashant
Nagar, Amravati. Plot area 1200 Sq. Ft. Construction
850 Sq. Ft.M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
NagpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 14-1-1986
Sent :